बालाघाट, सिवनी, मंडला, गोंदिया एवं भंडारा जिले में प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 30 अगस्त 2026 | दिन - रविवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 214 | मूल्य - 5 रुपये

झारखंड : रील बनाते समय नदी में बहे तीन लोग, एक को बचाया गया..

मेदिनीनगर, (भाषा)। झारखंड के पलामू जिले में शनिवार को तीन लोग मोबाइल फोन से वीडियो रिकॉर्ड करने के लिए नदी में उतरे लेकिन पानी के तेज बहाव में बह गए। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों ने एक व्यक्ति को बचा लिया जबकि बाकी दो अब भी लापता हैं। छतरपुर के अनुमंडल पुलिस अधिकारी प्रशांत कुमार ने बताया, स्थानीय लोगों ने एक व्यक्ति राजेंद्र साव (40) को बचा लिया। राजेंद्र का अस्पताल में इलाज जारी है। लापता लोगों के नाम रितिक और टेनी हैं। इस बीच एक अन्य घटना में शनिवार को राज्य के चतरा जिले में 'राष्ट्रीय खेल दिवस' के मौके पर खेल प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे सातवीं कक्षा के एक छात्र की बिजली गिरने से मौत हो गई। मृतक अनीश उरांव, चतरा सदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक मध्य विद्यालय का छात्र था।दोपहर में जब छात्र खेल प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे थे, तभी इलाके में गरज के साथ बारिश हुई। पुलिस ने बताया कि रांची का रहने वाला उरांव बिजली गिरने से गंभीर रूप से झुलस गया।

प्रधानमंत्री मोदी 02 दिवसीय यात्रा पर उज्बेकिस्तान पहुंचे, राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने की अगवानी..

ताशकंद, (भाषा)। *प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को उज्बेकिस्तान पहुंचे, जहां वह राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे। इस दौरान दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने पर चर्चा होगी। ताशकंद हवाई अड्डे पर पहुंचने पर राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने प्रधानमंत्री मोदी का*

स्वागत किया। यह प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान की चौथी यात्रा है। मोदी ने ताशकंद पहुंचने के बाद 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव के गर्मजोशी भरे स्वागत के बीच ताशकंद पहुंचा। उनके इस विशेष सम्मान के लिए आभारी हूं। उज्बेकिस्तान की यह मेरी चौथी यात्रा है, जो हमारे द्विपक्षीय संबंधों की गहराई को दर्शाती है।'' ताशकंद पहुंचने के बाद मोदी ने यांगी उज्बेकिस्तान पार्क का भ्रमण किया और स्वतंत्रता स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति मिर्जियोयेव भी उनके साथ थे। यह स्मारक देश की आजादी की 30वीं वर्षगांठ पर बनाया गया था और यह स्वतंत्रता तथा अच्छाई के आदर्शों का प्रतीक है। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ताशकंद पहुंचने के बाद राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ यांगी उज्बेकिस्तान स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। यह स्मारक उजबेक लोगों की आकांक्षाओं और प्रगति को दर्शाता है। अपनी यात्रा की शुरुआत यहां से करके खुशी हुई। मोदी दो देशों की यात्रा के पहले चरण में ताशकंद पहुंचे हैं। वह किर्गिस्तान भी जाएंगे। इस यात्रा का उद्देश्य मध्य एशिया में भारत की रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना और इस क्षेत्र के साथ सभ्यतागत संबंधों को प्रगाढ़ बनाना है। उज्बेकिस्तान की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान मोदी राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ व्यापार, निवेश, डिजिटल संपर्क, रक्षा और ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा करेंगे। मोदी ने रवाना होने से पहले कहा, ''मैं राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ व्यापार और निवेश, डिजिटल संपर्क, रक्षा तथा ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने तथा 'विकसित भारत' और 'नया उज्बेकिस्तान' के हमारे साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के उपायों पर चर्चा के लिए उत्सुक हूं।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि वह ताशकंद में शास्त्री स्मारक और 'ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ऑरिएनटल स्टडी' स्थित महात्मा गांधी केंद्र का भी दौरा करेंगे। ताशकंद से प्रधानमंत्री मोदी किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक जाएंगे, जहां वह राष्ट्रपति सदर जापारोव के निमंत्रण पर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के 26 वें शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

हजारों की तलाश में हृदय विदारक परिस्थितियों से जुझ रहे बचावकर्मी, नेपाल बाढ में मृतकों की संख्या 675 हुई..

काठमांडू, (भाषा)। नेपाल में अचानक आई बाढ़ से मरने वालों की संख्या शनिवार को बढ़कर 675 हो गई। भारी बारिश, बढ़ते जलस्तर और भोटेकोशी नदी क्षेत्र में फिर से बाढ़ आने की आशंका के बीच बचाव और खोज अभियान जारी है। करीब 2,400 लोग अब भी लापता हैं, जिनमें कम से कम 320 विदेशी नागरिक शामिल हैं। अब तक 4,400 से अधिक लोगों को बचाया और सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। बचाव दल पूरी शिद्दत से अपने कार्यों में जुटे हैं, ताकि सड़कों और पुलों के टूटने के कारण संपर्क से कट चुके दूरदराज के इलाकों तक पहुंचा जा सके।

अधिकारियों ने बताया कि बचाए गए लोगों में कम से कम 261 विदेशी पर्यटक शामिल हैं, जिनका पहले संपर्क टूट गया था। उन्होंने बताया कि इनमें 167 भारतीय, 40 चीनी, आठ यूक्रेनी, जर्मनी और माल्टा के चार-चार, अमेरिका के तीन नागरिक शामिल हैं। बाकी लोग तुर्किये, पुर्तगाल, रूस, स्पेन, स्विट्जरलैंड, इटली, ओमान, बेल्जियम और बुल्गारिया के हैं। खोज और बचाव अभियान के लिए 15,000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। वहीं, फंसे हुए लोगों को निकालने और राहत सामग्री पहुंचाने के लिए हेलीकॉप्टर लगातार उड़ान भर रहे हैं।

माना जा रहा है कि नेपाल-तिब्बत सीमा के पास हिमालयी क्षेत्र में बर्फऔर चट्टानों के टूटने या हिमस्खलन के कारण यह आपदा आई। पानी, मिट्टी और मलबे का भारी बहाव बुधवार को मध्य नेपाल से होकर गुजरा, जिससे कई जिलों के कस्बे और गांव तबाह हो गए। इसने घरों, वाहनों, सड़कों और पुलों को बहा दिया तथा जलविद्युत परियोजनाओं को नुकसान पहुंचाया। हिमालयी सीमा क्षेत्र से दक्षिण की ओर बहने वाली भोटेकोशी नदी बाढ़ के पानी के बहाव का मुख्य रास्ता बन गई, जिससे मध्य नेपाल में भारी तबाही हुई। चीनी अधिकारियों के अनुसार, सीमा पर चीनी क्षेत्र में भी सात लोगों की मौत हुई है और 550 से अधिक लोग लापता बताए गए हैं। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा कि प्रभावित इलाकों में खोज एवं बचाव दल, चिकित्सा कर्मी और आपातकालीन कर्मचारी मिलकर काम कर रहे हैं।

अधिकारी लापता लोगों की पहचान के लिए उनके परिवारों के साथ संपर्क कर रहे हैं। राजनयिक विदेशी नागरिकों के लापता होने की स्थिति में उनके परिवारों से संपर्क कराने में मदद कर रहे हैं। खनाल ने कहा कि सरकार आगे भी बाढ़ की संभावना पर नजर रख रही है और प्रभावित क्षेत्र को ÷उच्च सतर्कता÷ पर रखा गया है। फिर से हो रही बारिश से मुश्किलें बढ़ रही हैं। आपातकालीन दलों ने चेतावनी दी है कि खराब मौसम और क्षतिग्रस्त ढांचे के कारण सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों तक पहुंचना मुश्किल हो रहा है।

कुछ गंभीर रूप से प्रभावित स्थानों तक अब केवल हेलीकॉप्टर से ही पहुंचा जा सकता है, क्योंकि सड़कें और पुल बह गए हैं। जटिल भौगोलिक स्थिति भी बचाव अभियान में बाधा डाल रही है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के ऊपर एक नयी झील बन गई है, जिससे नीचे के इलाकों में फिर से बाढ़ आने की आशंका बढ़ गई है। चीन की निगरानी में पता चला कि बाद में झील का जलस्तर अपने सबसे ऊंचे स्तर से कम हुआ है, लेकिन नेपाली अधिकारी अब भी पानी के स्तर और आगे बाढ़ की संभावना पर करीबी नजर रख रहे हैं। भारत से भेजी गई 11 सदस्यीय टीम ने शनिवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जलविद्युत सुरंगों का निरीक्षण किया। विशेष टीम बाद में नुवाकोट जिले के त्रिशूली पहुंची, जहां वह जलविद्युत परियोजना की सुरंग में फंसे कर्मचारियों को बचाने के प्रयास में मदद करेगी। नेपाली सुरक्षा बलों ने प्रभावित क्षेत्र में जलविद्युत परियोजनाओं से 191 कर्मचारियों और स्थानीय लोगों को बचाया है, लेकिन कई अन्य लोग अब भी कई स्थानों पर लापता हैं। भारतीय सुरंग बचाव विशेषज्ञ कुछ कठिन अभियानों में तकनीकी सहायता देंगे। भारत ने बुधवार से नेपाल के बाढ़ प्रभावित इलाकों में 57.6 टन राहत सामग्री भेजी है। नेपाल ने शनिवार को भारत की सहायता की सराहना की। नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले ने भारतीय सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को असाधारण रूप से उदार बताते हुए कहा कि नयी दिल्ली ने पुनर्निर्माण के लिए बड़ी सहायता देने का संकेत दिया है। वाग्ले ने कहा कि अभी तत्काल प्राथमिकता बाढ़ में फंसे लोगों को बचाना है। इसके बाद राहत और पुनर्निर्माण का काम होगा। नेपाल अब बुनियादी ढांचे और समुदायों को हुए भारी नुकसान का आकलन कर रहा है। नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण ने शुक्रवार को बुधवार की आपदा वाली जगह पर पानी का स्तर बढ़ने के बाद फिर से बाढ़ आने की संभावना जताई थी। अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं, क्योंकि रुक-रुककर हो रही बारिश से बचाव और राहत कार्य प्रभावित होने का खतरा है।

नेपाल के मौसम विभाग ने शनिवार को बाढ़ प्रभावित इलाकों में फिर से बारिश और आंधी-तूफान की चेतावनी दी। इससे बिगड़ते हालात के बीच चल रहे बचाव और राहत कार्यों में बाधा आने की आशंका है। आपदा की भयावहता केवल तबाही से ही नहीं, बल्कि लोगों के बचने की असाधारण कहानियों से भी सामने आई। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास स्थित तिमुरे शहर में बचे लोगों ने बताया कि पानी, मिट्टी और पत्थरों का सैलाब आने पर वे पहाड़ियों की ओर भागे। उन्होंने बताया कि कुछ ही सेकंड में घर गायब हो गए। तबाही के बाद के दृश्य भी भयावह हैं। कुछ इलाकों में इमारतें कई फुट मिट्टी के नीचे दब गई हैं, वाहन आधे डूबे हुए हैं और मलबे के बीच बिजली के खंभे उखड़े पड़े हैं। परिवार अपने सामान की तलाश में कीचड़ और मलबे के बीच घूम रहे हैं, जबकि अस्पतालों के बाहर मौजूद रिश्तेदार जीवित बचे लोगों की सूची और मृतकों की तस्वीरों में अपने प्रियजनों की जानकारी तलाश रहे हैं। अस्पतालों और राहत केंद्रों में चिंतित परिजन नाम और तस्वीरों में अपने लोगों को खोज रहे हैं, जबकि बचावकर्मी मिट्टी हटाकर, नदी किनारों की तलाश कर और दूरदराज इलाकों में उड़ान भरकर जीवित बचे लोगों को ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक 'जगप्रेरणा' अब व्हाट्स अप पर भी उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और ताजा खबरों से जुड़ें।

कुंडली निर्माण, कुंडली मिलान, विवाह मुहूर्त, कुम्भ विवाह, वास्तु परामर्श, वास्तु शान्ति पूजन, पितृदोष, कालसर्प, अन्य ग्रहों की शांति पूजा एवं महामृत्युंजय अनुष्ठान, लक्ष्मी कुबेर अनुष्ठान, भैरव अनुष्ठान आदि के लिये संपर्क करें..

मार्गदर्शक
डॉ. अरविंदचन्द्र तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स,
ज्योतिष पद्मविभूषण बालाघाट म.प्र.

ग्रहयोग भवन, नर्मदा नगर, शिव मंदिर चौक, बालाघाट
मो. 94251-38638
94067-38800

जग प्रेरणा
live शहर बालाघाट
● गर्रा ● भटेरा ● देवटोला ● आंवलाझरी ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोंगलई

मान्यता ऑटो पार्ट्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियाँ सुधारी जाती है।
Hero BAJAJ HONDA TVS
मनीष वर्मा
मो. 9425448126
वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्पलेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

बालाघाट जिले के बैहर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पूर्व नक्सलप्रभावित आदिवासी ग्राम बोंदारी में

बीमारी से मृत आदिवासी बच्चों के प्रभावित परिवारों से मिले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, दी 2-2 लाख की आर्थिक सहायता..

लांजी में मीडिया संवाद में पत्रकारों से कही मन की बात.. बालाघाट जिले के सर्वांगीण विकास के लिए 225 करोड़ के विकास कार्यों की कि घोषणा..

जगप्रेरणा बालाघाट।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज 29 अगस्त को बालाघाट जिले के बैहर विधानसभा क्षेत्र के नक्सल प्रभावित रहे ग्राम बोंदारी पहुंचे, जहां उन्होंने ग्रामीणों से संवाद किया। बोंदारी पहुंचने से पहले मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर द्वारा सुबह 11 बजे लांजी पहुंचे। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री तथा प्रभारी मंत्री श्री राव उदय प्रताप सिंह, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णवाल, मुख्यमंत्री के सचिव श्री सुदाम खाड़े, आयुक्त जनसंपर्क श्री मनीष सिंह, जबलपुर संभाग

के कमिश्नर श्री धनंजय सिंह, अनुसूचित जनजाति आयोग सदस्य श्री भगतसिंह नेताम, विधायक संजय उइके, विधायक मधु भगत, विधायक राजकुमार कर्राहे, विधायक गौरव सिंह पारधी, भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कांवरे, पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता निशांत बिसेन, कलेक्टर कुमार सत्यम, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

पहली बार नक्सलप्रभावित ग्राम बोंदारी पहुंचे मुख्यमंत्री..

गौरतलब है कि बालाघाट जिले के इतिहास में पहली बार किसी मुख्यमंत्री ने आदिवासी ग्राम बोंदारी में पहुंचकर आदिवासी बैगाओं से मुलाकात की। बोंदारी में मुख्यमंत्री ने एक सभा मंच पर मंत्रियों, विधायकों और पंचायत प्रतिनिधियों के साथ प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बीमारी से मृत बच्चों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए बताया कि प्रभावित परिवारों को 2.20-2.20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है। संकट की इस घड़ी में प्रदेश सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावित परिवारों एवं ग्रामीणों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा पोषण, स्वच्छता और शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और शिक्षित परिवार ही मजबूत समाज की आधारशिला हैं। बच्चों के पोषण एवं शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के साथ ही स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाया जाए।

विकास के लिए 225 करोड़ के विकास कार्यों की घोषणा की..

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट जिले के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न विभागों के माध्यम से 225 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की घोषणा की। इन कार्यों के माध्यम से क्षेत्र में सामाजिक एवं मूलभूत अधोसंरचना को मजबूत किया जाएगा। सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों सहित रोजगार और आजीविका के अवसरों का विस्तार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूर्व में नक्सल प्रभावित रहे ग्रामों में विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बालाघाट अब नक्सलवाद के खात्मे के बाद विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व में नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में आजीविका के अवसरों के विस्तार और अधोसंरचना विकास के लिए पायलट प्रोजेक्ट चलाने के निर्देश दिए।

मीडिया संवाद में पत्रकारों से बोले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव..

मुख्यमंत्री जनविश्वास कार्यक्रम के अंतर्गत बालाघाट जिले के लांजी में आयोजित मीडिया संवाद कार्यक्रम को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संबोधित किया। मीडिया संवाद का संचालन भाजपा प्रदेश प्रवक्ता निशांत बिसेन ने किया। मीडिया संवाद में मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सल मुक्त बालाघाट को अब विकास, समृद्धि और आत्मनिर्भरता का मॉडल बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। विकास केवल योजनाओं और निर्माण कार्यों तक सीमित न रहे, बल्कि इसे कौशल विकास, रोजगार और स्वरोजगार से जोड़कर लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव लाया जाएगा। प्रदेश सरकार का प्रयास है कि विकास का लाभ समाज के सबसे गरीब, वंचित और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बालाघाट प्राकृतिक संपदा, कृषि, वन क्षेत्र, जनजातीय संस्कृति और पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध जिला है। जिले के दूरस्थ एवं पूर्व में नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। ग्राम स्तर पर कैम्प लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। वनाधिकार दावों के निराकरण के लिए भी विशेष रूप से कार्यवाही की जाएगी, ताकि पात्र जनजातीय परिवारों को उनके अधिकारों का लाभ मिल सके।

बैगा समाज के समग्र विकास के लिए बनेगा बैगा प्राधिकरण - बोले मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बैगा समाज की अपनी विशिष्ट, समृद्ध और गौरवशाली संस्कृति है। उनकी कला, परंपराएं, पारंपरिक ज्ञान और स्थानीय उत्पाद अमूल्य धरोहर होने के साथ-साथ आर्थिक सशक्तिकरण की बड़ी ताकत भी हैं। बैगा समाज के कल्याण एवं समग्र विकास के लिए बैगा प्राधिकरण का गठन कर योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा। बैगा संस्कृति और स्थानीय उत्पादों को विकास से जोड़ा जाएगा। पर्यटन की संभावनाओं को इको टूरिज्म से जोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल बालाघाट का विकास करना नहीं, बल्कि ऐसा समृद्ध, विकसित और आत्मनिर्भर बालाघाट बनाना है, जहां हर व्यक्ति को सम्मान, हर युवा को अवसर और हर परिवार को बेहतर भविष्य का भरोसा मिले। इसी संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ सरकार जिले के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी शक्ति से कार्य करेगी।

जब लांजी में उत्कृष्ट विद्यालय बालिकाएं मुख्यमंत्री से बोली.. हमारे विद्यालय को भी सांदीपनी बना दीजिये..

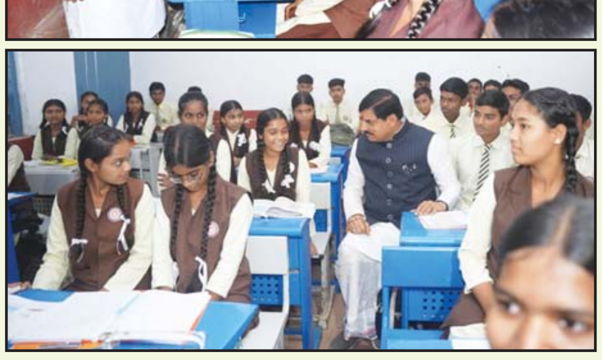

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लांजी के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय भी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कक्षा 10 वीं कक्षा में पहुंचकर छात्र-छात्राओं से संवाद किया। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर छात्राएं विशेष उत्साहित नजर आई। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से उनकी पढ़ाई, रुचियों और भविष्य के लक्ष्य को लेकर बातचीत की। उन्होंने विद्यार्थियों से सवाल करते हुए पूछा कि पानी में क्या डालने से आग लग जाती है? इस पर एक बालिका ने जवाब दिया कि सोडियम को पानी में डालने से आग लग जाती है। बालिका के सही उत्तर से मुख्यमंत्री प्रसन्न हुए और उसकी सराहना की। इस दौरान एक बालिका ने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि सीएम राइज विद्यालयों का नाम सांदीपनि विद्यालय क्यों रखा गया है? मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालिका के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण और उनके मित्र सुदामा के गुरु महर्षि सांदीपनि से प्रेरणा लेकर इन विद्यालयों का नाम सांदीपनि विद्यालय रखा गया है। उन्होंने बताया कि इन विद्यालयों के माध्यम से अमीर और गरीब सभी बच्चों को समान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने का उद्देश्य है। विद्यालय भ्रमण के दौरान कक्षा 10वीं की बालिकाओं ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को राखी बांधी। मुख्यमंत्री ने भी बालिकाओं को उपहार भेंट किए। इसी दौरान एक बालिका ने मुख्यमंत्री से बेहद आत्मीय अंदाज में कहा– हमें उपहार मत दीजिए, इसके बदले हमारे विद्यालय को भी सांदीपनि विद्यालय बना दीजिए। बालिका की इस बात पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव काफी प्रभावित हुए। उन्होंने उसकी वाकपटुता और आत्मविश्वास की सराहना करते हुए बालिकाओं को आश्वस्त किया कि उनका विद्यालय भी सांदीपनि विद्यालय बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री के इस आश्वासन से विद्यार्थियों में खुशी की लहर दौड़ गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों के साथ आत्मीयता से समय बिताया और उनके साथ फोटो भी खिंचवाई। उन्होंने कहा कि बच्चों के उत्साह, आत्मविश्वास और शिक्षा के प्रति उनकी रुचि देखकर उन्हें बहुत प्रसन्नता हुई।

मुख्यमंत्री के घेराव की कोशिश में बालाघाट में

एनएसयूआई छात्र नेता शिवम शर्मा एवं अन्य छात्र नेताओं को किया पुलिस ने गिरफ्तार..

जिला अध्यक्ष शिवम शर्मा ने कहा – न सवाल रुकेंगे, न संघर्ष रुकेगा..

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आज बालाघाट जिले में आगमन हुआ। मुख्यमंत्री सर्वप्रथम बालाघाट जिले के लांजी पहुंचे, जहां पर मुख्यमंत्री का घेराव करने की कोशिश में एनएसयूआई जिलाध्यक्ष शिवम शर्मा एवं अन्य छात्र नेताओं को आगे बढ़ने की कोशिश में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, और पुलिस वेन में ले जाकर पुलिस थाने में उन्हें बिठाये रखा।

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष शिवम शर्मा ने कहा कि हमारे जिले में आदिवासी बच्चों की मौत के मामले में पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता देने तथा उच्च न्यायालय के आदेश के अनुरूप छात्रसंघ चुनाव बहाल किए जाने की मांग को लेकर हम मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपनी बात रखना चाहते थे। हमारी मांग है कि प्रत्येक पीड़ित परिवार को सरकार की ओर से 50-50 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाना चाहि, और छात्र संघ चुनाव कराये जाने चाहिये। शिवम शर्मा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री से लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने के प्रयासों को पुलिस ने सफल नहीं होने दिया। शिवम ने कहा कि सवालों के जवाब से लोकतंत्र मजबूत होता है। हमारा छात्र संगठन सवाल उठाने से और संघर्ष करने से पीछे नहीं हटेगा। छात्रों और पीड़ित परिवारों की आवाज लगातार उठाई जाती रहेगी।

बालाघाट में मेजर ध्यानचंद को याद कर नेहरु स्पोर्टिंग क्लब ने मनाया खेल दिवस

खेल प्रतिभाओं का रमेश रंगलानी, किरणभाई त्रिवेदी, ऋषभदास वैद्य व कमलजीत सिंह छाबड़ा के हाथों किया गया सम्मान..

जगप्रेरणा बालाघाट।

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस स्थानीय शहीद चंद्रशेखर एस्ट्रोटर्फहॉकी मैदान में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश रंगलानी रहे, जबकि अध्यक्षता नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में हॉकी मध्यप्रदेश के उपाध्यक्ष विजय वर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी सुभाष गुप्ता, ऋषभ दास वैद्य, सतीश चिले एवं कमलजीत सिंह छाबड़ा मंचासीन रहे। इस अवसर पर रमेश रंगलानी ने कहा कि मेजर ध्यानचंद ने अपने अद्भुत खेल से भारत को ओलंपिक में स्वर्ण पदक दिलाकर देश का मान बढ़ाया था। उन्होंने कहा कि आज जिले में खेलों के प्रति बच्चों का रुझान तेजी से बढ़ रहा है, जो एक शुभ संकेत है। जो बच्चा मैदान में खेलेगा, वह कक्षा में भी बेहतर प्रदर्शन करेगा। खेल से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि अनुशासन और टीम भावना भी विकसित होती है। किरण भाई त्रिवेदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मेजर ध्यानचंद को दुनिया हॉकी का जादूगर कहती है। उनकी जयंती को पूरे देश में राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि नेहरू स्पोर्टिंग क्लब पिछले कई वर्षों से जिले की छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को निखारने का काम कर रहा है। हमारे जिले के खिलाड़ी आज राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर बालाघाट का नाम रोशन कर रहे हैं। इस अवसर पर क्लब के उपाध्यक्ष सुशील वर्मा, सहसचिव मकरंद अंधारे, प्रभात तिवारी, संदीप नेमा, वामन उके, गोपाल धुर्वे, विजय डेनियल, फिरोज खान, सत्यम वर्मा सहित हॉकी प्रशिक्षक दिव्या मोहारे, छाया सौलखे एवं बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन उपाध्यक्ष सुशील वर्मा ने किया।

दीक्षा कटरे बालाघाट एकलव्य व मनोज उपवंशी द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित..

डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एकेडमी ने मनाया खेल दिवस..

जगप्रेरणा बालाघाट।

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद का जन्मदिवस राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एकेडमी द्वारा हरिमंगलम मैरिज लॉन में मनाया गया, जिसमें उत्कृष्ट खिलाड़ियों को

सम्मानित किया गया। इस वर्ष पहली बार बालाघाट एकलव्य पुरस्कार व द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रदान करने की शुरुआत भी की गई, जिसमें दीक्षा कटरे को बालाघाट एकलव्य व मनोज उपवंशी को द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा जिले का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर रोशन करने वाले खिलाड़ी व उन कोचों व खेल संगठनों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नेहरू स्पोर्टिंग क्लब अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, अध्यक्षता पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी, विशेष अतिथि नपा उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, सांसद प्रतिनिधि सुशील वर्मा, शतरंज संघ अध्यक्ष विरेन्द्र जैन, अग्रवाल समाज अध्यक्ष हरिओम अग्रवाल, पूज्य सिंधी समाज अध्यक्ष अमर मंगलानी, अमर लोढ़ा सहित अन्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अतिथियों द्वारा मेजर ध्यानचंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि किरण भाई त्रिवेदी, पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी, सांसद प्रतिनिधि सुशील वर्मा, नपा उपाध्यक्ष योगेश बिसेन व डिस्टिक स्पोर्ट्स एकेडमी के अध्यक्ष तपेश असाटी ने संबोधित कर खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर देवेन्द्र चंदेल, नरेश धुवारे, आदित्य पंडित, सुभाष गुप्ता, इकबाल मंसूरी, अभिषेक पांडे, दशरथ बिसेन, दिलीप राजपूत, सुधीर तोमर, सौरभ बाघरेचा, श्रीवास्तव जी, कमल तिलासी, सहित डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एकेडमी के पदाधिकरी आशीष मिश्रा, विपिन अग्रवाल, चंद्रहास शर्मा सहित उपस्थित रहे।

कमला नेहरु सभागृह में जिला महिला लोधी संगठन का शपथ ग्रहण व भुजली महोत्सव आज 30 अगस्त को..

जगप्रेरणा बालाघाट। जिला महिला लोधा लोध लोधी क्षत्रिय महासभा के नेतृत्व में महिला संगठन के अंतर्गत शपथ ग्रहण और भुजली महोत्सव का आयोजन आज 30 अगस्त को किया गया है। इस संबंध में महिला जिलाध्यक्ष श्रीमती शीला नगपुरे ने बताया कि जिला महिला लोधा लोध लोधी क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह कमला नेहरू परिसर में दोपहर 11 से 2 बजे के बीच होगा जिसमें मुख्य अतिथि लोधा लोधी लोध महासभा के प्रदेशाध्यक्ष व पूर्व मंत्री जालमसिंह पटेल मुख्य अतिथि होगें।

इसके अलावा कार्यक्रम में बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे, लांजी विधायक राजकुमार कर्राहे भी अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगें। वही अध्यक्षता डॉक्टर अशोक लिल्हारे अध्यक्ष लोधी महासभा बालाघाट, प्रमुख अतिथि जीएसटी कमिश्नर लोकेश लिल्हारे, उपाध्यक्ष लोधी महासभा प्रदेश उदयसिह नगपुरे, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा लिल्हारे और विशेष अतिथि में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रूखमणी मिकेश माहुले, श्रीमती चेतना अजय कुर्राहे, श्रीमती ज्योति ईश्वर उमरे, श्रीमती मीना सुधीर दशहरे और श्रीमती सुनिता मानसिहं बहेटवार होगें। शपथ ग्रहण समारोह के पश्चात 3 बजे से भुजलिया विसर्जन कार्यक्रम होगा। इन दोनो कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में उपस्थिति की अपील महिला जिलाध्यक्ष श्रीमती शीला नगपुरे सहित अन्य पदाधिकारियों द्वारा की गई हैं।

नया सोचो आयुर्वेद सोचो...
सुश्रुत प्रोक्टो आयुर्वेदा
मुळव्याध (बवासीर), फिशर भगंदर व अन्य गुदारोग चिकित्सा व आयुर्वेद पंचकर्म केन्द्र

● कमर का दर्द ● घुटनों का दर्द
● पिठ का दर्द ● गर्दन व कंधों का दर्द
● आमवात, गठीया वात एवं सायटिका
● अत्याधुनिक सुविधा युक्त पंचकर्म चिकित्सा कक्ष
● शास्त्रशुध्द एवं गुणवत्तायुक्त स्वनिर्मीत औषधियों का प्रयोग
● रोगी एवं व्याधी अनुरुप पंचकर्म सुविधा

डॉ. अपर्णा खोब्रागडे
B.A.M.S., M.D. (Nashik)
आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सक
7620340356
साकेत पब्लिक स्कुल रोड़, गणेश नगर, गोंदिया 07182-796738

विज्ञापन आमंत्रित है..
मो. हासिब खान
जिला सिवनी
संपर्क - मो. 7898530101

3 रविवार 30 अगस्त 2026

जग प्रेरणा live जिला सिवनी

बरघाट, छपारा, केवलारी, घंसौर, लखनादौन, धनोरा एवं संपूर्ण सिवनी जिले की खबरें..

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत एमपी ट्रांसको एमडी सुनील तिवारी ने किया 132 केवी लखनादौन सबस्टेशन का निरीक्षण

जगप्रेरणा लखनादौन।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश शासन के उपक्रम मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम पी ट्रांसको) के एम डी (प्रबंध संचालक) सुनील तिवारी ने

सिवनी जिले के 132 केवी एक्स्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशन, लखनादौन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सबस्टेशन की वोल्टेज प्रोफाइल, विद्युत भार (लोड) की स्थिति तथा क्षेत्र की बढ़ती विद्युत आवश्यकता की समीक्षा की।

समीक्षा के उपरांत प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने लखनादौन सबस्टेशन में एक अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर स्थापित करने के निर्देश दिए। वर्तमान में संचालित दो पावर ट्रांसफार्मरों के साथ तीसरे पावर ट्रांसफार्मर की स्थापना से लखनादौन क्षेत्र की पारेषण व्यवस्था और अधिक विश्वसनीय एवं सुदृढ़ होगी। इससे लखनादौन तहसील सहित आदिवासी बहुल क्षेत्रों धूमा, आदेगांव, छपारा, कहानी तथा धनोरा के हजारों घरेलू एवं कृषि विद्युत उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा।

आउटसोर्स कर्मियों से किया संवाद..

निरीक्षण के दौरान प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने सबस्टेशन के आपरेशन एवं मेंटेनेंस व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया तथा आउटसोर्स कार्मिकों से संवाद कर उनकी कार्य परिस्थितियों और आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने कार्मिकों को विद्युत तंत्र की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए पूरी सतर्कता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

ये अधिकारी रहे उपस्थित..

निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता (टेस्टिंग) एम. वाई. मंसूरी, अधीक्षण अभियंता (टेस्टिंग) सिवनी एन. एस. लोधी, कार्यपालन अभियंता अरुण वैध, सहायक अभियंता श्रीमती सीमा डोंगरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बंडोल पुलिस की नशे के विरुद्ध कार्यवाही जारी, गांजा तस्कर हुआ गिरफ्तार..

245 ग्राम गांजा जप्त, आरोपी के विरुद्ध NDPS एक्ट में प्रकरण दर्ज..

जगप्रेरणा सिवनी।

जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने हेतु पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन अति. पुलिस

अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं SDOP सिवनी चंचलेश मरकाम के मार्गदर्शन में थाना बंडोल पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है।

घटना का विवरण

दिनांक 27.08.2026 को थाना बंडोल पुलिस जुर्म जरायम पतासाजी एवं क्षेत्र भ्रमण पर रवाना थी। ग्राम बांकी, मोठार रोड पर राजेन्द्र ठाकुर के घर के पास आम रोड पर एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा। संदेह होने पर हमराह स्टाफ द्वारा उसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम सुनील ठाकुर पिता भैय्यालाल ठाकुर, उम्र 43 वर्ष, निवासी ग्राम बांकी, थाना बंडोल बताया। तलाशी लेने पर उसके पास रखे प्लास्टिक के थैले के अंदर पेपर में 245 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा रखा होना पाया गया।

गांजा रखने के संबंध में कोई वैध दस्तावेज/लाइसेंस प्रस्तुत न करने पर उक्त मादक पदार्थ को जप्त कर कब्जे पुलिस में लिया गया।आरोपी के विरुद्ध थाना बंडोल में धारा 8/20 **NDPS** एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई है।

गिरफ्तार आरोपी..

सुनील ठाकुर पिता भैय्यालाल ठाकुर, उम्र 43 वर्ष, निवासी बांकी, थाना बंडोल। **जप्त मशरूका**- 245 ग्राम गांजा, कीमती 3500/- रुपये।

सराहनीय भूमिका..

थाना प्रभारी उनि. मनोज कुमार जंघेला, सउनि. राजेन्द्र ठाकुर, सउनि. शिवेन्द्र वसूले, सउनि. छोटेलाल कुलस्ते, प्र.आर. जयेन्द्र बघेल, प्र.आर. संदेश परतेती, प्र.आर. रजनीकांत ठाकुर, आर. राहुल कुशवाहा, आर. इन्द्रभान मर्सकोले, म.आर. रूकमणी डेहरिया।

सिवनी जिले के लाल आलोक जायसवाल को मिली मानद डॉक्टरेट, शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में किया नाम रोशन..

जगप्रेरणा सिवनी।

शिक्षा, साहित्य और पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय, उत्कृष्ट एवं अविस्मरणीय योगदान के लिए सिवनी जिले के सुपुत्र

डॉ. (ऑन.) आलोक जायसवाल को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित मानद डॉक्टरेट **(Honorary Doctorate)** से सम्मानित किया गया है।

यह गौरवमयी सम्मान यूनाइटेड अमेरिकन यूनिवर्सिटी द्वारा संस्था की **Evaluation Board** एवं **Board of Directors** की अनुशंसा पर प्रदान किया गया है। दिनांक 29 अगस्त 2026 को पुडुचेरी में आयोजित भव्य दीक्षांत समारोह में उन्हें '**Doctor (Honoris Causa)**'की मानद उपाधि से विभूषित किया गया।

यह सम्मान उनके वर्षों के अथक परिश्रम, समर्पण, ज्ञान-साधना और समाज में शिक्षा के अलख जगाने के प्रति उनके अतुलनीय योगदान का प्रतिफल है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि से सिवनी जिले का नाम पूरे भारतवर्ष में रोशन हुआ है, जिससे जिले के सभी नागरिक गौरवान्वित हुए हैं।

यह उपलब्धि न केवल आलोक जायसवाल जी के व्यक्तिगत जीवन की सफलता है, बल्कि यह पूरे सिवनी जिले के लिए गर्व, सम्मान और प्रेरणा का विषय है। शिक्षाविदों, साहित्यकारों और बुद्धिजीवियों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि श्री जायसवाल की यह सफलता युवा पीढ़ी को शिक्षा, साहित्य और शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

इस अवसर पर डॉ. (ऑन.) आलोक जायसवाल ने कहा कि इस सम्मान का श्रेय वे अपने पूज्य माता-पिता, परिवारजनों, गुरुजनों, सहयोगियों एवं मार्गदर्शकों को देते हैं और भविष्य में भी वे शिक्षा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करते रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि डॉ. (ऑन.) आलोक जायसवाल नगर के प्रतिष्ठित बड़े मिशन स्कूल से सेवानिवृत्त यशस्वी संस्कृत शिक्षक श्री श्याम सुंदर जायसवाल के सुपुत्र तथा नगर के वरिष्ठ एवं प्रसिद्ध अधिवक्ता श्री अनिरुद्ध जायसवाल के अनुज हैं।

उनकी इस गौरवमयी उपलब्धि पर पूरे सिवनी जिले सहित परिवार, इष्ट-मित्रों एवं शुभचिंतकों में हर्ष की लहर व्याप्त है।

मां नर्मदा मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब महाआरती में हजारों श्रद्धालुओं ने लिया हिस्सा..

जगप्रेरणा लखनादौन।

जनपद पंचायत लखनादौन के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मां नर्मदा नगर, रामपुर चौक, कहानी स्थित मां नर्मदा मंदिर में महाआरती एवं भंडारे का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया।

आयोजन में आसपास के गांवों सहित दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और मां नर्मदा की पूजा-अर्चना कर महाआरती में शामिल हुए।

बताया जाता है कि यह मंदिर पिछले करीब तीन वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मंदिर के पुजारी देवदास जी द्वारा श्रद्धालुओं को निःशुल्क दवाइयां एवं माता का प्रसाद वितरित किया जाता है। मंदिर में दवा प्राप्त करने के लिए दूर-दूर से लोग पहुंचते हैं।

भक्तों का दावा—मन्नत लेकर आने वालों की होती है मनोकामना पूर्ण..

मंदिर में पहुंचे ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं का कहना है कि मां नर्मदा मंदिर के प्रति लोगों की गहरी आस्था है। श्रद्धालु यहां अपनी मनोकामना लेकर पहुंचते हैं और पूजा-अर्चना कर मां नर्मदा से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। कई भक्त इसे चमत्कारी एवं आस्था का मंदिर बताते हैं और अपनी मनोकामना पूर्ण होने की बात कहते हैं।

श्रद्धालुओं के अनुसार, पुजारी देवदास जी द्वारा निःशुल्क दवाइयां और माता का प्रसाद दिया जाता है, जिसे श्रद्धालु आस्था के साथ ग्रहण करते हैं। हालांकि दवाइयों से बीमारियां ठीक होने संबंधी बातें श्रद्धालुओं के व्यक्तिगत अनुभव और आस्था पर आधारित हैं।

महाआरती में गूंजा मां नर्मदा का जयघोष..

महाआरती के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आरती में भाग लेकर मां नर्मदा का जयघोष किया। इसके बाद आयोजित भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में आस्था और श्रद्धा का अद्भुत नजारा देखने को मिला।

ग्रामीणों का कहना है कि मां नर्मदा मंदिर लगातार श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बनता जा रहा है और विशेष अवसरों पर यहां बड़ी संख्या में भक्त दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं।

टीईटी के आंदोलन कारी शिक्षकों को छिंदवाड़ा पुलिस ने गिरफ्तार कर लखनवाड़ा थाना पहुंचाया

नौकरी की सुरक्षा को लेकर लामबंद हुए शिक्षक..

जगप्रेरणा सिवनी।

टीईटी के खिलाफ दिल्ली में होने वाले आंदोलन में शामिल होने के लिए देश के 25 लाख शिक्षक पहुंच रहे हैं इसी कार्य में सिवनी जिले के शिक्षक पातालकोट ट्रेन

से दिल्ली रवाना हुए थे उन्हें छिंदवाड़ा में पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर सिवनी जिले के लखनवाड़ा थाने में लाकर छोड़ दिया गया है उन्हें आगे जाने की अनुमति नहीं दी गई है टीईटी की अनिवार्यता से मुक्ति के लिए शिक्षकों ने भारत सरकार द्वारा अध्यादेश लाने के लिए के लिए मजबूर करने काअभियान है यह आंदोलन यह आंदोलन केशव पुरम मेट्रो स्टेशन के पास होने वाला था सभी शिक्षक साथियों ने सभी शिक्षक साथियों ने आंदोलन को सत्याग्रह की तरह किया जा रहा है किसी प्रकार का उग्र आंदोलन न करने के लिए आंदोलन करने वाले पदाधिकारी ने निर्देशित किया है। आंदोलन का उद्देश्य संघर्ष का है लेकिन इस आंदोलन को सत्याग्रह की तरह रघुपति राघव राजा राम गीत के साथ किया जा रहा है।

नौकरी की सुरक्षा के लिए लोकतांत्रिक तरीके से अंतिम तक संघर्ष करने की बात कही है।

धक्का लगने की बात पर हत्या के प्रयास के आरोपी को 10 वर्ष की सजा

जगप्रेरणा सिवनी।

जिला सिवनी के तहसील लखनादौन न्यायालय के विद्वान न्यायाधीश श्रीमान संजीव कुमार पालीवाल, प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत के द्वारा थाना लखनादौन के अंतर्गत दिनांक 05.04.2023 की रात्रि करीब 08 बजे ग्राम सिहोरा में स्थित कलीम खान की दुकान में प्रार्थी संतकुमार गोल्हानी और गौरव गोल्हानी अंडा खा रहे थे, तभी आरोपी रघुराज ऊर्फ रघु पिता पुनाराम उईके उम्र 34 वर्ष, निवासी ग्राम सिहोरा भी दुकान में अंडा लेने आया था दुकान से निकलते वक्त गौरव को धक्का लग गया। जिससे विवाद होने पर आरोपी रघुराज ने कमर के पीछे से बका निकालकर गौरव को मारा तो उसके गले में लगा तभी संतकुमार बीच बचाव करने लगा तो उसके साथ भी बका से वार किया जिससे दोनो को गंभीर चोटे आई थी। पुलिस के द्वारा आरोपी के विरुद्ध मामला पंजीबद्ध कर अनुसंधान पूर्ण कर माननीय न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया था। जिस पर शासन की ओर उप निदेशक अभियोजन श्री गोपाल कृष्णा हालदार एवम सहायक निदेशक श्रीमती अर्चना रानी मरावी के मार्गदर्शन और निर्देशन पर एडीपीओ श्रीमती कीर्ति तिवारी के द्वारा गवाह और सबूतों को पेश कर प्रभावी पैरवी की गई।

मनोज कुमार सैयाम मीडिया प्रभारी अभियोजन, सिवनी ने बताया की जिस पर विश्वास करते हुए माननीय विद्वान न्यायालय द्वारा आरोपी रघुराज उईके को धारा 25 (1-बी) आयुध अधिनियम में 02 वर्ष का कारावास एवम धारा = 307 भा.द.वि. के अपराध में 10 वर्ष सश्रम कारावास से दंडित करने का निर्णय सुनाया है।

सिवनी में जगप्रेरणा समाचार पत्र के लिये संपर्क करें..
हसीब मोहम्मद 7898530101

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक 'जगप्रेरणा' अब व्हाट्स अप पर भी उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और स्वयं और अन्य लोगों को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरों से जोड़ें।

खेल में सिवनी जिला बन रहा अग्रणी - विधायक श्री दिनेश राय

'सिवनी स्पोर्ट्स लीग' का आयोजन कर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया जायेगा- कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना..

राष्ट्रीय खेल दिवस पर खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित..

जगप्रेरणा सिवनी।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस, सिवनी के ऑडिटोरियम हॉल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक श्री दिनेश राय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने की। इसके अतिरिक्त जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मालती डहेरिया, पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण लालचंदानी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की सहभागिता रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन तथा मेजर ध्यानचंद जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित कर किया गया।

कार्यक्रम में शूटिंग प्रतियोगिता में एशियन गेम्स में रजत तथा जूनियर वर्ल्ड कप 2026 में रजत पदक अर्जित करने वाले जिले का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ी श्री हेमंत बर्मन का अतिथियों में शॉल-श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। श्री बर्मन ने अपने खेल जीवन की उपलब्धियों और संघर्ष के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्राम कोदाझिरी में शिक्षा के साथ खेल अभ्यास करते हुए 15 वर्ष की आयु में खेल विभाग द्वारा आयोजित टैलेंट सर्च में उनका चयन हुआ। इसके बाद भोपाल स्थित शूटिंग अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त किया। निरंतर अभ्यास और बेहतर प्रदर्शन के परिणामस्वरूप उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य ओलंपिक में भारत के लिए स्वर्ण पदक प्राप्त करना है। विधायक श्री दिनेश राय ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है। आवश्यकता है कि अपनी प्रतिभा को पहचानकर रुचि के क्षेत्र में आगे बढ़ें। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन का अनुभव साझा करते हुए बताया कि पोलवॉल्ट में चयन होने के बावजूद आर्थिक कारणों से वे नेशनल यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में शामिल नहीं हो सके थे। उन्होंने कहा कि यह अनुभव उन्हें आज भी याद है। इसी कारण वे चाहते हैं कि आर्थिक अभाव के कारण किसी प्रतिभाशाली खिलाड़ी को खेल के अवसर से वंचित न होना पड़े। उन्होंने श्री हेमंत बर्मन को बड़े स्तर की प्रतियोगिताओं में आवश्यकता होने पर हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

विधायक श्री राय ने कहा कि पूर्व में विधानसभा स्तर पर क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की जाती थी। अब सिवनी स्पोर्ट्स लीग के माध्यम से चार-पांच खेलों में जिले स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने कहा कि वर्तमान में विभिन्न खेलों के प्रति लोगों की रुचि बढ़ रही है। श्री हेमंत बर्मन ने छोटे से गांव से निकलकर अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम और निरंतर अभ्यास से ही खेलों में सफलता प्राप्त की जा सकती है। खेल व्यक्ति को स्वस्थ रखने के साथ अनुशासन और समर्पण की भावना विकसित करते हैं। कलेक्टर ने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि प्रतिवर्ष सभी खेलों की संयुक्त रूप से इंडोर एवं आउटडोर 'सिवनी स्पोर्ट्स लीग' आयोजित की जाए। इसके लिए जिले के विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक रूपरेखा तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले के खिलाड़ियों को खेलों में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएंगे। पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण लालचंदानी ने कहा कि मेजर ध्यानचंद जी की स्मृति में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। खेल हमें जीवन में अनुशासन, समर्पण और निरंतर प्रयास की सीख देते हैं। अनुशासित जीवन सफलता की महत्वपूर्ण कुंजी है। कार्यक्रम में हॉकी सिवनी के अध्यक्ष श्री डी.एल. गौर ने जिले के हॉकी खिलाड़ियों की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए खिलाड़ियों को अपने-अपने खेल में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने अपने विद्यार्थी जीवन के शतरंज एवं बैडमिंटन के अनुभव भी साझा किए तथा राष्ट्रीय किक-बॉक्सिंग खिलाड़ी अनुप्रिया कौरव को अपने खेल अनुभव साझा करने के लिए मंच पर आमंत्रित किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों, खेल के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि अर्जित करने वाले खिलाड़ियों, खेलों के प्रति समर्पित वरिष्ठ खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों तथा फुटबॉल स्टेडियम में संचालित पांच फिजिकल अकादमियों के संचालकों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री अजय बाबा पाण्डे अध्यक्ष जनभागीदारी समिति पीजी कॉलेज, डॉ. सविता मसीह प्रभारी प्राचार्य, श्री एम.के. नेमा, श्री रघु ठाकुर सहित पीजी कॉलेज के प्राध्यापकगण, खेल विभाग के कर्मचारी, पालकगण, वरिष्ठ खिलाड़ी एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री संदीप मिश्रा एवं आभार प्रदर्शन श्री नारायण सिंह बिसेन ने किया।

जग प्रेरणा
वारासिवनी, कटंगी, खैरलांजी
डोंगरमाली, रामपायली, खैरलांजी, कोचेवाही, बुदबुदा, तिरोड़ी, बोनकट्टा, महकेपार..

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

कटंगी में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन का पर्व, बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधा रक्षा सूत्र..

जगप्रेरणा कटंगी।
भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास के प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व नगर सहित पूरे अंचल में हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह से ही नगर के बाजारों में चहल-पहल देखी गई। बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की, वहीं भाइयों ने जीवन भर रक्षा करने का वचन दिया।

श्रावण मास की पूर्णिमा पर मनाए जाने वाले इस पावन पर्व को लेकर नगर में दो दिन पहले से ही तैयारियां शुरू हो गई थीं। मुख्य बाजार, बस स्टैंड , गांधी चौक के सामने और मेन मार्केट में राखियों की दुकानों पर भारी भीड़ उमड़ी। इस बार बाजार में रेशम की राखियों के साथ-साथ चंदन, रुद्राक्ष, कार्टून कैरेक्टर और चांदी की राखियों की विशेष मांग रही। मिठाई की दुकानों पर भी सुबह से देर शाम तक ग्राहकों की कतार लगी रही। सुबह मुहूर्त के अनुसार बहनों ने थाल सजाकर पूजा-अर्चना की।

थाल में रोली, चावल, दीपक, राखी और मिठाई रखकर भाइयों का तिलक किया और कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। कई घरों में छोटे बच्चों ने भी एक-दूसरे को राखी बांधकर त्योहार मनाया। जो बहनें किसी कारणवश अपने मायके नहीं पहुंच सकीं, उन्होंने वीडियो कॉल के माध्यम से भाई को राखी बांधकर पर्व की खुशियां साझा कीं। नगर के प्रमुख मंदिरों हनुमान मंदिर, दुर्गा मंदिर और शिव मंदिर में भी सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। कई बहनों ने मंदिर में पूजा के बाद अपने भाइयों को राखी बांधी।

रक्षाबंधन पर नगर परिषद द्वारा भी विशेष व्यवस्था की गई थी। बस स्टैंड पर अतिरिक्त बसों का संचालन किया गया ताकि बाहर से आने-जाने वाली बहनों को असुविधा न हो। पुलिस प्रशासन भी बाजार और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में मुस्तैद रहा।

इस अवसर पर कई सामाजिक संगठनों ने भी अनूठी पहल की। वहीं सीमा पर तैनात जवानों के लिए भी कई बहनों ने डाक द्वारा राखियां भेजीं। ब्रह्माकुमारी आश्रम में भी रक्षाबंधन का आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां सभी को प्रेम और एकता का संदेश दिया गया।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी नगरवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पर्व केवल धागा बांधने का पर्व नहीं, बल्कि भाई-बहन के बीच स्नेह, सम्मान और कर्तव्य का पर्व है।

यह भारतीय संस्कृति की एकता और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करता है। देर शाम तक घर-घर में त्योहार की रौनक बनी रही। बहनों को भाइयों की ओर से उपहार और नगद राशि दी गई। कुल मिलाकर पूरे दिन नगर में भाई-बहन के प्यार भरे इस पर्व का उल्लास छाया रहा।

बीटीएमसी एक्ट 1949 निरस्त करने की मांग तेज, बौद्ध प्रतिनिधिमंडल ने सीएम सम्राट चौधरी से की भेंट, आश्वासन के बाद 5 दिवसीय भूख हड़ताल समाप्त..

महाबोधि महाविहार का प्रबंधन बौद्ध समुदाय को सौंपने की मांग, याचिकाकर्ता भदंत धम्म शिखर ने कहा - यह अस्मिता और स्वाभिमान का आंदोलन

जगप्रेरणा कटंगी।
महाबोधि महाविहार बोधगया मुक्ति आंदोलन राष्ट्रीय समिति के तत्वाधान में बोधगया टेम्पल मैनेजमेंट कमेटी एक्ट 1949 को निरस्त करने और महाबोधि महाविहार का प्रबंधन बौद्ध समुदाय के हाथों में सौंपने की मांग को लेकर आयोजित 5 दिवसीय भूख हड़ताल के बाद

आंदोलनकारी प्रतिनिधिमंडल की बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से भेंट हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विश्व धरोहर महाबोधि महाविहार के प्रबंधन को लेकर बिहार की राजधानी पटना में मुख्यमंत्री आवास के सामने 23 अगस्त से 27 अगस्त 2026 तक भूख हड़ताल प्रस्तावित थी। जिसमें देश भर के विभिन्न प्रांतों से बौद्ध अनुयायी शामिल हुए। आंदोलन के पहले ही दिन मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रतिनिधिमंडल को वार्ता के लिए आमंत्रित किया।

प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रीय अध्यक्ष पूज्य भदंत प्रज्ञाशील महाथेरो, राष्ट्रीय महासचिव डॉ. आकाश लामा, भंते सुनीत पाल थेरो और सिक्किम राज्य समन्वयक लामा ओगदी पिंसो शामिल थे। पटना कलेक्टर के माध्यम से यह भेंट हुई।

समिति का कहना है कि महाबोधि महाविहार का निर्माण 260 ईसा पूर्व सम्राट अशोक ने कराया था। वर्ष 1895 में श्रीलंकाई बौद्ध मिशनरी अनागारिक धम्मपाल ने इसके प्रबंधन को बौद्धों को सौंपने के लिए कलकत्ता न्यायालय में याचिका दायर की थी। आजादी के बाद बिहार सरकार द्वारा बीटीएमसी एक्ट 1949 बनाया गया, जिसके तहत प्रबंधन समिति में 4 गैर-बौद्ध, 4 बौद्ध और एक पदेन अध्यक्ष जिला कलेक्टर का प्रावधान है। समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता पूज्य भदंत धम्म शिखर जी ने बताया कि इस एक्ट को निरस्त करने के लिए दिल्ली में रिट पिटीशन क्रमांक 380/2012 और बाद में वर्ष 2018 में इंटरवेंशन पिटीशन 91048/2018 दायर की गई है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि महाबोधि महाविहार बौद्ध अनुयायियों का है और इस विषय पर सरकार गंभीरता से विचार करेगी।

आश्वासन के बाद समिति ने हड़ताल समाप्त करने का निर्णय लिया। याचिकाकर्ता पूज्य भदंत धम्म शिखर जी ने कहा कि यदि सरकार ने शीघ्र प्रबंधन बौद्ध समुदाय को नहीं सौंपा तो भविष्य में दिल्ली में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन बौद्धों की अस्मिता और स्वाभिमान से जुड़ा है।

इस मांग का समर्थन मध्यप्रदेश के भोपाल, बालाघाट, इंदौर, ग्वालियर सहित विभिन्न जिलों के बौद्ध संगठनों के पदाधिकारियों ने किया है।

भुजरिया विसर्जन पर नवविवाहित बहुओं को भेंट किए वीरांगना अवंतीबाई लोधी के छायाचित्र..

जगप्रेरणा बालाघाट।
भुजरिया विसर्जन के पावन अवसर पर ग्राम पाथरी हट्टा में सामाजिक एवं सांस्कृतिक जागरूकता की एक सराहनीय पहल की गई। श्रीमती आरती पन्नालाल नगपुरे द्वारा ग्राम की नवविवाहित बहुओं को 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की

महानायिका वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी के छायाचित्र भेंट किए गए। इस अवसर पर अध्यक्ष आलोक संघ ब्लाक किरनापुर पन्नालाल नगपुरे ने कहा कि वीरांगना अवंतीबाई लोधी का जीवन त्याग, साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। उनके संघर्ष एवं बलिदान की गाथा को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। नवविवाहित बहुओं को उनके छायाचित्र भेंट करने का उद्देश्य वीरांगना के आदर्शों एवं देशभक्ति की भावना को घर-घर तक पहुंचाना है।

भुजरिया विसर्जन के अवसर पर आयोजित इस पहल को ग्रामीणों ने सराहनीय बताते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम हमारी संस्कृति, परंपराओं और वीर महापुरुषों एवं वीरांगनाओं के गौरवशाली इतिहास से नई पीढ़ी को जोड़ने का कार्य करते हैं।

उल्लेखनीय है कि आलोक संघ के संस्थापक जीएसटी कमिश्नर लोकेश लिल्हारे हैं। उनके मार्गदर्शन में आलोक संघ सामाजिक, सांस्कृतिक एवं जनजागरूकता के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ा रहा है।

बिलासपुर में सिविल जज बने अगन ढहाके का वारासिवनी अधिवक्ता संघ ने किया भव्य सम्मान..

ओपन कैटेगरी में चौथी रैंक हासिल कर बढ़ाया क्षेत्र का गौरव, बिना बड़ी कोचिंग के स्व-अध्ययन से पाई सफलता

कैलाश कसार, जगप्रेरणा वारासिवनी।

छत्तीसगढ़ न्यायिक सेवा परीक्षा में ओपन कैटेगरी में चौथी रैंक हासिल कर बिलासपुर में सिविल जज के पद पर चयनित अगन ढहाके का अधिवक्ता संघ वारासिवनी की ओर से भव्य सम्मान किया गया।

पहली पदस्थापना बिलासपुर में मिलने पर आयोजित समारोह में न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं परिजनों ने उनका अभिनंदन करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। समारोह में मंचासीन द्वितीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजय राज ठाकुर, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड श्रीमती दिव्या सिंह, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड ऋषभ डोनेल सिंह, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड श्रीमती नेहा बाथरी, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड नयन जैन एवं तृतीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड श्रीमती अंकिता जैन सहित न्यायिक अधिकारी एवं अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बोले न्यायाधीश एवं अधिवक्तागण..

समारोह को संबोधित करते हुए द्वितीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजय राज ठाकुर ने कहा कि अधिवक्ता संघ इस तरह के गरिमामय कार्यक्रम आयोजित करने के लिए बधाई का पात्र है। उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था की मजबूती अधिवक्ताओं की सत्यनिष्ठा और समर्पण पर निर्भर करती है। उन्होंने अगन के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि वे अपने ज्ञान, विवेक और न्यायप्रियता से समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

अधिवक्ता संघ अध्यक्ष संदीप नगपुरे ने अगन की सफलता को संघ और पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया। वरिष्ठ अधिवक्ता प्रमेश पाठक, नारायण लल्लन तिवारी, विलास मिश्रा एवं स्वप्निल डोंगरे ने भी न्यायाधीश अगन को बधाई देते हुए उनकी सफलता को युवा अधिवक्ताओं के लिए प्रेरणादायी बताया।

अधिवक्ता एवं अगन के मामा पंकज पिपरेवार ने बताया कि अगन ने किसी बड़ी कोचिंग पर निर्भर रहने के बजाय स्व-अध्ययन और कड़ी मेहनत के बल पर यह सफलता हासिल की। उन्होंने एक कमरे में रहकर नियमित अध्ययन किया और छत्तीसगढ़ न्यायिक सेवा परीक्षा में ओपन कैटेगरी में चौथी रैंक प्राप्त की। पंकज पिपरेवार ने बताया कि उन्होंने पहले अपनी पत्नी हर्षिता को अध्ययन के लिए मार्गदर्शन दिया था।

इससे उन्हें विश्वास हुआ कि सही दिशा, मेहनत और निरंतरता के साथ अगन भी न्यायिक सेवा परीक्षा में सफलता हासिल कर सकते हैं।

बोले अगन ढहाके..

नवनियुक्त सिविल जज अगन ढहाके ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, वरिष्ठ अधिवक्ताओं और साथियों के सहयोग के साथ निरंतर मेहनत को दिया। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसा लगा कि अब उनसे नहीं हो पाएगा। ऐसे समय में परिवार और मार्गदर्शकों ने उनका संबल बढ़ाया और आत्मविश्वास जगाया। अगन ने वरिष्ठ अधिवक्ताओं स्वप्निल डोंगरे, प्रमेश पाठक एवं नीलेश मिश्रा के मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। साथी अधिवक्ताओं अमन पटेल, अनामिका रकसिया, शशांक एवं अंकुश सहित अन्य साथियों के सहयोग को याद किया। अगन ने न्यायिक सेवा की तैयारी को मैराथन बताते हुए कहा कि सफलता के लिए लंबे समय तक लगातार मेहनत और अनुशासन जरूरी है। कुछ दिनों तक अधिक पढ़ाई करने के बाद उसे छोड़ देने से सफलता नहीं मिलती। नियमित अध्ययन और निरंतरता बनाए रखना आवश्यक है।

माता पिता के लिए भावुक रहा बेटे की सफलता का पल।

सम्मान समारोह के दौरान अगन के पिता अरविंद, माता सुनीता ढहाके ने भावुक होते हुए कहा कि बेटे को न्यायाधीश के रूप में देखना उनके लिए गर्व का क्षण है।

पुष्पगुच्छ से किया गया अभिनंदन

अधिवक्ता संघ की ओर से अध्यक्ष संदीप नगपुरे, सचिव अभिजीत शुक्ला, मिर्जा जाहिर बेग, साधना, वनमाला चंद्रवंशी, अमन पटेल, प्रमेश पाठक एवं अजय ढहाके सहित समस्त पदाधिकारी अन्य अधिवक्ताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अगम का स्वागत किया। न्यायाधीश नयन जैन ने पुष्पहार पहनाकर उनका अभिनंदन किया। समारोह में बड़ी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

In The Court of Pranesh Kumar Pran, Principal District and Session Judge, Balaghat

Presiding Officer - प्राणेश कुमार प्राण
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 8 हिन्दू अप्राप्तवयता एवं प्रतिपाल्य संरक्षकता अधिनियम 1890 प्रकरण
क्रमांक **(MJC GW/00025/2026)**

1 श्रीमति योगेश्वरी बानेवार उम्र 40 वर्ष पति स्व श्री महेश कुमार बानेवार
2 साकेत बानेवार उम्र 13 वर्ष पिता स्व श्री महेश बानेवार दोनों निवासी वार्ड नंबर 24 सुरभि नगर बालाघाट म प्र ....आवेदकगण
विरूद्ध
1 आम जनता --- अनावेदकगण

Process Id -812/2026
पेशी दिनांक :- 30/09/2026

(1) आम जनता पता- आम जनता

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका ने धारा 8 संरक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम 1890 के अंतर्गत स्वयं को पुत्र साकेत बानेवार का संरक्षक एवं प्रतिपाल्य घोषित करने का आवेदन इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

यह कि आवेदिका ने पुत्र साकेत बानेवार उम्र 13 वर्ष को अपने और अपने पति स्व0 महेश कुमार बानेवार की संतान होना बताया है। आवेदिका ने उक्त आवेदन में अभिवचनित किया है। कि उसे उसके बेटे का संरक्षक घोषित किया जावे, जिससे कि वह अपने बेटे के हिस्से की भूमि मौजा बालाघाट नजुल, पह0नं0 13/1 तहसील व जिला बालाघाट में स्थित खसरा नंबर 353/1/1/2 रकबा 0.008 हे0/875 वर्ग फुट भूमि को एल0आई0सी0 हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड बालाघाट के माध्यम से ऋण प्राप्त करने हेतु बंधक रखकर भवन निर्माण हेतु ऋण प्राप्त कर सके ।

अतः यदि किसी व्यक्ति को आवेदक के अभिभावक / संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 30-09-2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवाई एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जायेगा।

न्यायाधीश

बहनों ने भाईयों की कलाईयों पर बांधी प्रेम की डोर, खमरिया में रही रक्षाबंधन की घुम

जगप्रेरणा खमरिया।
जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत ग्राम पंचायत खमरिया सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में रक्षाबंधन की घुम रही।

भाई बहन के अटूट स्नेह का पर्व रक्षा

बंधन 28 अगस्त को उत्साह और उमंग के साथ मनाय गया। बहनों ने अपने भाईयों की कलाई पर स्नेह की डोर सजाई तो भाई ने भी बहन को उपहार दिये और जीवन भर उसकी रक्षा करने का संकल्प लिया।

जिसमें रक्षाबंधन का उल्लास बहनों के चेहरों पर था। और भाई भी बहनों की खुशी में आन्दित नजर आये। विशेष कर छोटे भाईयों ने भी अपनी नन्ही बहनों के हाथों से राखी बंधवाई। और खुशिया मनाई।

रक्षाबंधन को लेकर क्षेत्र में खुशियों भरा माहौल रहा। कई बहने दूर दराज अपने ससुराल को रक्षासूत्र बांधने पहुंची तो भाई भी अपनी बहनों से मिलने के लिये उपहार लेकर पहुंचे। जहां थाल सजाकर चंदन रोली का तीलक कर भाई कलाईयों पर रक्षासूत्र बांधा और भाईयों की पसंदीदा मिठाइयां खिलाई। भाईयों ने भी अपनी बहनों को मनपसंद उपहार देकर खुश कर दिया। जिससे रक्षाबंधन पर्व को यादगार बनाया गया।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा
लालबर्रा, बैहर, परसवाड़ा
कनकी, बेहरई, खमरिया, जाम, उकवा, मलाजखंड, बिरसा, गढ़ी, लामटा, चांगोटोला..

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

'एक पौधा, अनंत मुस्कान' से प्रकृति रिचार्ज का संकल्प, माँ सरस्वती महोत्सव समिति ने पौधरोपण से की अभियान की शुरुआत..

महोत्सव के साथ अब पर्यावरण संरक्षण भी बनेगा जन-अभियान; समिति वर्षभर लगाएगी 365 पौधे, अतिथियों के हाथों दर्शकों को भी दिए जाएंगे पौधे..

जगप्रेरणा लालबर्रा।

सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए सक्रिय पंजीकृत संस्था माँ सरस्वती महोत्सव समिति, लालबर्रा ने इस वर्ष अपने सामाजिक सरोकारों में एक नई और अनुकरणीय पहल जोड़ते हुए ÷एक पौधा, अनंत मुस्कान÷ अभियान का शुभारंभ किया। प्रकृति रिचार्ज की थीम पर शुरू किए गए इस अभियान की शुरुआत स्थानीय बसेने कृषि फार्म हाउस, अमोली में समिति सदस्यों द्वारा पौधरोपण कर की गई।

समिति पिछले 34 वर्षों से महाकौशल क्षेत्र में भव्य एवं ऐतिहासिक माँ सरस्वती महोत्सव के आयोजन के साथ सामाजिक एवं जनहितकारी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाती आ रही है। पौधरोपण, रक्तदान शिविर, आपदा के समय सहयोग, जरूरतमंदों को राहत सामग्री वितरण सहित विभिन्न सामाजिक कार्यों के माध्यम से संस्था ने अपनी अलग पहचान बनाई है। समिति का मानना है कि समाज सेवा ही नारायण सेवा का एक स्वरूप है, और इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए अब पर्यावरण संरक्षण को भी जन-अभियान का रूप देने का संकल्प लिया गया है।

ठंड में कंबल की तरह, अब वर्षभर पौधों का उपहार

समिति के इस अभियान की सबसे खास बात यह है कि संस्था केवल एक दिन पौधरोपण तक सीमित नहीं रहेगी। समिति ने संकल्प लिया है कि वर्ष में 365 पौधे स्वयं लगाए जाएंगे अथवा लोगों को लगाने के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। समिति का कहना है कि जिस प्रकार सर्दियों में समाजसेवी जरूरतमंदों को कंबल और गर्म कपड़े वितरित कर राहत पहुंचाते हैं, उसी भावना से पौधा भी समाज और प्रकृति को दिया जाने वाला ऐसा उपहार है, जिसका लाभ आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचता है।

समिति की योजना है कि आगामी माँ सरस्वती महोत्सव के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में आने वाले अतिथियों के माध्यम से दर्शकों एवं आम नागरिकों को भी पौधे भेंट किए जाएं, ताकि मंच से केवल सांस्कृतिक संदेश ही नहीं बल्कि प्रकृति संरक्षण का संदेश भी प्रत्येक घर तक पहुंचे।

पौधा लगाने से आगे, उसे बड़ा करने का संदेश

समिति ने अभियान के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया है कि वृक्षारोपण केवल फोटो खिंचवाने या एक दिन पौधा लगाने तक सीमित नहीं होना चाहिए। पौधे को पेड़ बनने तक उसकी देखभाल करना ही वास्तविक पर्यावरण सेवा है। संस्था का उद्देश्य है कि अधिक से अधिक लोग पौधरोपण को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी मानें और अपने जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों—जन्मदिन, विवाह, वर्षगांठ अथवा किसी विशेष उपलब्धि—पर कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी जिम्मेदारी भी लें।

÷एक पौधा, अनंत मुस्कान÷ इसी सोच का प्रतीक है—एक पौधा आज लगाया जाएगा, लेकिन उसकी छांव, ऑक्सीजन, हरियाली और जीवनदायिनी भूमिका आने वाले वर्षों तक अनगिनत चेहरों पर मुस्कान ला सकती है।

समिति के उद्देश्यों में पर्यावरण संरक्षण भी प्रमुख

माँ सरस्वती महोत्सव समिति के उद्देश्यों में सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन व प्रोत्साहन, निःशुल्क रोग निदान शिविर, छात्र हित में खेलकूद प्रतियोगिताएं, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के लिए प्रचार-प्रसार व विचार गोष्ठियां, पारंपरिक त्योहारों एवं कला प्रदर्शनी-महोत्सवों का आयोजन, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण एवं वानिकी संरक्षण के प्रति जनचेतना तथा साक्षरता अभियान जैसे जनहितकारी कार्य शामिल हैं।

इन्हीं उद्देश्यों की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए समिति ने अब प्रकृति संरक्षण को सामाजिक भागीदारी से जोड़ने का निर्णय लिया है। संस्था का प्रयास है कि अभियान धीरे-धीरे एक व्यक्ति से परिवार, परिवार से मोहल्ले और मोहल्ले से पूरे क्षेत्र तक पहुंचे।

पौधरोपण से हुआ अभियान का शुभारंभ

अभियान के शुभारंभ अवसर पर समिति अध्यक्ष योगेश आश्वले, उपाध्यक्ष मयूर मोहबे, सचिव विजय रजक, संयुक्त सचिव राजू साहू एवं कोषाध्यक्ष हिमांशु अर्जुनवार सहित समिति के सदस्यों ने पौधरोपण किया और अभियान को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि आने वाले समय में भी अलग-अलग स्थानों पर पौधरोपण किया जाएगा तथा लोगों को पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। माँ सरस्वती महोत्सव समिति की यह पहल यदि जनभागीदारी का रूप लेती है तो ÷एक पौधा, अनंत मुस्कान÷ केवल एक अभियान नहीं, बल्कि लालबर्रा से प्रकृति संरक्षण का एक ऐसा संदेश बन सकता है, जिसकी हरियाली आने वाली पीढ़ियां महसूस करेंगी।

बहियाटिकुर पंचायत बनी भ्रष्टाचार का अड्डा - शासकीय नाली पर खड़े अधूरे टॉयलेट दे रहे भ्रष्टाचार की गवाही..

सरपंच पुष्पा ठाकरे, सचिव अनिरुद्ध लांजेवार और रोजगार सहायक गणेश बिसेन की तिकड़ी पर फर्जी हाजिरी और मोक्षधाम कार्य में अनियमितता के बाद नया आरोप - ब्लॉक समन्वयक बोले,नाली पर टायलेट बनाने की कोई योजना ही नहीं

रविकिरण सोनी, जगप्रेरणा लालबर्रा।

जनपद पंचायत लालबर्रा की ग्राम पंचायत बहियाटिकुर भ्रष्टाचार की अड्डा बनने लगी है। यहां फर्जी जाब कार्ड में हाजिरी भरकर दूसरों के खाते में पैसा डालकर वापस लेने का मामला अभी शांत नहीं हो पाया है कि और एक दूसरा कारनामा सामने आया है।

पंचायत में नाली पर बनाए गए टायलेट अधूरे है, जो विकास कार्य की पोल खोल रहे है। आरोप है कि इन शौचालयों की भी राशि जिम्मेदारों ने डकार ली है, यही वजह है कि कार्य अधूरा पड़ा है। दरअसल, पंचायत में निर्माण सरपंच पुष्पा ठाकरे की मनमर्जी से कराए जाते है और उसमें पूरी तरह से सहयोग सचिव अनिरूद्ध लांजेवार और रोजगार सहायक गणेश बिसेन देते है।

अभी तक पंचायत में जितने भी कार्य करवाए गए है, पूरे कार्यों में अनियमितता बरती गई है। एक सप्ताह पूर्व ही ग्रामीणों ने मुद्दा उठाया था कि 50 से 60 लोगों के नाम से सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक ने मिलीभगत कर फर्जीवाड़ा करके खाते में राशि डलवाई और उन्हें पंचायत में बुलाकर वापस ले ली।

इसके बाद मोक्षधाम में साढ़े 11 लाख रुपये का अधूरा कार्य और अब नाली पर बने शौचालय पूरे भ्रष्टाचार को स्पष्ट करते नजर आ रहे है। नाली के ऊपर बने शौचालयों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि ये न तो किसी के घर के है। फिर इन्हें किस उद्देश्य से बनाया गया है और छत नहीं ढालने से ईंट खराब होने लगी है। इधर, जिम्मेदार शमा खान ब्लाक समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन को इसके बारे में जानकारी नहीं है।

नका कहना है वह तीन माह पूर्व यहां आए है। इसमें खास बात यह है कि ग्रामीण शौचालय कौन से मद और योजना से बने है, इसकी जानकारी सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक से पूछते है तो उन्हें बड़े आसानी से घुमा देते है। इन शौचालयों की महज चार फीट ईंट की दीवार खड़ी की गई है। इसमें छत के साथ ही दरवाजा, सीट, पानी की टंकी गायब है।

इनके निर्माण से ऐसा लगता है कि चार से पांच साल पहले ही बनाए गए है। इसमें घटिया ईंट, निम्न स्तर की रेत, नाम मात्र का सीमेंट उपयोग किया गया है। खंडहर में तब्दील इन शौचालयों की दीवारों पर काई और सीलन लगी है, जो कई महीनों से ऐसे ही पड़े है और अंदर कचरा और पत्ते सड़कर गंदगी को जन्म दे रहे है।

घरेलु शौचालय का इतना है प्रावधान

इस मामले में जनपद के ब्लाक समन्वयक (स्वच्छ भारत) शमा खान से जानकारी मांगी गई, तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि व्यक्तिगत शौचालय के लिए 12000 रुपये का प्रावधान है, लेकिन शासकीय जगह पर रोड किनारे नाली पर इस तरह के शौचालय बनाने की जनपद की ओर से वर्तमान में कोई भी कार्ययोजना स्वीकृत नहीं है।

इस बयान के बाद बड़ा सवाल खड़ा होता है कि आखिर किस योजना और किस मद से इन शौचालयों का निर्माण किया गया और यदि निर्माण किया तो उसे आधा अधूरा क्यों छोड़ा गया। यदि यह व्यक्तिगत शौचालय हैं, तो ये शौचालय शासकीय नाली के ऊपर कैसे बनाए गए और इसका लाभार्थी कौन है।

अभी तक नहीं पहुंचा पंचायत में जांच दल

पंचायत में लगातार हो रहे भ्रष्टाचार की परते लगातार खुल रही है, लेकिन विभागीय जिम्मेदार अधिकारी ने अभी तक जांच दल तैयार नहीं कर पाया है। जिससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ते देखने को मिल रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इस मामले में जल्द ही सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक पर कार्रवाई नहीं हुई तो कलेक्टर से शिकायत कर जांच की मांग करेंगे। पंचायत में जितने भी विकास के नाम पर कार्य करवाएं गए है सभी में भ्रष्टाचार किए गए है और साथ ही अनेक विकास कार्य आधे अधूरे पड़े है।

जपं लालबर्रा ब्लाक समन्वयक (एसबीएम), शमा खान..

मुझे लालबर्रा जनपद में आए तीन माह हुआ है, व्यक्तिगत शौचालय के लिए 12000 रुपये दिए जाने की योजना है, लेकिन ग्राम बहियाटिकुर में इस प्रकार शासकीय नाली के ऊपर शौचालय बनाने की ऐसी कोई योजना मेरे संज्ञान में नहीं है।

14 लाख की बाजार नीलामी, फिर भी कीचड़ में ग्राहक और बदबू में व्यापारी..

परसवाड़ा के बैठकी बाजार में जलभराव से नारकीय हालात, लाखों की नीलामी के बावजूद मूलभूत सुविधाओं का अभाव

जगप्रेरणा परसवाड़ा।

ग्राम पंचायत परसवाड़ा में प्रत्येक बुधवार लगने वाला बैठकी बाजार इन दिनों अव्यवस्थाओं का शिकार है। बाजार की नीलामी लाखों रुपए में होने के बावजूद बारिश के दिनों में यहां पहुंचने वाले ग्रामीणों और व्यापारियों को जलभराव,

कीचड़ और बदबूदार पानी के बीच खरीदारी और कारोबार करना पड़ रहा है। बाजार परिसर में पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से बारिश का पानी कई स्थानों पर जमा हो जाता है और कई दिनों तक परेशानी का कारण बना रहता है।

बिजली घर से सटे बाजार परिसर में जगह-जगह पानी जमा होने से हालात बदतर हैं। सब्जी और अन्य जरूरी सामान खरीदने पहुंचने वाले ग्रामीणों को कीचड़ से होकर दुकानों तक पहुंचना पड़ रहा है। वहीं व्यापारियों को घंटों गंदे पानी और दुर्गंध के बीच बैठकर कारोबार करना पड़ रहा है।

14.10 लाख में नीलामी, फिर सुविधाएं क्यों नहीं?

ग्रामीणों के अनुसार वर्ष 2026-27 के लिए बैठकी बाजार की नीलामी करीब 14 लाख 10 हजार रुपए में हुई है। इतनी बड़ी राशि में बाजार की नीलामी होने के बावजूद यदि बाजार में जलनिकासी, साफ-सफाई और आवागमन जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं तो सवाल उठना लाजिमी है कि बाजार की व्यवस्था और रखरखाव को लेकर जिम्मेदारी किसकी है?

ग्रामीणों का कहना है कि बाजार से होने वाली आय के अनुरूप यहां सुविधाओं का विकास होना चाहिए। कम से कम बारिश के पानी की निकासी के लिए स्थायी नालियां और उचित ड्रेनेज व्यवस्था तो बनाई जा सकती है।

समस्या पुरानी, फिर भी जनप्रतिनिधियों की नजर क्यों नहीं?

जलभराव और कीचड़ की समस्या इस वर्ष अचानक सामने नहीं आई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक बारिश के मौसम में हर साल बाजार की यही स्थिति बनती है। बावजूद इसके अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया।

ऐसे में सवाल सिर्फग्राम पंचायत की व्यवस्था पर ही नहीं, बल्कि क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की सक्रियता पर भी उठ रहे हैं। जनप्रतिनिधि चुनाव के दौरान सड़क, नाली और विकास के बड़े-बड़े दावे करते हैं, लेकिन बाजार जैसी रोजमर्रा की समस्या पर स्थायी समाधान कब होगा, इसका जवाब जनता मांग रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि बाजार की समस्या से स्थानीय जनप्रतिनिधि भी अनजान नहीं हैं। यदि वर्षों से जलभराव की समस्या बनी हुई है तो इस मुद्दे को पंचायत स्तर से ऊपर उठाकर संबंधित विभागों के सामने प्रभावी तरीके से क्यों नहीं रखा गया? जनप्रतिनिधियों द्वारा बाजार का निरीक्षण कर समस्या के स्थायी समाधान के लिए पहल क्यों नहीं की गई?

सिर्फ आश्वासन नहीं, जमीन पर काम की जरूरत

ग्रामीणों का कहना है कि बाजार में अस्थायी रूप से पानी निकालने या सफाई कराने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। बाजार का तकनीकी निरीक्षण कर पानी के बहाव की दिशा निर्धारित करते हुए नालियों और उचित जलनिकासी तंत्र का निर्माण कराया जाना चाहिए।

इसके साथ ही बाजार परिसर की नियमित साफ-सफाई और जलभराव वाले स्थानों को चिन्हित कर आवश्यक सुधार किए जाने की जरूरत है।

नीलामी लाखों की, सुविधा शून्य जैसी स्थिति क्यों?

बाजार की नीलामी से 14.10 लाख रुपए की राशि सामने आने के बाद ग्रामीणों का सवाल सीधा है—जब बाजार से इतनी बड़ी राशि में नीलामी होती है, तो यहां आने वाले ग्रामीणों और व्यापारियों को बुनियादी सुविधाओं के लिए हर बारिश में परेशान क्यों होना पड़ता है?

पंचायत के साथ-साथ क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को भी इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए जवाब देना चाहिए। जनता को केवल आश्वासन नहीं, बल्कि जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था, साफ-सफाई और बेहतर आवागमन के रूप में जमीन पर समाधान चाहिए।

ग्रामीणों की मांग

ग्रामीणों ने बाजार परिसर में तत्काल जमा गंदे पानी की निकासी, कीचड़ की सफाई और नियमित स्वच्छता व्यवस्था कराने के साथ ही स्थायी नालियों का निर्माण कराने की मांग की है। उनका कहना है कि बाजार से होने वाली आय के अनुरूप यहां मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना पंचायत और संबंधित जिम्मेदारों की प्राथमिकता होनी चाहिए।

|| श्री जीणमाता की जय ||
प्रो. मनीष वर्मा, मो. 9425448126
|| जय गुलाब बाबा नमः ||
मान्यता ऑटो पार्ट्स
सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते है एंव गाड़ियाँ सुधारी जाती है।
Hero BAJAJ HONDA TVS
वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्पलेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

उकवा : तिलक, श्रीफल और राखी से बहनों ने पुलिस को बनाया भाई, दीर्घायु की कामना

रूपझर थाने में सर्वधर्म सेवा समिति का 20वां राष्ट्र रक्षा सूत्र बंधन, नशा मुक्त ग्राम गुदमा की महिलाओं ने निभाई अनोखी परंपरा..

संजना मोनू बर्वे, जगप्रेरणा उकवा।

जिला कहते हैं रक्षाबंधन सिर्फभाई-बहन का त्योहार नहीं, बल्कि रक्षा के वचन का त्योहार है। उकवा नगर ने इस वचन को एक नए रूप में निभाया है। पैंतीस वर्षों के लंबे संघर्ष और 38 वीर जवानों की शहादत के बाद आज संपूर्ण बालाघाट

जिला नक्सल मुक्त हो चुका है। इस ऐतिहासिक सफलता में हमारे हॉक फोर्स, छत्रक्क्र, कोबरा बटालियन और मध्यप्रदेश पुलिस के जवानों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया है। इन्हीं जवानों में हमारे शहीद इंस्पेक्टर आशीष शर्मा भी थे, जिन्होंने देश के लिए अपना सब कुछ लुटा दिया।

पुलिस द्वारा चलाया गए नशे से दूरी है जरूरी सामाजिक जागरूकता के इस अथक प्रयासों से उकवा के समीप स्थित ग्राम गुदमा ने खुद को जिले का पहला पूर्ण नशा मुक्त ग्राम घोषित कर दिया,जहां शराब बेचना ओर पीना दोनो पूरी तरह से प्रतिबंधित है, जो गांव एक समय नशे का गढ़ हुआ करता था, आज पूर्णतः नशा मुक्त ग्राम बन गया, जो पुलिस की जन जागरूकता का परिणाम है, जिसके लिय ग्राम की बहनों ने आज थाना प्रभारी रूपझर कामेश धूमकेती का आभार व्यक्त कर उनको अपना भाई बना राखी बांधी, इसी दोहरी खुशी को मनाने के लिए सामाजिक संस्था सर्वधर्म सेवा समिति उकवा द्वारा लगातार 20वें वर्ष रूपझर थाने में राष्ट्र रक्षा सूत्र बंधन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने कहा कि पुलिस का काम सिर्फअपराध रोकना नहीं है, पुलिस तो हमारे समाज की असली हीरो है।

1. ये 24 घंटे के पहरेदार हैं - जब हम अपने घरों में चैन की नींद सोते हैं, त्योहार मनाते हैं, होली, दीवाली, ईद और रक्षाबंधन पर अपने परिवार के साथ होते हैं, तब ये खाकी वर्दी वाले भाई घने जंगलों, नक्सली इलाकों और सुनसान सड़कों पर हमारी रक्षा के लिए सदा जाग रहे होते हैं। इनका कोई त्योहार नहीं होता, इनका त्योहार ही हमारी सुरक्षा है।

2. ये वर्दी नहीं, विश्वास है - आज अगर गुदमा जैसा गांव नशा मुक्त हुआ है, तो उसके पीछे रूपझर थाने की पुलिस का नशा मुक्ति अभियान और लगातार समझाइश है। अगर बालाघाट नक्सल मुक्त हुआ है तो उसके पीछे पुलिस के जवानों का खून-पसीना है। पुलिस ने साबित कर दिया है कि वह अपराधी के लिए काल है और आम जनता के लिए माँ-बाप जैसा ख्याल है।

तिलक, श्रीफल और राखी से भव्य स्वागत

बहनों ने सभी पुलिस के भाइयों को माथे पर तिलक लगाया, कलाइयों पर रक्षा सूत्र और राखी बांधी और श्रीफल देकर सम्मान किया। भाइयों ने भी हमेशा बहनों की रक्षा का वचन दिया और बहनों ने उनके स्वस्थ, सुखद और दीर्घायु जीवन की कामना की।

ये रहे मौजूद

आयोजन में थाना प्रभारी निरीक्षक कामेंश धूमकेती, छत्रक्क्र निरीक्षक रूपेश कुमार, उप निरीक्षक रोशन कुमार, सहायक उप निरीक्षक जे.डी. पटले, सहायक उपनिरीक्षक निरीक्षक गौरी शंकर देशमुख, प्रधान आरक्षक तेजराम, प्रधानरक्षक संतोष मरकाम, प्रधान आरक्षक देवेश तिवारी, प्रधान आरक्षक पोतन लाल चौधरी, शोएब अली, आरक्षक उमेश मालवीया, आरक्षक शिवराम, अगन सिंह, प्र आर सुहैब अली, ललिता बिसेन, ममता ऐडे, सोहन मर्सकोले, राजेश टेकाम, फागन वरकड़े, कुलदीप कोकोटे, अभिषेक पंद्रे, आशीष बिसेन, आशीष धुर्वे, अर्जुन मेरावी, राहुल नागेश्वर, सौरभ कामड़े, संयम चौधरी, मूलचंद धुर्वे, जावेद मर्सकोले,त्रिवेणी मेरावी, उर्मिला कुमरे, करुणा मेरावी,संजना मरकाम,तन्वी मरकाम, मेंहतरीन मरावी, यशोदा पंद्रे,कल्पना ध्रुव, धनिष्ठा धुर्वे, रंजिता राउत, ललिता मरकाम आदि उपस्थित थे,

सामाजिक संस्था सर्व धर्म सेवा समिति से संतोष सोनी नितिन कुमार, संदीप गजभिये, आशीष नाग, सुमित नांदेश्वर, प्रियांशु धनकरे, सलीम खान, अशोक राउत, संजना मोनू बरवे और गुडमा से गंगा बाई, कविता बाई, प्रेमा, गीता, अनिता, चारु, साक्षी, पूजा, चेतना सहित बच्चियां तमन्ना, आस्था, तन्वी कोलते, मानसी कोलते, मुस्कान कोलते, श्वेता बिसेन, नूपुर बिसेन, शर्मिष्ठा, प्रतिष्ठा, तमन्ना कुमार, दिव्यांशी सोना, हंसिका, कीर्ति बिसेन आदि। कार्यक्रम को शोसल मीडिया इन्फ्लेंसर ने ओर अधिक यादगार बना दिया इस अवसर पर सोशल मीडिया इंफ्लेंसर प्रतीक हरदे,दीपक भलावी,नवीन धनकड़े,आशीष धनकड़े,सुजीत धनकड़े,अंशुल रैकवार आदि उपस्थित थे सफल आयोजन हेतु सामाजिक कार्यकर्ता जेम्स बारीक ने सभी का आभार व्यक्त किया।

उल्लास पूर्वक मनाया रक्षाबंधन पर्व..

बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधी रेशम की डोरी, लंबी उम्र की कामना के साथ दिया आशीर्वाद..

जगप्रेरणा लांजी।

नगर सहित क्षेत्र में भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन शुक्रवार, 28 अगस्त को हर्षोल्लास एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में पर्व को लेकर उत्साह का माहौल रहा।

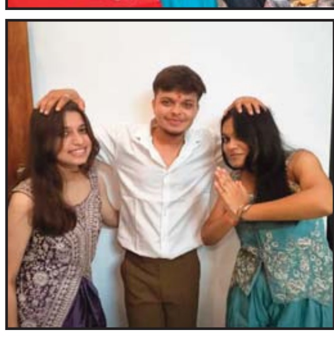

बहनों ने भाइयों को तिलक लगाकर उनकी कलाई पर राखी बांधी, आरती उतारी और मिष्ठान व फल खिलाकर उनके सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु की कामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर जीवनभर उनकी रक्षा एवं हर परिस्थिति में साथ निभाने का संकल्प लिया।

रक्षाबंधन के अवसर पर बहनों ने अपने भाइयों के लिए विशेष तैयारियां कीं। पूजन की थाली सजाकर विधि-विधान से राखी बांधी गई। कई परिवारों में बहनों ने भाइयों के घर पहुंचकर पर्व मनाया, वहीं दूर रहने वाली बहनों ने डाक के माध्यम से राखियां भेजकर भाई की कलाई सूनी न रहने देने का प्रयास किया। आधुनिक दौर में ऑनलाइन माध्यम से भी राखी, मिठाई और उपहार भेजने का चलन देखने को मिला। दूर शहरों में रहने वाले भाई-बहनों ने वीडियो कॉल एवं मोबाइल के माध्यम से एक-दूसरे को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

ब्राह्मणों ने यजमानों को बांधा रक्षासूत्र..

रक्षाबंधन पर्व पर भाई-बहन के रिश्ते के साथ धार्मिक परंपराओं का भी निर्वहन किया गया। ब्राह्मणों ने अपने-अपने यजमानों को रक्षासूत्र बांधकर उनके सुख, शांति, समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना की। मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही और लोगों ने पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

बाजार में रही दिनभर रौनक..

रक्षाबंधन पर्व के चलते नगर के बाजार में भी अच्छी-खासी चहल-पहल देखने को मिली। राखी, मिठाई, फल एवं उपहार की दुकानों पर सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ रही। बहनों ने भाइयों के लिए पसंदीदा राखियां और मिठाइयां खरीदीं।

पर्व के चलते दुकानदारों में भी खासा उत्साह नजर आया। वहीं क्षेत्र के आसपास के गांवों में रहने वाली बहनें अपने भाइयों के घर पहुंचकर रक्षाबंधन मनाने के लिए सुबह से ही निकलती नजर आईं। दिनभर दोपहिया वाहनों से महिलाएं एवं युवतियां अपने भाइयों के गांवों की ओर जाते हुए दिखाई दीं।

कई परिवारों में वर्षों बाद एक साथ मिले भाई-बहनों ने रक्षाबंधन का पर्व उत्साह और आत्मीयता के साथ मनाया। कुल मिलाकर रक्षाबंधन पर्व ने नगर एवं ग्रामीण अंचलों में भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और पारिवारिक रिश्तों की मिठास को और मजबूत किया। पूरे क्षेत्र में दिनभर पर्व की खुशियां और उत्साह का माहौल बना रहा।

10 लाख से हुई थी 'हनुमान अंश' की शुरुआत, 22वें दिन बॉक्स ऑफिस पर छापे करोड़ों..

डेस्क जगप्रेरणा।

बॉक्स ऑफिस कलेक्शन रिपोर्ट हमेशा अनप्रेडिक्टेबल होती है और ये बात 'हनुमान अंश' की कमाई ने साबित कर दी है। नीम करोली बाबा की बायोपिक 7 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

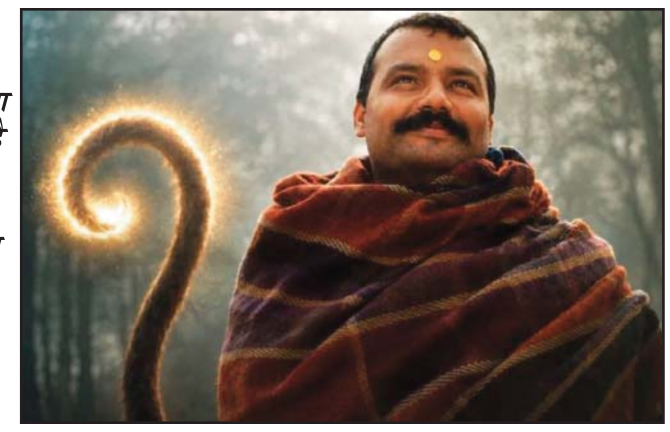

यह फिल्म बिना किसी प्री-रिलीज प्रमोशन या शोर-शराबे के बड़े पर्दे पर आई और इसकी ओपनिंग 10 लाख रुपये से हुई।

बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का प्रदर्शन कमजोर रहा और दो हफ्तों में इसने सिर्फ 1.48 करोड़ रुपये कमाए, लेकिन 22वें दिन 'हनुमान अंश' ने जबरदस्त कमाई की। हालांकि, 'टॉक्सिक' की रिलीज के कारण भी इस फिल्म की कमाई में गिरावट देखने को मिली।

'हनुमान अंश' ने बजट से ज्यादा की कमाई..

फिल्म 'हनुमान अंश' के लिए हालात चमत्कारिक रूप से बदलने लगे और सिर्फतीसरे हफ्ते में ही इसने 10.40 करोड़ रुपये की कमाई की। अब सैकनिल्क के अनुसार चौथे शुक्रवार को फिल्म ने 6.25 करोड़ रुपये कमाए। ऐसे में फिल्म ने भारत में कुल नेट कमाई 18.13 करोड़ रुपये की है। फिल्म का बजट 2 करोड़ बताया जा रहा है और इसने अपनी लागत से ज्यादा कमा लिया है।

हनुमान अंश की कहानी..

यह फिल्म नीम करोली बाबा की जिंदगी पर आधारित है, जिनका निधन सितंबर 1973 में हुआ था। उत्तर प्रदेश के वृंदावन में उनके नाम पर एक आश्रम भी है।

कहा जाता है कि स्टीव जॉब्स, मार्क ज़ुकरबर्ग, विराट कोहली और अनुष्का शर्मा जैसी कई मशहूर हस्तियां उनकी अनुयायी हैं और उनकी शिक्षाओं से प्रेरित हैं। बता दें कि शोभिनव सत्या ने 'हनुमान अंश' में नीम करोली बाबा का किरदार निभाया है। सोशल मीडिया पर हर कोई उनकी एक्टिंग की तारीफ कर रहा है।

हनुमान अंश बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 23वां दिन..

चौथे शनिवार को 'हनुमान अंश' के बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है और यह फिल्म लगभग 8-9 करोड़ रुपये की कमाई कर सकती है। खबर लिखने तक फिल्म ने 5.07 करोड़ कमाए हैं।

हालांकि, अगर शाम और रात के शो में दर्शकों की संख्या बेहतर रहती है तो कलेक्शन इससे ज्यादा भी हो सकता है। इस फिल्म के निर्देशक विशाल चतुर्वेदी हैं और इसमें शोभिनव सत्य ने महाराज जी की भूमिका निभाई है।

'हनुमान अंश' में विहान शेडगे, चंदन के. आनंद, पूर्णिमा तिवारी, अनिल रस्तोगी, गुलशन पांडे, भगवानदास पटेल, राजीव मिश्रा और अन्य कलाकार भी शामिल हैं।

मेजर ध्यानचंद की जयंती पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में मनाया गया राष्ट्रीय खेल दिवस..

जगप्रेरणा बालाघाट।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापक, क्रीड़ा परिषद के सदस्य एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने की। इस अवसर पर प्राचार्य द्वारा मेजर ध्यानचंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में पूर्व हॉकी खिलाड़ी, पूर्व हॉकी कप्तान एवं हॉकी अध्यक्ष रहे मो. शहनवाज शेख विशेष रूप से उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय खेल दिवस कार्यक्रम में क्रीड़ा परिषद के सदस्यों डॉ. नवाब कुरैशी, डॉ. पंचारिया, डॉ. योगेश विजयवार, डॉ. सुंदर, डॉ. राकेश पटले, डॉ. गजानन कटरे, डॉ. विजय यादव, डॉ. खिलेश्वर, डॉ. विजय आड़े, डॉ. बागड़े एवं डॉ. रेखा बिसेन सहित अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी अनिल कुमार झरबड़े ने किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा खेल भावना के साथ आगे बढ़ने की शपथ ली। इसके पश्चात विभिन्न खेल विधाओं में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। राष्ट्रीय खेल दिवस के अंतर्गत बैडमिंटन, टेबल टेनिस एवं शतरंज प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

बैडमिंटन एकल प्रतियोगिता में डॉ. योगेश विजयवार ने छात्र त्रिलोक को पराजित किया। वहीं डॉ. राकेश पटले एवं डॉ. गजानन कटरे ने छात्र शैलेंद्र एवं नितेश के विरुद्ध जीत दर्ज की। शतरंज प्रतियोगिता में डॉ. नवाब कुरैशी एवं डॉ. विजय आड़े ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए छात्र समीर एवं अनिल को पराजित किया। इसी प्रकार डॉ. विजय यादव ने शतरंज प्रतियोगिता में छात्र गौरव को हराकर जीत दर्ज की। टेबल टेनिस प्रतियोगिता में डॉ. पंचारिया ने डॉ. गजानन कटरे के विरुद्ध जीत हासिल की।

महिला वर्ग की प्रतियोगिताओं में भी प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ सहभागिता की, जिसमें डॉ. रेखा बिसेन, हर्षा वाडिवा एवं कोकोटिया ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को खेलों के महत्व, अनुशासन, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य तथा खेल भावना के प्रति जागरूक किया गया। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताओं ने महाविद्यालय परिसर में उत्साह और खेल भावना का वातावरण निर्मित किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर क्रीड़ा अधिकारी अनिल कुमार झरबड़े ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, प्राध्यापकों, क्रीड़ा परिषद के सदस्यों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

नेपाल त्रासदी देख सिहर उठे अमिताभ बच्चन, नहीं देखा जा रहा तबाही का मंजर, बोले- 'ये असहनीय है'..

डेस्क जगप्रेरणा।

नेपाल में बुधवार, 26 अगस्त 2026 को आई फ्लैश फ्लड से मची तबाही के बाद अब प्रभावित इलाकों में खोज और बचाव कार्य जारी है। जैसे-जैसे राहत-बचाव कार्य आगे बढ़ रहा है, मृतकों और लापता लोगों की संख्या चिंता बढ़ा रही है।

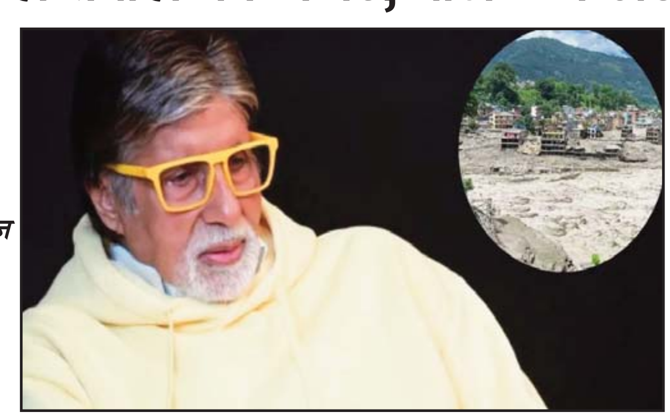

चीन की सीमा के पास ग्लेशियर के टूटने के बाद आई बाढ़ का सबसे ज्यादा असर रासुवा और मध्य नेपाल के इलाकों पर देखने को मिल रहा है। बॉलीवुड सितारे भी इस त्रासदी की भयावहता पर चिंता और दुख जाहिर कर रहे हैं। इस बीच मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने भी नेपाल में आई भयानक बाढ़ पर चिंता जताई है।

क्या बोले अमिताभ बच्चन?

अमिताभ बच्चन ने अपने लेटेस्ट ब्लॉग में नेपाल त्रासदी पर चिंता और दुख जाहिर किया है। इस भयानक आपदा पर प्रतिक्रिया देते हुए बिग बी ने इसे 'दर्दनाक' और 'असहनीय' बताया है। अपने ब्लॉग में बिग बी ने कहा कि प्रकृति के प्रकोप का सामना करना नामुमकिन है। इसे सिर्फ ईश्वरीय हस्तक्षेप ही प्रभावित कर सकता है। इसलिए प्रकृति का सम्मान करते हुए प्रार्थना करते रहना है।

नेपाल त्रासदी पर बिग बी ने जताई चिंता..

बिग बी ने अपने ब्लॉग में लिखा- 'नेपाल में बाढ़ से हुई तबाही को देखना बेहद मुश्किल है। कुदरत के कहर से कभी नहीं लड़ा जा सकता। उसका सम्मान करना चाहिए। प्रकृति के कहर का सामना करने के लिए ईश्वरीय शक्ति की जरूरत होती है... हम सिर्फ प्रार्थना करते हैं... क्योंकि यह सब कुछ ईश्वर के ऊपर है।'

अनुपम खेर भी जाहिर कर चुके हैं चिंता..

बिग बी से पहले अनुपम खेर सहित कई बॉलीवुड सितारे नेपाल त्रासदी को लेकर चिंता व्यक्त कर चुके हैं। प्रकृति की भयावहता को देखने के बाद अनुपम खेर ने एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपना दुख जाहिर किया।

वीडियो मैसेज में अनुपम खेर कहते हैं कि 'मैं नेपाल के लिए प्रार्थना कर रहा हूं। नेपाल में आई बाढ़ से हुई तबाही देखकर दिल टूट गया है। कई जानें चली गईं, कई परिवार-घर उजड़ गए। बेबस जानवर भी तबाही की चपेट में आ गए। इस बात का ख्याल ही दिल दहला देता है कि कैसे कुछ ही पलों में किसी की अपनी कही जाने वाली हर एक चीज गायब हो गई।'

कल्कि 2898 एडी के सीक्वल में नजर आएंगे अमिताभ बच्चन..

वर्क फ्रंट की बात करें तो अमिताभ बच्चन फिलहाल नाग अश्विन के निर्देशन में बन रही 'कल्कि 2898 AD' के सीक्वल की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह एक पौराणिक साइंस-फिक्शन फिल्म है, जिसके पहले भाग में दीपिका पादुकोण, कमल हासन, प्रभास,

और दिशा पाटनी नजर आए थे, लेकिन दूसरे भाग से दीपिका पादुकोण एग्जिट ले चुकी हैं। इसके अलावा बिग बी 'कौन बनेगा करोड़पति' के नए सीजन को लेकर भी चर्चा में हैं।

श्रीलंका श्रृंखला के 48 घंटे के अंदर भारतीय खिलाड़ियों को अनिवार्य फिटनेस परीक्षण के लिए बुलाया गया..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला खत्म होने के 48 घंटे के भीतर भारतीय टीम के शीर्ष केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी शनिवार को बेंगलुरु स्थित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में नए घरेलू सत्र से पहले फिटनेस परीक्षण के लिए पहुंचे। लगातार तीन दिन मैदान पर कड़ी मेहनत करने के बाद भी टेस्ट टीम के कई नियमित खिलाड़ियों ने आगामी आठ महीने के व्यस्त सत्र को ध्यान में रखते हुए फिटनेस मानकों की जांच में हिस्सा लिया।

यह सत्र 2027 इंडियन प्रीमियर लीग तक चलेगा। अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत, सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के अलावा टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर, छोटे प्रारूप के विशेषज्ञ रिंकू सिंह, संजू सैमसन और चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ सहित कई खिलाड़ी फिटनेस जांच में पसीना बहाते नजर आए। अनिवार्य फिटनेस जांच में 'ब्रोंको टेस्ट', '2 किलोमीटर दौड़', 'यो-यो टेस्ट' और क्रिकेट से जुड़ी ड्रिल्स जैसे विकेटों के बीच दौड़ना शामिल हैं।

'ब्रोंको टेस्ट' में शुरुआती बिंदु (0 मीटर), 20 मीटर, 40 मीटर और 60 मीटर पर 'कोन' लगाए जाते हैं। खिलाड़ियों को बिना रुके पांच सेट में 0 से 20 मीटर और वापस, फिर 40 मीटर और 60 मीटर तक दौड़ पूरी करनी होती है। इसमें कुल 1200 मीटर की दूरी पांच मिनट 30 सेकेंड में पूरी करनी होती है। 'यो-यो टेस्ट' का मानक लंबे समय से 16.5 है जबकि दो किलोमीटर दौड़ (2000 मीटर) को 10 मिनट के भीतर पूरा करना होता है। हालांकि जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पंड्या और नीतिश कुमार रेड्डी पूरी तरह फिट घोषित होने के बाद ही इन फिटनेस परीक्षणों में हिस्सा लेंगे। ये खिलाड़ी फिलहाल चोट से उबरने के लिए 'रिहैब' प्रक्रिया से गुजर रहे हैं।

तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को फिलहाल इस जांच से छूट दी गई है क्योंकि उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ लगातार दो टेस्ट मैच में काफी गेंदबाजी की थी। इस बीच, इंग्लैंड दौरे के दौरान मांसपेशियों में खिंचाव की परेशानी से जूझने वाले प्रिंस यादव अब फिट हो गए हैं और चयन के लिए उपलब्ध हैं। बीसीसीआई का घरेलू सत्र 'इंडिया क्रिकेट' हर साल सितंबर में शुरू होता है। इस बार इसकी शुरुआत नयी दिल्ली में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से होगी।

इसके बाद टी20 टीम एशियाई खेलों के लिए जापान जाएगी जबकि उसी समय सीमित ओवरों के विशेषज्ञों की एक अन्य टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला खेलेगी। इसके अलावा सितंबर के अंतिम सप्ताह से अक्टूबर के दूसरे सप्ताह तक पुडुचेरी में भारत 'ए' और ऑस्ट्रेलिया 'ए' के बीच श्रृंखला भी आयोजित होगी।

हॉकी वर्ल्ड कप में बेल्जियम से पेनल्टी शूटआउट में हारा भारत, 8वें स्थान पर समाप्त हुआ टीम इंडिया का सफर..

डेस्क जगप्रेरणा।

वर्ल्ड कप में मेडल की रेस से बाहर होने के बाद, इंडियन मेंस हॉकी टीम अपने आखिरी मैच में बेल्जियम से हार गई। इस मुकाबले में हारकर टीम इंडिया 8वें स्थान पर रही। तय समय तक दोनों टीमें 3-3 की बराबरी पर थीं, जिसके बाद फैसला पेनल्टी शूटआउट में हुआ।

शूटआउट में बेल्जियम ने भारत को 4-3 से हरा दिया। भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो और अभिषेक ने एक गोल किया, लेकिन बेल्जियम के शानदार गोलकीपर के आगे भारतीय टीम मुकाबला हार गई।

पहले हाफ में टीम इंडिया की धमाकेदार शुरुआत..

भारतीय टीम ने मैच की धमाकेदार शुरुआत करते हुए छठे मिनट में ही अभिषेक के गोल से बढ़त बना ली। हालांकि, मैदान पर 11 से ज्यादा खिलाड़ी होने की गलती के कारण कप्तान हरमनप्रीत सिंह को येलो कार्ड मिला और उन्हें 5 मिनट के लिए मैदान से बाहर बैठना पड़ा। पहले क्वार्टर में बेल्जियम को गोल करने के कई मौके (पेनल्टी कॉर्नर) मिले, लेकिन भारतीय डिफेंडर्स ने उन्हें एक भी गोल नहीं करने दिया। पहले हाफ में बेल्जियम की टीम एक भी गोल नहीं कर पाई।

दूसरे क्वार्टर में बेल्जियम ने महज दो मिनट के भीतर दो गोल करके बढ़त हासिल कर ली। खेल के 22वें मिनट में रोमन डुवेकोट ने गोल दागकर स्कोर बराबर किया, और ठीक अगले ही मिनट (23वें मिनट) ह्यूगो लाबूचेर ने पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार गोल करके बेल्जियम को 2-1 से आगे कर दिया। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने बेहतरीन गोल करके भारत का स्कोर 2-2 की बराबरी पर ला खड़ा किया। हालांकि, चौथे क्वार्टर में बेल्जियम ने फिर एक गोल करके 3-2 से बढ़त बना ली। लेकिन मैच खत्म होने से ठीक 20 सेकंड पहले हरमनप्रीत ने दोबारा पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार गोल दागकर मैच को 3-3 से फिर बराबर कर दिया।

पेनल्टी शूटआउट में भारत के 3 खिलाड़ियों ने किए गोल..

पेनल्टी शूटआउट में भारत की शुरुआत बेहतरीन रही और शिलानंद, दिलप्रीत व अभिषेक ने शुरुआती तीनों शॉट में गोल दाग दिए। हालांकि आखिरी दो शॉट में हरमनप्रीत और सुखजीत गोल करने से चूक गए। वहीं बेल्जियम के चार खिलाड़ियों ने गोल करके मैच अपने नाम कर लिया, जबकि उनका सिर्फ एक खिलाड़ी ही गोल करने में नाकाम रहा।

दूसरे राउंड में एक भी मैच नहीं जीत पाई भारतीय टीम..

51 साल बाद वर्ल्ड कप मेडल जीतने का सपना लेकर उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार रही। पहले दौर में वेल्स (3-1) और पाकिस्तान (5-3) को हराने के बाद टीम इंग्लैंड से 2-4 से हार गई। इसके बाद दूसरे दौर में नीदरलैंड्स से 1-3 और अर्जेंटीना से 3-5 से मिली लगातार हार के साथ ही भारत का सेमीफाइनल में पहुंचने का सपना भी चकनाचूर हो गया। दूसरे दौर में भारतीय टीम एक भी मैच नहीं जीत पाई।

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

जग प्रेरणा

साहित्य अभिव्यक्ति

■ संपादकीय ■ लेख ■ कविता ■ व्यंग्य ■ महाशब्द पहेली (शब्द ज्ञान)

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

त्योहार, विज्ञापन और कल्चरल मार्क्सवाद द्वारा 'फ्री पब्लिसिटी' और ज्ञान बांटने का कॉर्पोरेट खेल

हर वर्ष भारत में हिंदू त्योहार आते ही टीवी और सोशल मीडिया पर विज्ञापनों की बाढ़ आ जाती है। लेकिन बीते कुछ सालों से एक बेहद चालाक और खतरनाक ट्रेंड देखने को मिल रहा है। त्योहारों से जुड़े विज्ञापनों में सांस्कृतिक मानदंडों और परंपराओं को उपेक्षा करना, धार्मिक रीति-रिवाजों पर बिना मांगे ज्ञान बांटना, और फिर उस पर होने वाले विवाद के जरिए अपने ब्रांड की 'फ्री पब्लिसिटी' (स्न्न्नद्ग क्क) भुनाना।

जब आप ऐसे विज्ञापनों और उन पर होने वाले विवादों का निष्पक्ष विश्लेषण करते हैं, तो चाहे किसी को पसंद आए या न आए, समाज का गुस्सा बिल्कुल सही और वास्तविक दृष्टि से भी सही समझ आता है।

'कंट्रोवर्सी मार्केटिंग' और मुफ्त पब्लिसिटी का खेल

आज के समय में विज्ञापन केवल उत्पाद (क्कह्न्श्स्न्नह्ष्ह्) बेचने का जरिया नहीं रहे, बल्कि वे एक सोची-समझी व्यावसायिक रणनीति बन चुके हैं। जिसे कॉर्पोरेट दुनिया में 'निगेटिव पब्लिसिटी' या 'कंट्रोवर्सी मार्केटिंग' कहा जाता है, ब्रांड्स उसी का सहारा ले रहे हैं।

विज्ञापनदाताओं को भली-भाँति पता है कि किसी पावन त्योहार के अवसर पर अगर परंपराओं के खिलाफया असंगत चीजें दिखाई जाएंगी, तो सोशल मीडिया पर हो-हल्ला होगा। लोग रिएक्ट करेंगे, बहस छिड़ेगी, और देखते ही देखते बिना एक भी अतिरिक्त रुपया खर्च किए ब्रांड का नाम करोड़ों लोगों की वाणी पर चढ़ जाएगा। यानी ट्रोल्स और विवाद के बल पर ब्रांड्स को बिना मेहनत करोड़ों रुपये का मुफ्त प्रचार मिल जाता है।

जैसे तनिष्क का दिवाली विज्ञापन त्योहारों पर 'ज्ञान' की राजनीति

इस विवादित ट्रेंड का सबसे बड़ा उदाहरण 2020 में आया तनिष्क आभूषण ब्रांड का दिवाली विज्ञापन था। दिवाली के शुभ अवसर पर गहने बेचने आई कंपनी ने अपने विज्ञापन के जरिए समाज को 'सीख' देना शुरू कर दिया था।

प्रश्न यह उठता है कि क्या किसी ज्वेलरी ब्रांड को यह अधिकार है कि वह सदियों पुराने धार्मिक त्योहारों को मनाने का तरीका तय करे? दिवाली प्रकाश, आतिशबाजी और उल्लास का पर्व है, लेकिन विज्ञापनों में बार-बार त्योहारों को ही प्रदूषण या समाज की किसी न किसी समस्या का जिम्मेदार बनाकर प्रस्तुत कर दिया जाता है। तनिष्क ने जिस तरह दिवाली को 'सुधारने' का पाठ पढ़ाया, और उसके पीछे सास - बहु वाला दिमागी षड्यंत्र रचकर लव जिहाद को बढ़ावा दिया। ऐसे विज्ञापन समाज की आस्था और परंपराओं पर सीधा आक्षेप करते है।

बाद में तनिष्क को क्षमा माँगनी पड़ी और विज्ञापन वापस भी लेना पड़ा, वैसे ही गिवा (त्रद्ब1ड्ड) आभूषण ब्रांड का रक्षाबंधन विज्ञापन की मर्यादा को चुनौती देता है।

जीस तरह गिवा (त्रद्ब1ड्ड) के रक्षाबंधन विज्ञापन में अभिनेत्री कृति सेनन को अत्यंत कम कपड़ों में बैठकर अपने भाई को राखी बांधते हुए दिखाया गया। भारत के हिंदू परिवारों में रक्षाबंधन जैसे पावन और पारिवारिक पर्व पर ऐसे पहनावों को पूरी तरह से अनुचित माना जाता है। किसी भी आम घर में अगर कोई महिला ऐसे कपड़े पहनकर पूजा में बैठेगी, तो उसे विनम्रता से कपड़े बदलने के लिए कहा जाएगा। भले ही कोई सिद्धांत रूप में इससे असहमत हो, लेकिन यही भारत की धरातलीय वास्तविकता है।

इसी प्रकार, कृति सेनन के रक्षाबंधन विज्ञापन में पालतू कुत्ते को भी राखी बाँधते हुए दिखाया गया। रक्षाबंधन जैसे पारिवारिक और धार्मिक पर्व के संदर्भ में इस प्रकार के चित्रण ने भी त्योहार की पारंपरिक भावना और मर्यादा को लेकर प्रश्न खड़े किए।

कल्चरल मार्क्सवाद का एजेंडा

इस पूरे घटनाक्रम के पीछे केवल व्यावसायिक लालच ही नहीं, बल्कि 'कल्चरल मार्क्सवाद' का एक गहरा वैचारिक एजेंडा भी काम कर रहा है।

कल्चरल मार्क्सवाद का मूल उद्देश्य ही समाज की स्थापित धार्मिक परंपराओं, पारिवारिक मर्यादाओं और सांस्कृतिक प्रतीकों को 'पिछड़ा' या 'अनुचित' ठहराकर ध्वस्त करना है। इसके अंतर्गत त्योहारों की पवित्रता और पारिवारिक मर्यादा को 'कट्टरता' या स्वतंत्रता पर प्रतिबंध' बताकर प्रस्तुत किया जाता है।

पुरानी और नई पीढ़ी के बीच अपनी ही सांस्कृतिक जड़ों को लेकर हीनभावना पैदा करने का प्रयास किया जाता है।

जब जनता इसका विरोध करती है, तो 'फ्रीडम ऑफ चॉइस' **(Freedom of Choice)** और 'प्रगतिशीलता' की ढाल ओढ़ ली जाती है। और इसे परंपरा बनाम पहनावा बना दिया जाता है।

भारत में हर त्योहार और अवसर का अपना एक सांस्कृतिक शिष्टाचार **(Etiquette)** होता है। पारिवारिक या धार्मिक पर्वों पर मर्यादित कपड़े पहनना किसी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर आक्रमण नहीं, बल्कि उस अवसर और परिवार के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

यह नियम केवल महिलाओं पर लागू नहीं होता, बल्कि पुरुषों पर भी उतना ही लागू होता है जैसे रक्षाबंधन या दिवाली की पूजा में अगर घर का कोई लड़का शॉर्ट्स और स्लीवलेस टी-शर्ट पहनकर बैठ जाए, तो उसे भी तुरंत टोका जाएगा।

त्योहार के शुभ अवसर पर यदि कोई लड़का काला या बिल्कुल सफेद कुर्ता पहनकर आ जाए, तो उसे भी कपड़े बदलने की राय देंगे।

लेकिन कल्चरल मार्क्सवाद से प्रभावित मीडिया और विज्ञापन एजेंसियां इस सामान्य पारिवारिक शिष्टाचार को 'महिला-विरोधी' या 'रूढ़िवादिता' का रूप देकर प्रस्तुत करती हैं, जो पूरी तरह से असत्य और भ्रामक नैरेटिव है।

सेलेब्रिटीज का दोहरा मापदंड

सबसे रोचक बात यह है कि इन विज्ञापनों में काम करने वाले कलाकार खुद अच्छी तरह जानते हैं कि किस अवसर पर क्या पहनना चाहिए। उदाहरण के लिए, जब वही कृति सेनन अपने घर पर गणेश पूजा करती हैं या दगडू सेठ गणपति मंदिर के दर्शन करने जाती हैं, तो पूरी तरह पारंपरिक और मर्यादित पोशाक में नजर आती हैं। वहां वे विज्ञापन वाले कपड़े नहीं पहनतीं।

यानी सेलेब्रिटीज को खुद पता है कि धर्म और परंपरा का सम्मान क्या होता है। लेकिन कैमरों के सामने आते ही, भारी-भरकम फीस और विज्ञापन कंपनियों के एजेंडे के लिए वे ऐसे कपड़े और सीन शूट करती हैं जहां उत्पाद से ज्यादा ध्यान उनके शरीर और विवादित लुक पर होता है।

हर व्यक्ति को अपनी पसंद के कपड़े पहनने और अपनी जीवन जीने का पूरा अधिकार है। लेकिन अपनी 'स्वतंत्रता' का उल्लेख कर करोड़ों रुपये कमाने के चक्कर में किसी समाज की संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों की मर्यादा का उपहास उड़ाने का अधिकार किसी ब्रांड या कलाकार को नहीं है।

तनिष्क का दिवाली पर ज्ञान देना हो या गिवा का रक्षाबंधन पर मर्यादा तोड़ना, त्योहारों को नीचा दिखाकर 'फ्री पब्लिसिटी' बटोरना न तो आधुनिकता है और न ही उचित व्यापार। अब भारत का जागरूक समाज इस चालाकी को समझ चुका है और अपनी पहचान की उपेक्षा सहन करने के मूड में पूर्णतः नहीं है।

डॉ राधा मिश्रा

'मौत के मलबे में जिंदगी की खोज'

विगत दिनों हमारे पड़ोसी देश नेपाल में अचानक आई भयंकर बाढ़ ने नेपाल तिब्बत सीमा पर जिस प्रकार की भयंकर तबाही मचाई है उसे देख कर दुनिया के सभी पर्यावरण वैज्ञानिक एवं भूगोल शास्त्री आश्चर्य चकित हैं।यद्यपि नेपाल जैसे छोटे से राष्ट्र की सरकार

ने बाढ़ और भूस्खलन से निपटने के लिए लगभग 30 हेलीकाफ्टर तैनात कर दिए हैं।तथापि भीषण त्रासदी को देखते हुए और अधिक सहायता की आवश्यकता है किंतु दूसरे देशों को इस बात की कोई गम्भीर चिंता नहीं है इराक, ईरान ,रूस यूक्रेन,अमेरिका , तुर्की हो या संयुक्त अरब अमीरात आदि अनेकों देश अपने वर्चस्व को स्थापित करने में ही लगे हुए हैं पेट्रोल के जुगाड में लगे हुए हैं। कोई हॉर्मुज को हथियाने में दांव पेंच लगा रहा है तो कोई अधिक से अधिक युद्ध हथियार बेचने

में लगा हुआ है।पीड़ित मानवता की रक्षा करने में सभी विकसित राष्ट्रों को आगे आना चाहिए तभी नेपाल

जैसे छोटे देश भीषण तबाही से संघर्ष कर सकेंगे। जितने भी खेल समारोह आयोजित कर भारी भरकम

राशि खर्च की जाती है उस पर एक वर्ष के लिए रोक लगाकर पीड़ित मानवता के कल्याण में अनुदान देना चाहिए।किंतु विकसित राष्ट्रों के कानों में जूं रेंगती ही नहीं है।उन्हें तो राष्ट्रों को हथियाना है। जहां तक नेपाल देश के संकट का बहुत कुछ असर भारत के सीमा वर्ती राज्यों जैसे बिहार, उत्तर प्रदेश पर प ड ना

सुनिश्चित है।जिस तरह से हजारों लोग रोते बिलखते दर दर भटक रहे हैं उसी तरह तीन सौ भारतीय पर्यटकों को भी खोजना होगा।नेपाल की ओर से छोड़ा गया लगभग दो लाख क्यूसेक पानी से बिहार की गंडक नदी में भयंकर बाढ़ की संभावना सुनिश्चित है।इस भयंकर बाढ़ में हजारों पशु, घरेलू सामान ,गाड़ियाँ,और इंसान बहकर आ रहेहैं।इसमें मुख्य खल नायक चीन की चुप्पी बहुत मायने रखती है। ऐसी जानकारी मिली है कि चीन की लहेंडे नदी में पर्वत माला एक बहुत बड़ा हिस्सा गिर चुका है।जिसके कारण

भूस्खलन की भयंकर स्थिति निर्मित हुई।यही पानी भयंकर रूप में

भोतिकोशी , एवं त्रिशूली नदियों तक

पहुंचा एवं भयंकर बाढ़ आई।जो भी हो स्थिति बहुत गंभीर एवं चिंताजनक है, ।इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंट्रीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट संस्थान के वैज्ञानिकों के अनुसार

लगभग 50 के करीब झीलों को

खतरनाक ग्लेशियर झीलों के रूप

मे खोजकर चिन्हित किया गया

है। इनमें से लगभग आधी झीलें तिब्बत में हैं और आधी नेपाल में हैं।

कैलाश मानसरोवर यात्रा पर निकले यात्री भी तबाही से प्रभावित हुए हैं किंतु खुशी की खबर यह है कि कल

तक 21 भारतीय सुरक्षित लौटचुके हैं।85 लोग बचाये जा चुके हैं।दुख का विषय यही है कि 320 अभी भी लापता हैं। कुल मिलाकर लगभग 550 लोगों की मौत एवं 3000 के

लगभग लापता लोगों को खोजना बहुत कठिन कार्य है। ऐसी दुखद घटना पर सभी देशों को अपने वर्चस्व की लड़ाई त्याग कर ÷मानव सेवा ही माधव सेवा है ÷ इस मंत्र को मानकर आत्म गृहित करें। वरना अब पछतावे होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत वाली कहावत चरितार्थ होगी।।नेपाल त्रासदी से दिवंगत हुए सभी आत्मीय जनों को विनम्र श्रद्धांजलि` शांति शांति शांति।।

**डॉ प्रणय श्रीवास्तव
अश्क अंतर्राष्ट्रीय कवि
व्यंग्यकार साहित्यकार**

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप से जोड़ा जा सकता है।

शब्दवर्गपहेली क्र.- 257

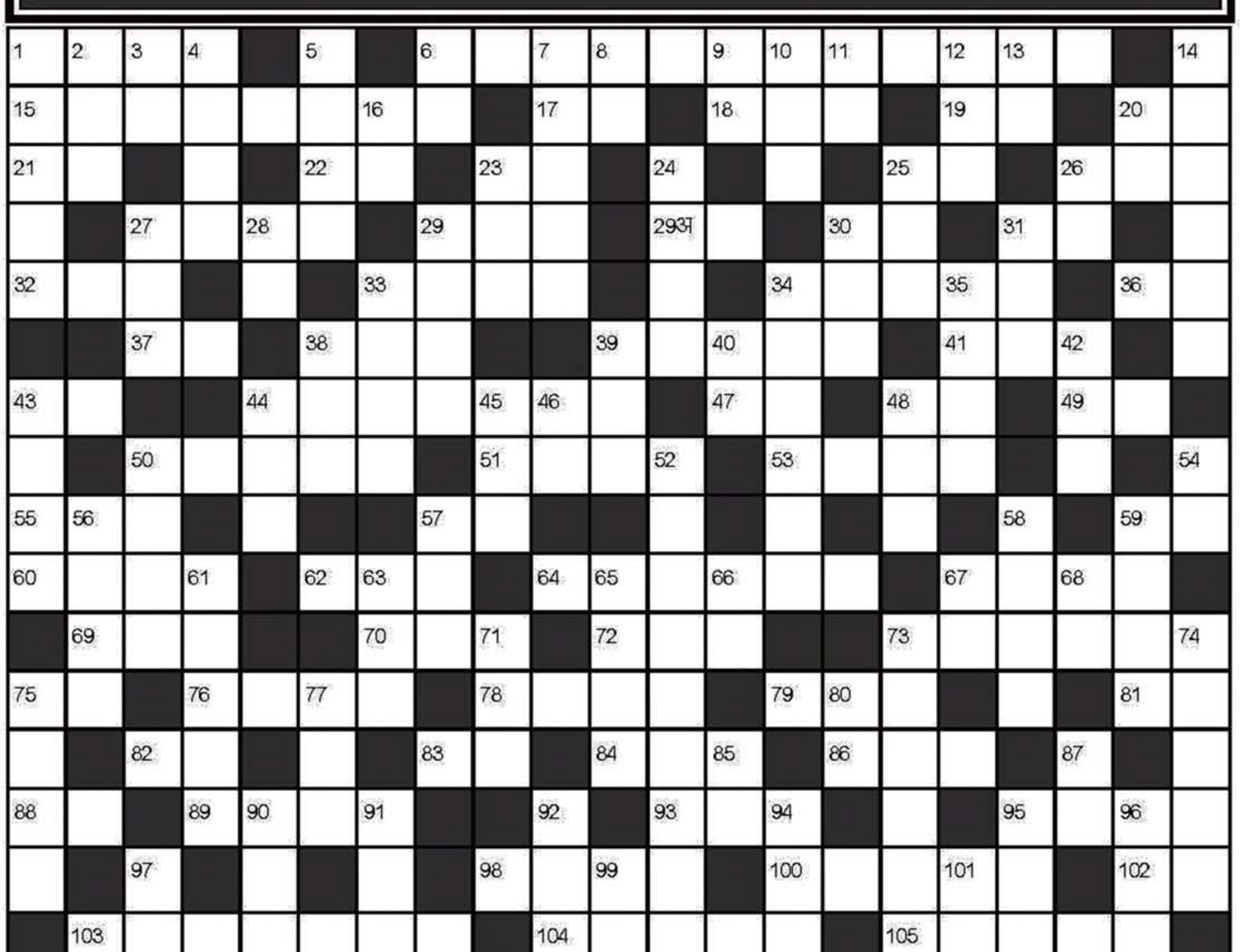

ck;s ls nk;s !& 1) चित्र 6) नाम के अनुसार किसी व्यक्ति में जब गुण दिखाई न दे तब कहीं जानेवाली एक कहावत 15) घड़ियाली आंसू, जब कोई दिखावटी दुःख व्यक्त करता है तब प्रयुक्त की जानेवाली शब्दावली 17) धब्बा 18) तप्त 19) झुका हुआ 20) आदर, परिमाण 21) भीगा हुआ, गीला 22) बुरी आदत 23) दरवाजा 25) सीमा 27) उदास, अस्वस्थ 29) स्वप्न, ख्वाब 29अ) गर्दभ, गधा 30) बकरा 31) कत्था, कुछ चिंता नही 32) नवीनता, नयापन 33) रामायण में श्रीरामजी के पिता 34) हिन्दी फिल्म जगत की पहली बोलती फिल्म 36) दरिद्र, गरीब 37) परेशान, दुखी 38) पहरेदार 39) कटोरियों में पानी भरकर आघात किया जानेवाला एक वाद्य 41) विजय प्राप्त करना 43) रक्षाबंधन को भाई के कलाई पर बांधा जानेवाला धागा 44) संजय दत्त, सलमान खान की फिल्म 'साजन' के निर्माता 47) आकाश 48) नौका, किश्ती 49) रामायण में रावण की राजधानी 50) अनादर, आज्ञा का पालन न करना 51) मुआवजा 53) अल्पवयस्क 55) असुर, राक्षस 57) नीर, जल 59) मजहब 60) बिलकुल 62) मुलायम, नाजुक 64) दिल्ली का एक प्रसिद्ध दर्शनीय स्थल 67) एक पुराने चरित्र अभिनेता जो फिल्म वक्त में 'चिनॉयसेठ' बने थे 69) 'धर्म' का अपभ्रंश रुप 70) लवण 72) व्याकुल 73) गुजरात का एक प्रमुख शहर 75) न्यून 76) मुगल सम्राट अकबर के दरबार के गायक 78) साथ चलनेवाला 79) प्रज्वलित होना 81) भाव, दरवाजा 82) कृष्ण दीवानी संत कवयित्री 83) प्रेम 84) देवदूत, उद्धारक 86) गरम होना, आग के सामने बैठकर आंच लेना 88) कड़ुआ 89) गंध देना 93) सुंदर स्त्री 95) लज्जा करना 98) पिता के पिता के पिता 100) जो टुकड़े टुकड़े हो गया हो 102) 'सूरदास' का संक्षिप्त रुप 103) अनादरपूर्ण 104) निंदा करना अर्थवाला एक मुहावरा, नामकरण करना 105) वैकुंठ, स्वर्ग

Åij ls uhps !& 1) क्रोध से चेहरा लाल होना 2) इस राजा के नाम पर से समुद्र को सागर कहा जाने लगा 3) शूर 4) मुसलमान इस महीने में रोजा रखते है 5) ठेलकर आगे सरकना 6) अश्रु 7) हिमालय पर्वत में स्थित एक प्रसिद्ध तीर्थ 8) शरीर का अवयव 9) सर्प 10) मृत्यु होना 11) गीला 12) पति की बहन 13) पुत्र 14) तुरन्त, झटपट 16) अंतड़ी 20) महीना 23) चार युगों में एक 24) एक महीन रेशमी कपड़ा 25) पचाया हुआ 26) हमारा राष्ट्रीय पक्षी 27) किसी दूसरे स्थान पर 28) पुरुष 29) सदेह, देहसहित 30) पृथक 31) दान 33) धधकना, जलना 34) शुरु करना 35) जीवनभर 38) मुख्य 39) अजय ...., भारतीय क्रिकेट संघ का एक भूतपूर्व खिलाड़ी (कुलनाम) 40) देह, शरीर 42) भारत का एक प्राचीन विश्वविद्यालय 43) महाराष्ट्र के एक पुराने प्रसिद्ध संत जो शिवाजी महाराज के गुरु भी थे 44) भारत के निकटस्थ एक द्वीप 45) दुकान की पहिली बिक्री 46) करनेवाला, क्रिया 48) नाक 50) मौका 52) तहसीलदार का एक सहाय्यक अधिकारी 54) काम 56) पापी मनुष्य 57) दिल्ली का एक हवाई अड्डा 58) मूर्ख 59) बिहार का खदानों के लिए प्रसिद्ध एक शहर 61) एक स्थान पर न रहकर सदैव भटकनेवाला, परिव्राजक 63) चिन्तन 65) महाराष्ट्र के अभंगो की रचनाओं के लिए प्रसिद्ध संत 66) सरदार (उर्दू) 67) ठहर, वास कर 68) स्त्री जाति का प्राणी 71) बड़ी विपत्ति 73) ऊलजलूल, बेवजह की बातें 74) एक ओर, अलग 75) कोलकाता का पूर्ववर्ती नाम 77) दास, नोकर 80) बेल 85) समाचार, अवस्था 87) गोरी चमड़ीवाला, सफेद 90) सुंदर 91) नासमझ 92) पराजित होना, चुराना 94) नृत्य करना 95) लज्जा 96) निरपराध, बेगुनाह 97) खामोश, मौन 99) पैसा, मूल्य 101) तल्लीन, नशे में मदमस्त (जवाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

अ	शो	क	ग	ह	लो	त	■	त	ह	ल	का	■	स	च	क	ह	ना	■	प	त
प	ह	र	■	म	क	स	द	■	ढी	■	क	श	म	क	श	■	क	त	र	ना
ह	र	■	ब	ल	मा	■	या	क	■	पं	■	ह	र	म	■	न	क	ल	ची	■
र	त	ल	गा	■	न्य	■	लु	टि	या	ड़ु	बो	ना	■	क	र	व	ट	■	■	चू
ण	■	ल	व	■	बा	गी	■	ब	म	■	र	ई	स	■	ह	रा	ना	■	ज	रा
■	का	■	त	र	ल	■	सि	द्ध	■	ना	क	■	ना	म	मा	त्र	■	स	ब	■
मौ	ला	ना	■	■	गं	वा	र	■	इ	मा	र	त	■	म	न	■	अ	दा	ल	त
का	बा	■	य	ल	गा	र	■	ब	■	कू	■	प	ति	ता	■	ब	दा	■	पु	ख्वा
■	जा	न	की	■	ध	■	का	या	प	ल	ट	■	लां	■	ब	र	क	रा	र	■
पै	र	■	न	फ	र	त	■	र	ट	■	स	रो	ज	■	ह	स	र	त	■	भ
ना	■	द	■	र	ति	■	ना	■	ना	म	■	ग	लि	या	रा	■	ना	रा	ज	गी
■	बु	र	का	■	ल	ल	का	र	■	ख	र	■	दे	र	■	स	■	नी	■	र
बू	■	अ	बु	ल	क	ला	म	■	■	म	हा	म	ना	■	च	र	खा	■	हा	थ
■	फ	स	ल	■	■	ट	■	बा	द	ल	■	ज	■	बा	■	ह	ल	च	ल	■
ग	र	ल	■	रं	ग	रे	ज	■	र्ज	■	अ	ह	म	दा	बा	द	■	प	चा	ना
त	क	■	अं	ग	र	खा	■	म्या	न	■	दा	ब	■	म	द	■	स	त	ल	ज

anumeva-08446302691

जग प्रेरणा
व्यापार समाचार
● शेयर बाजार ● इलेक्ट्रॉनिक्स ● कपड़ा ● किराना ● लोहा ● सिमेंट ● सराफा ● आटोमोबाईल्स

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

भारत में विनिर्माण कीजिए, दुनिया के लिए बनाइए: सीतारमण..

वाशिंगटन, (भाषा)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वैश्विक निवेशकों को भारत में विनिर्माण आधार तथा प्रौद्योगिकी तथा नवाचार केंद्र स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया। वित्त मंत्री ने उनसे भारत की प्रतिभा और अवसरों का लाभ उठाकर दुनिया के लिए विनिर्माण करने का आग्रह किया।

शिकागो में शुक्रवार को प्रमुख निवेशकों और व्यापारिक नेताओं के साथ एक उच्च स्तरीय बिजनेस गोलमेज बैठक को संबोधित करते हुए, सीतारमण ने भारत की व्यापक वृद्धि, सुधारों की गति और दीर्घकालिक निवेश के लिए बढ़ते अवसरों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत का निवेश प्रस्ताव किसी एक क्षेत्र पर नहीं, बल्कि पिछले एक दशक में पैमाने, वृद्धि, प्रतिभा, बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी और निरंतर सुधारों के संयोजन पर आधारित है।

अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच के सहयोग से शिकागो में भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित गोलमेज बैठक में उन्होंने कहा, ''नीतिगत माहौल व्यवसायों को निवेश करने, विनिर्माण करने, नवाचार करने और विस्तार करने में सक्षम बनाने पर तेजी से केंद्रित हो रहा है।''

वित्त मंत्री ने वैश्विक साझेदारों को सह-विकास, सह-उत्पादन और वैश्विक बाजारों के लिए विनिर्माण करने के लिए आमंत्रित किया।

सीतारमण ने कहा कि भारत को केवल सेवा प्रदान करने वाले बाजार के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि भारत की इंजीनियरिंग प्रतिभा, विनिर्माण पैमाने और प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाकर दुनिया के लिए विनिर्माण करना चाहिए।

बैठक का मुख्य विषय ''भारत में विनिर्माण - भारत के लिए और दुनिया के लिए'' था, जिसमें विनिर्माण, एआई और डिजिटल, वित्तीय सेवाएं, बुनियादी ढांचा, खाद्य प्रसंस्करण, रक्षा और उन्नत प्रौद्योगिकियों के अवसर शामिल थे।

सीतारमण ने कहा, ''जैसे-जैसे वैश्विक कंपनियां आपूर्ति श्रृंखलाओं और पूंजी आवंटन का पुनर्मूल्यांकन कर रही हैं, भारत न केवल एक बाजार के रूप में पैमाना प्रदान करता है, बल्कि एक दीर्घकालिक निवेश और परिचालन मंच के रूप में भी गहराई प्रदान करता है।''

मंत्री ने कहा कि भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे - जैसे आधार, यूपीआई, डिजिलॉकर, ओएनडीसी और इंडिया स्टैक - ने जनसंख्या के स्तर पर मंच तैयार किए हैं।

उन्होंने कहा, ''अगला अवसर एआई, इंजीनियरिंग, एनालिटिक्स, उत्पाद विकास, सेमीकंडक्टर्स और इलेक्ट्रॉनिक्स में उच्च-मूल्य वाले व्यवसायों का निर्माण करना है, जिसमें भारत के वैश्विक क्षमता केंद्र तेजी से वैश्विक नवाचार केंद्र बन रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि गिफ्ट सिटी वैश्विक पूंजी को भारतीय अवसरों से जोड़ने वाले एक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्र के रूप में उभर रही है।

सीतारमण अमेरिका की छह दिवसीय यात्रा पर हैं और उनका उत्तरी कैरोलिना के एशविले में जी-20 वित्त मंत्रियों की बैठक में भाग लेने और न्यूयॉर्क जाने का कार्यक्रम है।

टेमासेक ने एयर इंडिया में सिंगापुर एयरलाइंस के निवेश का समर्थन किया

नई दिल्ली, (भाषा)।

टेमासेक कंपनी ने एयर इंडिया में सिंगापुर एयरलाइंस के निवेश का समर्थन किया है और कहा कि भारतीय एयरलाइन में बड़े स्तर पर बदलाव की प्रक्रिया में परिचालन तथा एकीकरण संबंधी चुनौतियां शामिल हैं, जिनमें कई साल लग सकते है।

सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) में हिस्सेदारी रखने वाली सिंगापुर की सरकारी निवेश कंपनी टेमासेक ने यह बयान ऐसे समय में दिया, जब कुछ हलकों ने घाटे में चल रही एयर इंडिया में एयरलाइन के निवेश को लेकर चिंता जताई गई थी। सिंगापुर एयरलाइंस की एयर इंडिया में 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी है। शेष हिस्सेदारी टाटा संस के पास है, जिसने जनवरी 2022 में सरकार से भारतीय विमानन कंपनी का अधिग्रहण किया था।

टेमासेक ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि एसआईए ने सिंगापुर से बाहर दीर्घकालिक वृद्धि सुनिश्चित करने के मकसद से दूसरा विमानन केंद्र विकसित करने में निवेश करने का लक्ष्य रखा है।

कंपनी ने कहा, ''अमेरिका और चीन के बाद भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा विमानन क्षेत्र है और दूसरे विमानन केंद्र बनने के लिए यह उपयुक्त है। सिंगापुर एयरलाइंस लंबे समय से भारतीय बाजार में मौजूद है। इसमें 2013 से विस्तारा के जरिये परिचालन मौजूदगी भी शामिल है। एयर इंडिया में उसका निवेश भारत की विमानन क्षेत्र की वृद्धि में उसकी भागीदारी को और मजबूत करने का अवसर देता है।''

सिंगापुर के सांसद केनेथ टियोंग बून कियाट ने इस सप्ताह की शुरुआत में सोशल मीडिया पर एक खबर का हवाला देते हुए सिंगापुर एयरलाइंस द्वारा एयर इंडिया में और निवेश किए जाने को लेकर चिंता जताई थी। सिंगापुर एयरलाइंस समूह का शुद्ध लाभ मार्च 2026 को समाप्त वित्त वर्ष में 57 प्रतिशत घटकर 1.184 अरब सिंगापुर डॉलर (करीब 8,900 करोड़ रुपये) रह गया है। इसकी मुख्य वजह पिछले वित्त वर्ष में विस्तारा के विलय से संबंधित एकमुश्त लेखांकन लाभ का नहीं होना और एयर इंडिया का घाटा रहा।

एयर इंडिया का घाटा वित्त वर्ष 2025-26 में 3.56 अरब सिंगापुर डॉलर (26,700 करोड़ रुपये से अधिक) रहा है। इस दौरान कंपनी को हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंधों और अन्य चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

वित्त मंत्रालय 12 अक्टूबर से शुरू करेगा बजट 2027-28 की तैयारी

नई दिल्ली, (भाषा)।

वित्त मंत्रालय बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और खाद्य एवं ईंधन की ऊंची कीमतों के बीच 12 अक्टूबर से वित्त वर्ष 2027-28 के केंद्रीय बजट की तैयारी शुरू करेगा।

अगले वित्त वर्ष के बजट में आर्थिक वृद्धि तेज करने के लिए सुधारों को आगे बढ़ाने और रोजगार सृजन तथा घरेलू मांग बढ़ाने के उपायों पर ध्यान दिए जाने की उम्मीद है।

आर्थिक मामलों के विभाग की ओर से जारी बजट परिपत्र 2027-28 में कहा गया है, ''व्यय सचिव की अध्यक्षता में बजट-पूर्व बैठकें 12 अक्टूबर, 2026 से शुरू होंगी।

वित्तीय सलाहकार यह सुनिश्चित करेंगे कि छह अक्टूबर, 2026 तक या उससे पहले केंद्रीय बजट सूचना प्रणाली (यूबीआईएस) में जरूरी जानकारियां सही तरीके से दर्ज कर दी जाएं।''

बजट पूर्व बैठकें नवंबर 2026 के मध्य तक जारी रहेंगी। परिपत्र में कहा गया है कि निर्धारित प्रारूप में आंकड़ों की प्रतियां भी सत्यापन के लिए जमा करनी होंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल वाली सरकार का यह चौथा बजट है और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का लगातार 10वां बजट होगा।

परिपत्र में कहा गया कि बजट-पूर्व बैठकों के पूरा होने के बाद 2027-28 के बजट अनुमान और 2026-27 के संशोधित अनुमान को अस्थायी रूप से अंतिम रूप दिया जाएगा।

परिपत्र में कहा गया कि बजट-पूर्व बैठकों में विस्तृत चर्चा के बाद मंत्रालयों और विभागों को प्रारंभिक व्यय सीमा की जानकारी दी जाएगी। सरकार की व्यय प्राथमिकताओं और राजस्व अनुमान को ध्यान में रखते हुए अंतिम व्यय सीमा मंत्रालय द्वारा तय की जाएगी।

डीआरआई ने बेंगलुरु, पुणे से 18 किलोग्राम नशीली दवाएं जब्त कीं

नई दिल्ली, (भाषा)।

वित्त मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि राजस्व खुफिया महानिदेशालय (डीआरआई) ने कृत्रिम नशीली दवाओं के खिलाफअपनी कार्रवाई तेज करते हुए दो अभियानों में

लगभग 18 किलोग्राम एम्फैटेमिन और एमडीएमए जब्त किया और चार लोगों को गिरफ्तार किया है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 25 अगस्त को खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए दो अभियानों में डीआरआई ने बेंगलुरु में लगभग 14.9 किलोग्राम एम्फैटेमिन और पुणे में लगभग 2.53 किलोग्राम एम्फैटेमिन के साथ 878 ग्राम एमडीएमए की गोलियां जब्त कीं, जिनका कुल वजन 18 किलोग्राम से अधिक है।

खुफिया सूचना पर आधारित एक अभियान में, डीआरआई के अधिकारियों ने केएसआर बेंगलुरु रेलवे स्टेशन पर एक भारतीय महिला यात्री को रोका, जो नयी दिल्ली से बेंगलुरु के लिए रेल से यात्रा कर रही थी और उसके पास बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित सामग्री होने का संदेह था।

उसके सामान की जांच करने पर क्रिस्टलीय पदार्थ वाले सात पैकेट बरामद हुए, जिनका वजन लगभग 14.9 किलोग्राम था। इसमें एम्फैटेमिन की मौजूदगी का पता चला। एक अन्य खुफिया अभियान में, डीआरआई ने पुणे जंक्शन स्टेशन पर एक अन्य भारतीय महिला यात्री को रोका, जो हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन, दिल्ली से रेल से यात्रा कर रही थी। उसके सामान की जांच करने पर नशीले पदार्थ पाए गए और महिला यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया।

त्योहारी मांग से अधिकांश तेल-तिलहन कीमतों में सुधार

नई दिल्ली, (भाषा)।

त्योहारी मांग में आई तेजी के बीच देश में शनिवार को सरसों एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल कीमतों में सुधार आया। ऊंचे दाम पर सुस्त कामकाज के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर बने रहे।

बाजार सूत्रों ने कहा कि त्योहारी मांग बढ़ने से ज्यादातर तेल-तिलहनों में मजबूती का रुख था। नीचे दाम पर किसानों की कम बिकवाली की वजह से बाजार में आवक कम रहने के कारण सरसों तेल-तिलहन के दाम में सुधार आया। जब तिलहन के दाम ऊंचे हैं तो तेल के भी दाम ऊंचे रहेंगे। उन्होंने कहा कि सोयाबीन के तेल-रहित खल (डीओसी) की स्थानीय मांग अच्छी है और बाजार में सोयाबीन की उपलब्धता भी कम है। इस कारण सोयाबीन तेल-तिलहन में भी सुधार आया।

मलेशिया एक्सचेंज शुक्रवार को मजबूत बंद होने के बीच शनिवार को पाम-पामोलीन तेल में भी मजबूती रही।ब्रांडेड कंपनियों की मांग होने से बिनौला तेल में भी सुधार दिखा। मूंगफली का स्टॉक सहकारी संस्था नाफेड के पास है। मूंगफली की घट-बढ़ नाफेड की बिकवाली करने या नहीं करने पर निर्भर करेगी। सुस्त कामकाज के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे।

तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे..

सरसों तिलहन - 8,300-8,350 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली - 7,350-7,925 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 17,000 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली रिफाइंड तेल - 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन।

सरसों तेल दादरी- 16,800 रुपये प्रति क्विंटल।

सरसों पक्की घानी- 2,735-2,835 रुपये प्रति टिन।

सरसों कच्ची घानी- 2,735-2,885 रुपये प्रति टिन।

सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 15,750 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 15,550 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 12,050 रुपये प्रति क्विंटल।

सीपीओ एक्स-कांडला- 13,950 रुपये प्रति क्विंटल।

बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 16,900 रुपये प्रति क्विंटल।

पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 15,850 रुपये प्रति क्विंटल।

पामोलिन एक्स- कांडला- 14,600 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल।

सोयाबीन दाना - 6,675-6,725 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन लूज- 6,525-6,625 रुपये प्रति क्विंटल।

एफ. एस. एस. ए. आई ने एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स, लालजी गोधू के हींग पाउडर बिक्री पर रोक लगाई..

नई दिल्ली, (भाषा)।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने मानकों के उल्लंघन पाए जाने के बाद एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और लालजी गोधू एंड कंपनी के हींग पाउडर बेचने पर रोक लगा दी है।

नियामक ने शनिवार को यह जानकारी दी। खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स और लालजी गोधू एंड कंपनी के हींग पाउडर उत्पाद घटिया गुणवत्ता के पाए गए थे। इसके बाद इनकी हींग पाउडर बिक्री पर रोक लगाने के आदेश जारी किए हैं। एफएसएसएआई ने एवरेस्ट के मामले में हींग पाउडर की सभी किस्मों की बिक्री तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दी है।

नियामक ने कहा, ''प्राथमिक खाद्य प्रयोगशाला के खाद्य विश्लेषक द्वारा हींग पाउडर (मिश्रित हींग) के नमूनों को मानकों के अनुरूप नहीं पाया और गलत ब्रांडिंग पाई गई।'' एफएसएसएआई ने कहा कि ये उत्पाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक विनियम, 2011 के प्रावधानों का उल्लंघन करते पाए गए। इनमें अल्कोहल में घुलनशील अर्क की मात्रा निर्धारित मानक कम से कम पांच प्रतिशत के मुकाबले शून्य प्रतिशत थी।

नियामक ने कहा, ''पीली हींग पाउडर (मिश्रित हींग) और काली हींग पाउडर (मिश्रित हींग) के नमूने भी मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। इनमें अल्कोहल में घुलनशील अर्क क्रमशः 3.29 प्रतिशत और 4.4 प्रतिशत पाया गया।'' नियामक ने चेतावनी दी है कि खामियों को दूर नहीं करने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। एफएसएसएआई ने कहा कि लालजी गोधू को भी हींग पाउडर बेचने से रोक दिया गया है। नियामक ने कहा, ''मिश्रित हींग (पाउडर और टुकड़े) के नमूने निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरे। ये नमूने गलत ब्रांडिंग वाले और घटिया गुणवत्ता के भी पाए गए।''

एफएसएसएआई ने कहा कि मिश्रित हींग बनाने में इस्तेमाल की जाने वाली कच्ची हींग की किस्मों में अधिक मात्रा में स्टार्च पाया गया।

अदालत की फटकार के बाद एफडीए ने वापस लिया सिप्ला के दवा बिक्री लाइसेंस को रद्द करने का आदेश

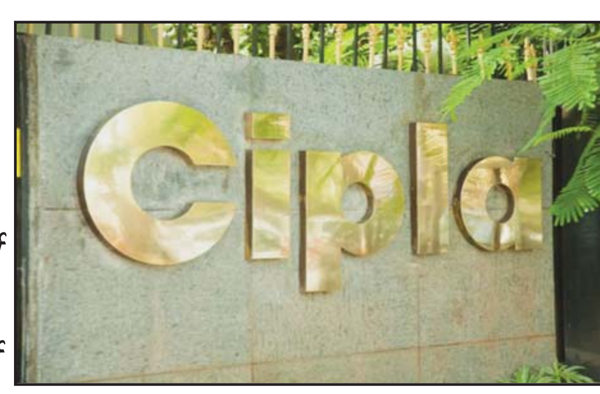

मुंबई, (भाषा)।

बंबई उच्च न्यायालय की फटकार के बाद महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने सिप्ला फार्मा एंड लाइफसाइंसेज लिमिटेड की पुणे स्थित कैरी एंड फॉरवर्डिंग इकाई का दवा

बिक्री लाइसेंस निरस्त करने का आदेश शनिवार को वापस ले लिया। अदालत ने नियामक से कहा कि उसने मामले में हद पार कर दी और मनमाने तरीके से कार्रवाई की।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ ने कहा कि एफडीए की कार्रवाई ''प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों'' के खिलाफहै।

एफडीए ने कहा कि वह लाइसेंस रद्द करने का आदेश तत्काल वापस लेगा और कंपनी को नया कारण बताओ नोटिस जारी करेगा। इसके बाद मामले में कारणों सहित नया आदेश पारित किया जाएगा।

नियामक ने पुणे के वाडकी स्थित सिप्ला फार्मा एंड लाइफ साइंसेज लिमिटेड की दवाओं के भंडारण एवं वितरण सुविधा का दवा बिक्री लाइसेंस 27 अगस्त से रद्द कर दिया था। यह कार्रवाई 'रिएक्टिन प्लस' टैबलेट की पैकेजिंग, भंडारण और वापसी से जुड़ी गंभीर अनियमितताओं के आरोपों के संबंध में की गई थी।

सिप्ला फार्मा एंड लाइफसाइंसेज ने शुक्रवार शाम कहा था कि उसने इस कार्रवाई को अदालत में चुनौती दी है। कंपनी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता आबाद पोंडा ने शनिवार को पीठ को बताया कि एफडीए ने 26 अगस्त को विभाग के समक्ष सुनवाई के लिए कंपनी को प्रतिनिधि भेजने का निर्देश ईमेल के जरिये दिया था। उन्होंने कहा कि 26 अगस्त सार्वजनिक अवकाश था।

पोंडा ने कहा, ''उस दिन कंपनी का कोई प्रतिनिधि उपलब्ध नहीं था और उसने सुनवाई स्थगित करने का अनुरोध किया था। हालांकि, एफडीए ने सुनवाई का अवसर दिए बिना उसी दिन आदेश पारित कर दिया।''

एफडीए की ओर से पेश अतिरिक्त सरकारी अधिवक्ता पी. पी. काकड़े ने कहा कि कानून कंपनी को सुनवाई का अधिकार नहीं देता। इस पर पीठ ने सवाल किया कि विभाग ने दवा कंपनी को ईमेल भेजकर सुनवाई के लिए प्रतिनिधि भेजने को क्यों कहा, वह भी राज्य सरकार द्वारा घोषित सार्वजनिक अवकाश के दिन।

उच्च न्यायालय ने कहा, ''आप (एफडीए) सराहनीय और प्रशंसनीय काम कर रहे हैं, लेकिन अब आप हद से आगे जा रहे हैं। ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। आपसे गलती हुई है और अब आपको इस मुद्दे का समाधान करना होगा।''

सुश्रुत वात क्लिनिक
डॉ. आकाश अनिल शेंडे
बी.ए.एम.एस. (नाशिक)
वात रोग तज्ञ
जनरल फिजिशियन
Regi L - 114791-A
कमर दर्द, सायटिका, आमवात, अस्थीवात, गठियावात, लकवा, नसों का दर्द (मोंदरा) एवं कमर गैप आदि वात रोगों का उपचार..
पता - भिलाई रोड, भारती लॉन के सामने, लांजी मो. 8637707202

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

सर्वे भवन्तु सुखिनः और विश्व कल्याण की भावना से 30 दिवसीय अखंड रामायण पाठ, रक्तदान शिविर संपन्न..

दुलापुर में मेरा गाँव, मेरा परिवार से विकास का दिया संदेश..

जगप्रेरणा लांजी।

लांजी-किरनापुर क्षेत्र के ग्रामीण एवं वनांचल अंचलों में भारतीय संस्कृति, धर्म, संस्कार और सेवा की अलख जगाने वाला '30 दिवस-30 गांव अखण्ड श्रीरामचरित मानस

पाठ एवं विविध सेवा-संस्कार अभियान' अपनी व्यापक गतिविधियों के साथ एक प्रेरणादायी पहल के रूप में सामने आया। 30 गांवों में आयोजित इस अभियान में अखण्ड रामचरितमानस पाठ, नगर संकीर्तन, सद्ग्रंथ पूजन, मंदिरों में धर्म ध्वज स्थापना, शिव जाप, अखण्ड ज्योति के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, रक्तदान, योग, पौधारोपण, नशामुक्ति और पर्यावरण संरक्षण जैसे अनेक जनसेवा कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अभियान के समापन अवसर पर ग्राम दुल्हापुर में यजमान सम्मान समारोह आयोजित किया गया। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। 30 गांवों के यजमानों का सम्मान कर उनके धार्मिक, सामाजिक एवं सेवा कार्यों में योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया। अतिथियों एवं यजमानों ने भगवान श्रीराम का स्मरण करते हुए समाज में प्रेम, सद्भाव, सेवा, संस्कार और एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया।

गांव-गांव गूंजा श्रीराम का नाम..

अभियान के दौरान निकली नगर संकीर्तन एवं राम यात्रा गांव-गांव पहुंची। भजन-कीर्तन और श्रीराम के जयघोष से ग्रामीण अंचल भक्तिमय हो उठा। ग्रामीणों ने यात्रा का स्वागत आरती एवं पुष्पवर्षा से किया। इसके साथ ही गांवों में सद्ग्रंथों का पूजन और मंदिरों में धर्म ध्वज स्थापना कर सनातन परंपरा, धार्मिक चेतना और सामाजिक एकता का संदेश दिया गया।

लांजी के कोटेश्वर महादेव मंदिर में 30 दिवस तक सामूहिक शिव जाप किया गया। 'ॐ नमः शिवाय' के जाप से मंदिर परिसर शिवमय बना रहा। वहीं 30 दिनों तक अखण्ड ज्योति कलश प्रज्वलित रहा, जो श्रद्धालुओं के लिए आस्था, ज्ञान, संस्कार और सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र बना रहा।

स्वास्थ्य सेवा में भी बना बड़ा अभियान

अभियान को केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित न रखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा गया। विभिन्न गांवों में आयोजित स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविरों में लगभग 5 हजार लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई, जबकि लगभग 900 लोगों में मोतियाबिंद की संभावना चिन्हित कर उन्हें आगे उपचार के लिए मार्गदर्शन दिया गया। चिकित्सकों एवं चिकित्सा टीम द्वारा ग्रामीणों को जांच, परामर्श और आवश्यक दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

99 यूनिट रक्तदान से दिया जीवनदान का संदेश..

देवरबेली, मोहझरी और दुल्हापुर में आयोजित रक्तदान शिविरों में युवाओं एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। देवरबेली में 6, मोहझरी में 52 और दुल्हापुर में 41 यूनिट, कुल 99 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। रक्तदान के माध्यम से ग्रामीण अंचल में मानव सेवा और जरूरतमंदों की मदद का संदेश दिया गया।

30 गांवों में 750 पौधे, पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

पर्यावरण संरक्षण को अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया। 30 गांवों में 750 पौधे लगाए गए तथा उनके संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प लिया गया। ग्रामीणों को सिंगल यूज प्लास्टिक से बचने, स्वच्छता अपनाने और प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही नशामुक्ति अभियान के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल, योग और रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ने का संदेश दिया गया।

योग से स्वस्थ जीवन का संदेश..

30 गांवों में आयोजित योग शिविरों में बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने सहभागिता की। योगासन, प्राणायाम, ध्यान और श्वसन अभ्यास के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। नियमित योग, संतुलित दिनचर्या, पर्याप्त विश्राम और सकारात्मक सोच को स्वस्थ जीवन का आधार बताया गया।

7 दिव्यांगजनों को मिलेगा कृत्रिम हाथ-पैर का संबल..

सेवा अभियान के अंतर्गत 7 जरूरतमंद दिव्यांगजनों को कृत्रिम हाथ-पैर उपलब्ध कराने की पहल भी की गई। इसका उद्देश्य लाभार्थियों को दैनिक जीवन में अधिक आत्मनिर्भर बनाने तथा उनके आत्मविश्वास को मजबूत करना है। विशेषज्ञों द्वारा आवश्यक माप, जांच और कृत्रिम अंग के उपयोग संबंधी मार्गदर्शन की व्यवस्था की गई।

बच्चों की प्रस्तुतियों ने दिया संस्कार और जागरूकता का संदेश..

मुंडेसरा, बोरगांव, टेडवा, कुम्हारीकला और दुल्हापुर सहित विभिन्न गांवों के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से शिक्षा, संस्कार, धर्म, नशामुक्ति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। भगवान श्रीराम के आदर्शों, अनुशासन, सेवा, सत्य और सद्भाव पर आधारित प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। बच्चों की प्रतिभा और आत्मविश्वास ने कार्यक्रम को मनोरंजन के साथ-साथ शिक्षाप्रद एवं प्रेरणादायी बनाया।

30 गांव बने अभियान के सहभागी..

इस अभियान में देवरबेली, अमेड़ापा, थानेगांव, सुलसुली, घोटी, नेवरवाही, कोसमारा, पीपलगांव कला, टेमनी, मोहारा, बोरगांव, पलेहरा, किन्हीं, मुंडेसरा, बिनोरा, कोंकना, कान्द्रीकला, सावरीकला, देवलगांव, कारंजा, साडरा, कुम्हारीकला, पालडोंगरी, बड़गांव म, बहेला, सावरीखुर्द, मोहझरी, टेडवा, भीमोडी और दुल्हापुर सहित 30 गांवों ने सहभागिता की। वक्ताओं ने कहा कि किसी धार्मिक आयोजन की सार्थकता तभी बढ़ती है, जब उसके साथ सेवा, शिक्षा, संस्कार और सामाजिक जागरूकता जुड़ती है। '30 दिवस-30 गांव' अभियान ने इसी विचार को साकार करते हुए रामचरितमानस के आदर्शों को ग्रामीण जीवन से जोड़ने का प्रयास किया।

सेवाभावी जनों का जताया आभार..

आयोजन की सफलता के लिए ग्रामवासियों, यजमानों, भक्तगणों, सेवाभावी दीदियों, आचार्य एवं विद्वान पंडितों, भजन मंडलियों, ग्राम समितियों, चिकित्सक दल, वाहन चालकों, भोजन एवं महाप्रसाद सेवा में जुटी टीम तथा प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी सेवाभावी जनों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

किरनापुर को नगर पंचायत बनाने की मांग, ग्रामीणों ने प्रदेश सरकार से जताई बड़ी उम्मीद..

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी किरनापुर को नगर पंचायत बनाने की थी घोषणा..

जगप्रेरणा किरनापुर।

विकास की दौड़ में लगातार आगे बढ़ रहे किरनापुर क्षेत्र को नगर पंचायत का दर्जा दिए जाने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। क्षेत्र की बढ़ती जनसंख्या, व्यापारिक विस्तार और प्रशासनिक आवश्यकताओं को देखते हुए स्थानीय ग्रामीणों व समाजसेवियों ने मध्य प्रदेश सरकार से इसे शीघ्र नगर पंचायत घोषित करने की उम्मीद जताई है।

बढ़ता दायरा और नागरिक सुविधाएं

ग्राम पंचायत किरनापुर वर्तमान में क्षेत्र का मुख्य व्यापारिक व प्रशासनिक केंद्र बन चुका है। आसपास के दर्जनों गांवों के ग्रामीण दैनिक जरूरतों, स्वास्थ्य, शिक्षा और व्यापार के लिए किरनापुर पर ही निर्भर हैं। **आबादी में वृद्धि:** बीते वर्षों में किरनापुर की जनसंख्या का विस्तार तेजी से हुआ है।

संसाधनों की जरूरत: ग्राम पंचायत स्तर पर मिलने वाला बजट क्षेत्र की बुनियादी जरूरतों, जैसे- बेहतर सड़कें, नाली निर्माण, कचरा प्रबंधन और स्ट्रीट लाइट जैसी सुविधाओं के लिए नाकाफी साबित हो रहा है।

नगर पंचायत बनने से होंगे यह बड़े फायदे..

ग्रामीणों का मानना है कि किरनापुर के नगर पंचायत बनने से क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी। **प्रशासनिक बजट में बढ़ोतरी:** विकास कार्यों के लिए शासन स्तर से अधिक फंड स्वीकृत होगा। **सुव्यवस्थित बुनियादी ढांचा:** पक्की सड़कें, आधुनिक जल निकासी प्रणाली और बेहतर सफाई व्यवस्था संभव हो सकेगी। **रोजगार व व्यापार में वृद्धि:** सुनियोजित विकास से नए व्यावसायिक अवसर पैदा होंगे।

जनता की अपील..

स्थानीय निवासियों का कहना है कि किरनापुर हर उस मानक को पूरा करता है जो एक नगर पंचायत के लिए आवश्यक है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए किरनापुर को नगर पंचायत बनाने की अधिसूचना जल्द से जल्द जारी की जाए।

ब्रह्मकुमारी बहनों ने विधायक करहि को बांधा रक्षा सूत्र..

पूर्व विधायक रमेश भटेरे, हीना कावरे व नपा अध्यक्ष को भी बांधी राखी..

जगप्रेरणा लांजी।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के लांजी सेवाकेंद्र में रक्षाबंधन का पर्व श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

शासकीय अस्पताल के पीछे ऐरीगेशन ऑफिस रोड स्थित सेवाकेंद्र में आयोजित कार्यक्रम में भाई-बहनों ने रक्षाबंधन के आध्यात्मिक महत्व को समझते हुए पवित्रता और सद्विचारों का संकल्प लिया। सेवा केंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी कल्याणी बहनजी ने उपस्थित भाइयों को परमात्म रक्षासूत्र बांधते हुए जीवन को सदा पवित्रता के बंधन में बांधने तथा बुराइयों से दूर रहने का संकल्प कराया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल एक-दूसरे की रक्षा का पर्व नहीं, बल्कि मन, वचन और कर्म को पवित्र बनाने तथा जीवन में सकारात्मकता अपनाने का संदेश भी देता है। इस अवसर पर विधायक राजकुमार करहि, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रेखा कालबेले, पूर्व विधायक रमेश भटेरे के निवास बोलेगांव, पूर्व विधायक सुश्री हिना कावरे के निवास सोनपुरी किरनापुर पहुंचकर उन्हें रक्षासूत्र बांधा। इसी तरह पुलिस थाना लांजी पहुंचकर उपनिरीक्षक विधि पांडे सहित पुलिस स्टाफको भी परमात्म रक्षासूत्र बांधा गया। सभी को सदैव शुभ एवं सकारात्मक विचार रखने और समाज में सद्भावना का वातावरण बनाए रखने का संकल्प कराया गया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी कल्याणी बहनजी के साथ सुनीता महोबिया, रीता चोरवाड़े, सरिता चोरवाड़े, नत्थूलाल घरते, यादोराव मोरघड़े सहित सेवाकेंद्र से जुड़े भाई-बहन उपस्थित रहे।

स्कॉर्पियो को पीछे से मोटर साइकिल चालक ने मारी टक्कर, बाइक सवार 3 लोग गंभीर रूप से घायल..

जगप्रेरणा लांजी।

क्षेत्र के ग्राम कुलपा में शनिवार 29 अगस्त को दोपहर करीब 12.30 बजे तेज रफ्तार बाइक ने आगे चल रही स्कॉर्पियो वाहन को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी

जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीन लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्कॉर्पियो वाहन क्रमांक सीजी 10 एन 7953 आमगांव की ओर से लांजी की तरफ आ रहा था। इसी दौरान ग्राम कुलपा में बाघ नदी के पुल के पहले पीछे से तेज रफ्तार में आ रही बाइक क्रमांक एमपी 50 जेडई 1745 ने स्कॉर्पियो को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार सुकराम पिता किसन मेश्राम, दिनेश पिता शिवशंकर सिंदराम एवं लखन पिता धनसिंग नाईक गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल घायलों की मदद की और उन्हें उपचार के लिए उसी स्कॉर्पियो वाहन से केटीएस अस्पताल गोंदिया पहुंचाया गया। अस्पताल में घायलों का उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि सुकराम मेश्राम के सिर में गंभीर चोट लगी है और अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए उन्हें नागपुर रेफर किया है। हादसे में बाइक और स्कॉर्पियो वाहन को भी नुकसान पहुंचा है। घटना की जानकारी मिलते ही घायलों के परिजन अस्पताल पहुंचे और मामले की जानकारी जुटाई। प्रथम दृष्टया दुर्घटना का कारण बाइक की तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना बताया जा रहा है। घटना को लेकर संबंधित स्तर पर जानकारी जुटाई जा रही है।

रक्षाबंधन पर बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधी स्नेह की डोर

जगप्रेरणा किरनापुर।

भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का पावन पर्व रक्षाबंधन क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु की मंगलकामना की। वहीं भाइयों ने भी अपनी बहनों की रक्षा का संकल्प लेते हुए उन्हें उपहार भेंट किए। सुबह से ही घरों में उत्साह का माहौल रहा।

बहनों ने पूजा-अर्चना कर भाइयों का तिलक किया और आरती उतारने के बाद कलाई पर रंग-बिरंगी राखियां बांधीं तथा एक दूसरे को मिठाइयां खिलाए। भाई-बहन के बीच प्रेम और भावनाओं का यह पर्व पारिवारिक रिश्तों को और मजबूत करता नजर आया। उल्लेखनीय है कि रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि भाई-बहन के बीच अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह के रिश्ते को और मजबूत करने का प्रतीक है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर पाली एकेडमी में मेजर ध्यानचंद का किया पुण्य स्मरण..

जगप्रेरणा लांजी।

स्थानीय शिक्षण संस्थान पाली अकादमी संस्थान, बिसोनी में 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस अत्यंत हर्षोल्लास और खेल भावना के साथ मनाया गया। यह विशेष आयोजन हॉकी के महान जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में नर्सरी से लेकर कक्षा 10वीं तक के छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों द्वारा मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर विद्यालय की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल न केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, बल्कि हमारे भीतर अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करते हैं। उन्होंने मेजर ध्यानचंद के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

संस्थान के प्रबंधक संजय चौरे ने अपने उद्बोधन में कहा कि पाली अकादमी संस्थान बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद भी छात्र जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि विद्यालय प्रशासन भविष्य में भी खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए हर संभव सुविधाएं उपलब्ध कराता रहेगा। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती श्रद्धा कांड्रा ने कार्यक्रम की रूपरेखा और खेल गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि आज के डिजिटल युग में मैदानी खेलों का महत्व और बढ़ गया है। उन्होंने बच्चों को हर दिन किसी न किसी खेल गतिविधि से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर विद्यालय में नर्सरी से कक्षा 10वीं तक के छात्र-छात्राओं के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। इस पूरे भव्य आयोजन को सफल बनाने में समस्त विद्यालयीन शिक्षक-शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा। सभी शिक्षकों ने न केवल खेल प्रतियोगिताओं का कुशल संचालन किया, बल्कि मैदान पर उपस्थित रहकर बच्चों का उत्साहवर्धन भी किया।

मंडला जिले में हिन्दी दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

हेमंत नायक
मो. 88273 19933

जग प्रेरणा live मंडला नैनपुर

● बिछिया ● बीजाडांडी ● घुघरी ● मवई ● मोहगांव ● नारायणगंज ● निवास

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

पेंचवेली एक्सप्रेस मंडला से चलाने मांग तेज, जनप्रतिनिधि बेखबर..

प्लेटफॉर्म तैयार, सफाई शुरू, पानी की व्यवस्था के निर्देश फिर भी मंडला को सीधी ट्रेन का इंतजार..

जगप्रेरणा मंडला।
मंडला जिले के रेल यात्रियों को इंदौर से सीधी रेल कनेक्टिविटी देने वाली पेंचवेली एक्सप्रेस को मंडला फोर्ट से प्रारंभ करने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। स्थानीय रेल कार्यकर्ताओं और यात्रियों का कहना है कि इस मांग को उठे एक वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन मंडला से ट्रेन का नियमित संचालन शुरू कराने को लेकर अब तक कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आया है।

मंडला के रेल यात्रियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मंडला फोर्ट रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म विस्तार का कार्य पूरा हो चुका है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की ओर से भी प्लेटफॉर्म विस्तार पूरा होने की जानकारी दी जा चुकी है। वहीं स्टेशन पर साफ-सफाई की व्यवस्था भी शुरू हो गई है और पानी की व्यवस्था को लेकर रेलवे की ओर से निर्देश जारी किए जाने की बात सामने आई है। ऐसे में अब यात्रियों का सवाल और भी गंभीर हो गया है कि जब स्टेशन को ट्रेन संचालन के लिए तैयार किया जा रहा है, तो पेंचवेली एक्सप्रेस को मंडला से शुरू करने में आखिर अड़चन क्या है?

मंडला तक आती है ट्रेन, फिर यहीं से शुरुआत क्यों नहीं?

वर्तमान व्यवस्था के अनुसार पेंचवेली एक्सप्रेस शाम के समय नैनपुर से इंदौर के लिए रवाना होती है और सुबह इंदौर से वापस नैनपुर पहुंचती है। इसके बाद ट्रेन को आराम एवं ठहराव के लिए मंडला फोर्ट तक लाया जाता है। यही व्यवस्था अब रेल यात्रियों के बीच सबसे बड़ा सवाल खड़ा कर रही है। जब पेंचवेली एक्सप्रेस मंडला फोर्ट तक आती है और यहां ठहरती है, तो इसका नियमित संचालन मंडला फोर्ट से ही क्यों नहीं किया जा सकता?

यदि ट्रेन मंडला से प्रारंभ होती है, तो मंडला के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों और जिले के हजारों यात्रियों को भी इंदौर के लिए सीधी दैनिक रेल सुविधा मिल सकती है।

एक साल से उठ रही मांग, फिर भी ठोस पहल का इंतजार..

स्थानीय रेल कार्यकर्ताओं का कहना है कि मंडला से पेंचवेली एक्सप्रेस शुरू करने की मांग लंबे समय से रेलवे के समक्ष रखी जा रही है। यात्रियों की सुविधा, मंडला की भौगोलिक स्थिति और इंदौर से सीधी रेल कनेक्टिविटी की आवश्यकता को देखते हुए यह मांग लगातार उठाई जा रही है। इसके बावजूद अभी तक ऐसा कोई स्पष्ट निर्णय सामने नहीं आया है, जिससे यात्रियों को यह भरोसा हो सके कि पेंचवेली एक्सप्रेस जल्द ही मंडला फोर्ट से चलने लगेगी।

जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर उठ रहे सवाल..

मंडला में रेल सुविधाओं के विस्तार की मांग नई नहीं है। जिले के लोग लंबे समय से बेहतर रेल कनेक्टिविटी की उम्मीद लगाए बैठे हैं। ऐसे में पेंचवेली एक्सप्रेस को मंडला से शुरू करने की मांग पर अब जनप्रतिनिधियों की भूमिका और सक्रियता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब रेलवे से जुड़ी बुनियादी तैयारियां आगे बढ़ रही हैं और ट्रेन मंडला फोर्ट तक पहुंच रही है, तब इस मुद्दे को रेलवे बोर्ड एवं संबंधित रेलवे अधिकारियों के समक्ष मजबूती से उठाकर ठोस निर्णय कराने की आवश्यकता है। जनता का कहना है कि केवल मांग और आश्वासन से काम नहीं चलेगा। मंडला से पेंचवेली एक्सप्रेस शुरू कराने के लिए रेलवे के उच्च अधिकारियों के सामने प्रस्ताव रखकर समयबद्ध पहल की जानी चाहिए।

मंडला की सीधी मांग—नैनपुर नहीं, मंडला फोर्ट से चले पेंचवेली

रेल यात्रियों की मांग स्पष्ट है कि पेंचवेली एक्सप्रेस को नैनपुर के बजाय मंडला फोर्ट से प्रारंभ किया जाए, ताकि मंडला सहित आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को इंदौर के लिए सीधी और नियमित रेल सुविधा मिल सके। प्लेटफॉर्म तैयार है। सफाई शुरू है। पानी की व्यवस्था के निर्देश हैं। ट्रेन मंडला तक आती है। फिर फैसला क्यों नहीं? अब सवाल सिर्फरेल यात्रियों का नहीं, बल्कि पूरे मंडला जिले का है।

मंडला पूछ रहा है—आखिर पेंचवेली एक्सप्रेस को मंडला से कौन रोक रहा है?

यदि रेलवे स्तर पर कोई तकनीकी, परिचालन या प्रशासनिक बाधा है तो उसे भी सार्वजनिक किया जाना चाहिए। और यदि ऐसी कोई बड़ी बाधा नहीं है, तो मंडला से पेंचवेली एक्सप्रेस शुरू करने का निर्णय आखिर कब होगा? मंडला की जनता अब आश्वासन नहीं, जवाब चाहती है। जनप्रतिनिधि कब सक्रिय होंगे? और मंडला को इंदौर से सीधी रेल सुविधा कब मिलेगी?

हार्रटीकुर की बदहाल सड़क बनी ग्रामीणों की मुसीबत, कीचड़ में फंसी ग्रामीणों की राह..

स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों से लेकर किसान-मजदूर तक परेशान, ग्रामीणों ने सड़क सुधार और जल निकासी की मांग की..

जगप्रेरणा मंडला/नारायणगंज।
ग्राम पंचायत गूजर सानी के अंतर्गत आने वाले हार्रटीकुर गांव में बारिश के साथ सड़क की बदहाली ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बन गई है।

कई हिस्सों में सड़कपर कीचड़ और पानी जमा होने से आवागमन मुश्किल हो गया है। इसका सबसे अधिक असर स्कूल-कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों, किसानों, मजदूरों और रोजमर्रा के काम से आने-जाने वाले ग्रामीणों पर पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार बारिश के बाद मार्ग की स्थिति इतनी खराब हो जाती है कि कई जगह पैदल निकलना भी मुश्किल हो जाता है। कीचड़ के कारण विद्यार्थियों को स्कूल पहुंचने में परेशानी होती है। वहीं किसानों को खेतों तक जाने तथा खाद, बीज और अन्य कृषि सामग्री लाने-ले जाने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

बारिश में हर साल बिगड़ते हैं हालात..

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की समस्या नई नहीं है। बारिश के मौसम में हर साल स्थिति खराब हो जाती है। सड़क पर पानी की निकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण जगह-जगह जलभराव और कीचड़ की स्थिति बनती है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते सड़क पर आवश्यक सुधार नहीं होने से समस्या बारिश के दिनों में और बढ़ जाती है।

शिक्षा और खेती पर भी पड़ रहा असर..

सड़क की बदहाली का असर केवल आवागमन तक सीमित नहीं है। विद्यार्थियों को स्कूल-कॉलेज आने-जाने में परेशानी होने के साथ किसानों के कृषि कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। मजदूरों और ग्रामीणों को रोजमर्रा के काम के लिए गांव से बाहर आने-जाने में अतिरिक्त परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क गांव की शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और रोजगार से सीधे जुड़ी बुनियादी सुविधा है।

मौके पर निरीक्षण की मांग..

ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत गूजर सानी के जनप्रतिनिधियों, पंचायत सचिव और संबंधित विभाग के अधिकारियों से सड़क की स्थिति का मौके पर निरीक्षण कराने की मांग की है। उनका कहना है कि तत्काल राहत के लिए जरूरत वाले स्थानों पर मुरम और गिट्टी डालने के साथ जल निकासी की व्यवस्था की जाए। साथ ही भविष्य में समस्या दोबारा न हो, इसके लिए सड़क के स्थायी निर्माण अथवा आवश्यक मरम्मत की कार्रवाई की जाए।

बोले ग्रामीण- आश्वासन नहीं, समाधान चाहिए..

ग्रामीणों का कहना है कि गांव के विकास का आकलन केवल योजनाओं और कागजी दावों से नहीं, बल्कि जमीनी सुविधाओं से होना चाहिए। विद्यार्थियों को सुरक्षित रास्ता, किसानों को खेत तक पहुंचने का मार्ग और आम ग्रामीणों को सुगम आवागमन उपलब्ध कराना भी विकास की प्राथमिकता है।

हार्रटीकुर के ग्रामीणों ने संबंधित जिम्मेदारों से बारिश के दौरान तत्काल राहत पहुंचाने के साथ सड़क समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है। ग्रामीणों की मांग है कि समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द स्थल निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई शुरू की जाए।

ग्राम पंचायत ऊपर टोला केहरपुर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया कजलियां पर्व..

जगप्रेरणा मंडला।
ग्राम पंचायत ऊपर टोला केहरपुर में प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी कजलियां पर्व श्रद्धा, आस्था और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

पर्व को लेकर सुबह से ही पूरे गांव में उत्साह का माहौल रहा। ग्रामीणों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि, अच्छी फसल और परिवारों की खुशहाली की कामना की। कजलियां पर्व के अवसर पर गांव में विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन किए गए। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष, युवा, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हुए। पूजा-अर्चना के पश्चात ढोल, मंजीरा और नगाड़ों की गूंज के बीच पारंपरिक शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा गांव के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी, जिसमें ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। इस दौरान पूरा गांव लोक संस्कृति के रंग में रंगा नजर आया। ग्रामीण पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए और लोकगीतों एवं पारंपरिक धुनों पर नृत्य करते हुए पर्व की खुशियां मनाईं। ढोल-मंजीरों की गूंज और ग्रामीणों के उत्साह से वातावरण भक्तिमय एवं उल्लासपूर्ण बना रहा। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

परंपरा और संस्कृति का प्रतीक है कजलियां पर्व..

ग्रामीणों के अनुसार कजलियां पर्व गांव की वर्षों पुरानी लोक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस पर्व के माध्यम से ग्रामीण अपनी संस्कृति और रीति-रिवाजों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का प्रयास करते हैं। पर्व आपसी भाईचारे, प्रेम, एकता और सामाजिक समरसता का संदेश भी देता है। पर्व के दौरान ग्रामीणों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं तथा क्षेत्र की खुशहाली और अच्छी वर्षा के साथ कृषि एवं परिवारों की समृद्धि की कामना की। आयोजन में महिलाओं की विशेष सहभागिता रही। पारंपरिक गीत-संगीत और धार्मिक वातावरण ने पूरे कार्यक्रम को और भी आकर्षक बना दिया।

कार्यक्रम के समापन पर सामूहिक पूजा-अर्चना की गई। ग्रामीणों ने गांव एवं क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की। कजलियां पर्व के सफल आयोजन में ग्राम के वरिष्ठजनों, युवाओं, महिला मंडलों और समस्त ग्रामीणों का विशेष योगदान रहा। पूरे आयोजन के दौरान केहरपुर गांव में उत्सव, श्रद्धा और लोक संस्कृति की अनूठी छटा देखने को मिली।

सांदीपनि विद्यालय निवास में हर्षोल्लास विधार्थीयों द्वारा मनाया गया रक्षाबंधन पर्व..

छात्राओं ने प्राचार्य व साथी छात्रों को बांधी राखी, भाई-बहन के स्नेह और संस्कार का दिया संदेश..

जगप्रेरणा निवास (मंडला)।
सांदीपनि मॉडल विद्यालय निवास में गुरुवार, 27 अगस्त को रक्षाबंधन पर्व उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने अपने भाई स्वरूप साथी छात्रों के साथ ही प्राचार्य श्री वेद प्रकाश अवधिया की कलाई पर राखी बांधी।

छात्राओं ने राखी बांधकर भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह का संदेश दिया। प्राचार्य श्री वेद प्रकाश अवधिया को राखी बांधने का दृश्य भावपूर्ण रहा। उन्होंने छात्राओं को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल रहा। छात्र-छात्राओं ने भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों को दर्शाने वाले इस पर्व में बढ़-चढ़कर सहभागिता की। प्राचार्य वेद प्रकाश अवधिया ने कहा कि रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि परस्पर स्नेह, सम्मान, सुरक्षा और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने वाला पर्व है। विद्यालयों में ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समारोह में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की सहभागिता रही। विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्षाबंधन पर्व को यादगार बनाया।

लिंगामाल में अखंड रामायण पाठ का आज होगा समापन, कन्या भोज व भंडारे का आयोजन..

जगप्रेरणा मंडला।
जिले के मंडला विकासखंड अंतर्गत ग्राम लिंगामाल में श्रावण माह के दौरान चल रहे अखंड रामचरित मानस पाठ का रविवार को विधिवत समापन होगा। समापन अवसर पर कन्या भोज, भंडारा एवं महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा।

ग्राम के उपसरपंच उमाशंकर झारिया ने बताया कि पूर्ववाहिनी मां नर्मदा के तट स्थित ब्रह्मलीन श्रीश्री त्यागी जी महाराज फट्टी वाले जी की जन्मस्थली मां दुर्गा मंदिर लिंगामाल में विगत कई वर्षों से श्रावण माह में अखंड रामायण पाठ की परंपरा चली आ रही है। इसी क्रम में इस वर्ष भी पूरे श्रावण माह में निरंतर रामचरित मानस का पाठ किया गया। आयोजन को सफल बनाने में मां दुर्गा सेवा समिति, मां नर्मदा महिला मंडल, नवयुवक कला मंडल सहित ग्राम की माताओं-बहनों और समस्त ग्रामवासियों का तन-मन-धन से सहयोग रहा।

रविवार को होने वाले समापन कार्यक्रम में कन्या भोज एवं भंडारा महाप्रसाद के बाद अखंड रामायण पाठ की पूर्णाहुति की जाएगी। आयोजन समिति ने संत-महात्माओं, श्रद्धालुओं, धर्मप्रेमी नागरिकों और आसपास के ग्रामों के ग्रामीणों से कार्यक्रम में पहुंचकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

रक्षाबंधन पर भी अतिथि शिक्षकों को नहीं मिला मानदेय, दो माह से आर्थिक संकट..

पी.डी. खैरवार बोले- समय पर भुगतान नहीं हुआ तो तीन दिन बाद भूख हड़ताल की चेतावनी..

जगप्रेरणा मंडला।
जिले में अतिथि शिक्षकों को पिछले दो माह से मानदेय नहीं मिलने का मामला सामने आया है। रक्षाबंधन जैसे प्रमुख त्योहार के अवसर पर भी भुगतान नहीं होने से अतिथि शिक्षकों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। अतिथि शिक्षक परिवार मंडला के जिला अध्यक्ष पी.डी. खैरवार ने शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए लंबित मानदेय का शीघ्र भुगतान किए जाने की मांग की है।

पी.डी. खैरवार ने कहा कि जिले के इक्के-दुक्के विद्यालयों को छोड़कर अधिकांश विद्यालयों में कार्यरत अतिथि शिक्षक पिछले दो माह से लगातार शिक्षण कार्य कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है। इससे अतिथि शिक्षकों और उनके परिवारों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रक्षाबंधन जैसे पर्व पर भी मानदेय नहीं मिलने से उनकी मुश्किलें और बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि अधिकांश अतिथि शिक्षक इसी आय के सहारे अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। समय पर मानदेय नहीं मिलने के कारण घर का खर्च चलाना और रोजमर्रा की आवश्यकताओं को पूरा करना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि शासन-प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को अतिथि शिक्षकों की इस परेशानी की जानकारी होने के बावजूद समस्या का समाधान क्यों नहीं किया जा रहा है।

नियमित शिक्षकों के समान काम, सुविधाओं का अभाव..

खैरवार ने आरोप लगाया कि अतिथि शिक्षकों की समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं। नियमित शिक्षकों के समान शिक्षण कार्य लेने के बावजूद उन्हें समय पर मानदेय नहीं मिलता। इसके अलावा आवश्यक सुविधाओं की कमी और भविष्य को लेकर असुरक्षा जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं को लेकर लगातार आवाज उठाई जा रही है, लेकिन शासन स्तर पर अपेक्षित गंभीरता दिखाई नहीं दे रही है।

दो माह का मानदेय शीघ्र देने की मांग..

अतिथि शिक्षक परिवार मंडला ने शासन-प्रशासन के समक्ष प्रमुख रूप से दो मांगें रखी हैं। पहली, जिले के सभी अतिथि शिक्षकों के लंबित दो माह के मानदेय का शिक्षा विभाग के आदेश की तिथि से गणना कर शीघ्र भुगतान किया जाए। दूसरी, आगामी महीनों में अतिथि शिक्षकों का मानदेय प्रत्येक माह की 5 तारीख तक उनके बैंक खातों में जमा किया जाए।

तीन दिन में भुगतान नहीं तो भूख हड़ताल..

पी.डी. खैरवार ने चेतावनी दी है कि यदि तीन दिवस के भीतर अतिथि शिक्षकों के लंबित मानदेय का भुगतान नहीं किया गया तो अतिथि शिक्षक परिवार मंडला द्वारा जिम्मेदार अधिकारियों के कार्यालय के समक्ष भूख हड़ताल शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आंदोलन के दौरान उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति की जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा ग्रामीण गोंदिया भंडारा
● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

पुलिस कर्मियों के कलाई पर राखी बांधकर प्रति वर्ष सविता पुराम दे रही बहन का स्नेह..

आमगांव-देवरी विधानसभा क्षेत्र की महिला के साथ प्रति वर्ष बांध रही राखी..

जगप्रेरणा आमगांव गणेश भदाडे।

आमगांव बहन भाई के अटुट प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन पुरे भारत में बडे उत्साह के साथ पुरे देश भर मनाया जा रहा है इस त्यौहार पर बहनें अपने भाइयों के कलाई पर राखी का धागा

बांधकर भाई के लंबे आयु एव स्वास्थ्य उदंड आयुष्य कि कामना करती है एवं उनकी कलाई इतनी मजबुत रहे की वे उनकी उनके माता-पिता एव परिवार का भार उठा सके तो बहन की रक्षा एव बहन की स्वास्थ्य उदंड आयुष्य की भाई कामना करते हैं।

इस त्यौहार पर हमारे अंतर्गत सुरक्षा हेतु जो पुलिस कर्मी आमगांव-देवरी विधानसभा क्षेत्र के आदिवासी बहुल जंगलव्याप्त संवेदनशील नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अपने कर्तव्य करते समय अतंर पार करते हुये बहन के पास पोहचना संभव नहीं होता ऐसे सालेकसा पुलिस स्टेशन सहित बिजेपार दुर क्षेत्र मुरुकोडोह एव पिपरिया देवरी पुलिस स्टेशन चिचगड पुलिस स्टेशन, मगरडोह, पिपरखारी बोडे, गणुटोला स्थलों के साथ ही आमगाव पुलिस स्टेशन मे जाकर पिछले 2010 से याने करीब 16 सालों से अपनी अंतर्गत सुरक्षा मे तैनात सैकड़ों पुलिस कर्मी को देवरी तहसील में देवरी तहसील की महिला आमगांव तहसील में आमगांव तहसील की महिला तो सालेकसा तहसील में सालेकसा तहसील के महिलाओं के सहयोग से राखी के अवसर पर पुलिस कर्मी के

कलाई पर पुरी राखी त्यौहार की परंपरा का निर्वहन करते हुये राखी बांधती है यह उपक्रम सविता पुराम के नेतृत्व में पिछले 16 सालो निरंतर सुरु है।

प्रति वर्ष सविता पुराम अपनी सभी महिलाओं के साथ आमगांव-देवरी विधानसभा क्षेत्र के सभी पुलिस स्टेशन पर कार्यरत पुलिस कर्मचारी एंव अधिकारी को राखी बांधकर एक बहन का प्रेम स्नेह देकर पुलिस कर्मी के कार्य के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करती है। समुचे महाराष्ट्र में ऐसा उदाहरण कही भी नही मिलेगा अबतक सैकड़ों भाईयों की कलाई पर राखी बांधकर सैकड़ों भाईयों को बहन का प्रेम स्नेह प्रदान कर रही है पुलिस कर्मियों के रुप में अनेक भाईओ की कलाई पर राखी बांधकर सैकड़ों पुलिस कर्मियों की बहन का प्रेम स्नेह प्रदान कर रही है निरंतर यह जारी है अपनी निरंतर व्यस्तता के बावुजुद राखी त्यौहार पर अपनी सहयोगी महिलाओं के साथ निरंतर रुप से पुलिस कर्मियों के कलाई पर राखी बांधकर राखी त्यौहार पर बहन का प्रेम स्नेह प्रदान कर रही है।

बोली सविता पुराम..

'हमारी अंतर्गत सुरक्षा कर रहे हमारे पोलिस अधिकारी कर्मचारी हमारी रात दिन सुरक्षा मे जुटे हुये होते हैं राखी के त्यौहार पर बंदोबस्त एव कर्तव्य की व्यस्तता के वजह से अपनी बहनों के पास राखी बांधने नही पोहच सकते ऐसे में इन पोलिस भाईयों के प्रति कृतज्ञता समाज के महिलाओं द्वारा व्यक्त करनें के उद्देश्य से यह उपक्रम लगातार 15 सालों से मेरी महिला बहनों के साथ कर रही हू।'

बोले जर्नादन हेगडकर..

'पुलिस अधिकारी कर्मचारी कर्तव्य पर रहते हुये अंतर की मर्यादा एव कर्तव्य से छुट्टी लेकर अपने परिवार एव बहनों तक राखी त्यौहार पर नही पहुँच सकते ऐसे मे सविता पुराम अपनी महिला सहयोगी के साथ आकर पुलिस अधिकारी कर्मचारी की कलाई पर राखी बांधकर एक बहन का स्नेह प्रेम दें रही है इसलिए हम सभी उनको ताई ही कहते हैं उनका यह उपक्रम प्रशंसनीय है।'

एक हाथ मदद का, एक हाथ इंसानियत का, समाज सुधारक व्हाट्सऐप ग्रुप ने निभाई मानवता

104 सदस्यों की मदद से संकट की घड़ी में शहारे परिवार को मिला बड़ा सहारा..

जगप्रेरणा सालेकसा।

सोशल मीडिया का सकारात्मक और रचनात्मक उपयोग किया जाए तो यह जरूरतमंद परिवारों के लिए कितना बड़ा सहारा बन सकता है, इसका प्रेरणादायी उदाहरण व्हाट्सऐप के समाजसुधारक ग्रुप ने समाज के सामने प्रस्तुत किया है। बोदलबोडी निवासी महेश चैतराम शहारे की पत्नी सौ. लईशीला महेश शहारे (उम्र 30 वर्ष) का 27 अगस्त 2026 को पुणे में आकस्मिक निधन हो गया। शहारे परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर होने के कारण पुणे से पार्थिव शरीर को उनके मूल गांव तक लाने के लिए आर्थिक सहायता की आवश्यकता थी।

जैसे ही यह जानकारी समाज सुधारक व्हाट्सऐप ग्रुप में साझा की गई, ग्रुप के सदस्यों ने तुरंत मदद के लिए पहल की। 'एक हाथ मदद का एक हाथ इंसानियत का' इस भावना को साकार करते हुए ग्रुप के कुल 104 सदस्यों ने स्वेच्छा से

आर्थिक सहायता प्रदान की। सदस्यों ने अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार 100 रुपये से लेकर 1,000 रुपये तक की सहायता कर शहारे परिवार के दुःख में सहभागिता निभाई और इंसानियत का परिचय दिया। इस आर्थिक सहायता से पुणे से पार्थिव शरीर को मूल गांव तक लाने में होने वाले खर्च के लिए शहारे परिवार को बड़ा सहारा मिला। दुःख और संकट की इस घड़ी में समाज के लोगों द्वारा एकजुट होकर की गई यह मदद निश्चित रूप से सराहनीय और प्रेरणादायी है। आज के दौर में सोशल मीडिया का उपयोग अक्सर केवल मनोरंजन और चर्चाओं तक सीमित रह जाता है। लेकिन समाजसुधारक ग्रुप ने सोशल मीडिया का उपयोग समाजोपयोगी कार्य के लिए करते हुए एक अलग और अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। किसी परिवार पर संकट आने पर जाति-पाति, आर्थिक स्थिति अथवा अन्य किसी प्रकार का भेदभाव किए बिना मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाना ही सच्ची मानवता है। इस पहल ने यही संदेश समाज के सामने रखा है। 104 सदस्यों द्वारा की गई यह सहायता केवल आर्थिक मदद नहीं है, बल्कि दुःख की घड़ी में पीड़ित परिवार को यह विश्वास दिलाने वाली पहल है कि 'आप इस संकट में अकेले नहीं हैं।'

समाज के अन्य लोगों और संगठनों को भी इसी प्रकार जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने की आवश्यकता है। 'एक हाथ मदद का, एक हाथ इंसानियत का'। इस संदेश को अपने कार्यों के माध्यम से साकार करते हुए समाजसुधारक व्हाट्सऐप ग्रुप ने मानवता और इंसानियत की ज्योत को प्रज्वलित रखने का सराहनीय कार्य किया है।

गोंदिया पुलिस डायरी..

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो. 9922607145

पिता की कॉलर पकडने की बात पर बेटे ने किया खुन मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत खुन का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 28/8/2026 के रात 1 बजे के दरम्यान अंगुर बगीचा रोड पर संदिप देवदास मेश्राम उम्र 42 वर्ष के पिता की कॉलर पकडकर मिथुन भैय्यालाल ठाकरे उम्र 32 वर्ष ने गाली गलोच की इस बात पर गुस्साये बेटे ने मिथुन को सर पर फरसी मारकर मौत के घाट उतारा। फर्यादी के दिये बयान पर पोस्टे रामनगर मे अपराध क्रमांक 487/2026 धारा 103,1, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोनी तिरुपती राणे पोस्टे रामनगर कर रहे है।

कपड़ा दुकान मे घुसकर अज्ञात चोर ने उडाये नगदी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के शहर पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 27/8/2026 के रात कपडा लाईन गोंदिया मे अज्ञात चोर ने फर्यादी रूपकुमार प्रभुदास बजाज उम्र 56 वर्ष निवासी सिंधी कॉलोनी गोंदिया की बजाज फैन्सी क्लॉथ स्टोर्स दुकान मे पीछे से घुसकर काऊंटर मे रखे 72 हजार रुपये चुराकर ले जाने से फर्यादी की शिकायत पर पोस्टे गोंदिया शहर मे अपराध क्रमांक 702/2026 धारा 305 अ, 331,4, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच सफौ कवपालसिंह भाटिया पोस्टे गोंदिया शहर कर रहे है।

घर के सामने से अज्ञात चोर ने उडाई मोटर सायकल मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 27/8/2026 के रात विजय नगर कटंगी मे फर्यादी वहीद रफीक खान उम्र 30 वर्ष निवासी विजयनगर कटंगी ने अपने घर के सामने अपनी पल्सर मोटरसायकल किमत 10 हजार की रखी थी। रात के समय अज्ञात चोर ने चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे रामनगर मे अपराध क्रमांक 488/2026 धारा 303,2, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोहवा राजेश भगत पोस्टे रामनगर कर रहे है।

घर के सामने से मोटरसायकल चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के रावणवाडी पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 27/8/2026 के रात फर्यादी राजेश बेनीप्रसाद रह्रेरे उम्र 40 वर्ष निवासी काटी ने अपने घर के सामने रखी होंडा लिओ मोटरसायकल किमत 70 हजार रुपये रात के समय अज्ञात चोर ने चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे रावणवाडी मे अपराध क्रमांक 425/2026 धारा 303,2, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोहवा बघेले पोस्टे रावणवाडी कर रहे है।

'मन का एक कोमल कोना': उत्थान मंदबुद्धि विद्यालय में 'विशेष' बच्चों का रक्षाबंधन उत्सव उत्साह के साथ मनाया गया

जगप्रेरणा देवरी।

भाई-बहन के पवित्र प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन का त्यौहार जहाँ हर तरफबड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है, वहीं देवरी के उत्थान मंदबुद्धि विद्यालय में आज एक अलग ही भावुक कर देने वाला दृश्य देखने को मिला। समाज की

मुख्य धारा से थोड़े दूर, लेकिन अपनत्व और स्नेह की चाह रखने वाले इन 'विशेष' बच्चों ने स्कूल परिसर में रक्षाबंधन का त्यौहार बेहद खुशी और उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर मंदबुद्धि लड़कियों ने स्कूल के लड़कों को राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र की प्रार्थना की।

कार्यक्रम की शुरुआत बेहद भक्तिमय माहौल में हुई। विद्यालय की मंदबुद्धि बच्चियों के चेहरों पर आज एक अलग ही खुशी छलक रही थी। उन्होंने अपने हाथों से बनाई रंग-बिरंगी राखियां स्कूल के लड़कों की कलाई पर बांधी। राखी बांधने के बाद लड़कियों ने अपने 'भाइयों' की आरती उतारी और उन्हें अक्षत (चावल) लगाया। इन मासूम बच्चों के मन में भरा प्रेम और आत्मीयता देखकर वहां मौजूद लोगों की आंखें भर आईं। बदले में स्कूल के लड़कों ने भी अपनी 'बहनों' की रक्षा करने का वचन देते हुए उन्हें छोटे-छोटे उपहार दिए। इस अनूठे रक्षाबंधन ने समाज में एकता और प्रेम का संदेश दिया।

इस सराहनीय पहल का आयोजन विद्यालय प्रशासन द्वारा किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल की प्रधानाचार्य धनश्री तीवलकर ने की। उन्होंने अपने संबोधन में रक्षाबंधन के महत्व को बताने के साथ-साथ इन विशेष बच्चों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें समाज में सम्मानपूर्वक जीने की ताकत देने का आह्वान किया। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक संगीता राणे, सागर मेश्राम, रोहन राठौड़, प्रतीक तीवलकर, रूपेक्षा खिरटकर, मूलचंद मोहबे, भारती शिंदे, अजिंक्य पावडे, रवींद्र तुर्के और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। स्कूल के कर्मचारियों ने बच्चों को राखी बनाने से लेकर कार्यक्रम के आयोजन तक बहुमूल्य सहयोग दिया।

मासूम खुशी का उत्सव..

रिश्ते सिर्फ खून के ही नहीं होते, बल्कि प्रेम और विश्वास के भी होते हैं—यह बात इन मंदबुद्धि बच्चों ने आज साबित कर दी। उनके चेहरों पर मासूम मुस्कान और एक-दूसरे के प्रति प्रेम देखकर यह समारोह केवल एक त्यौहार न रहकर, ममता और वात्सल्य का संगम बन गया। उत्थान मंदबुद्धि विद्यालय द्वारा की गई इस पहल की हर तरफ सराहना हो रही है।

देवरी तहसील में सविता पुराम की पहल पर रचा रक्षाबंधन का पर्व..

खाकी वर्दी को अपनत्व की आस..

पुलिसकर्मियों को राखी बांधकर बीजेपी महिला मोर्चा ने निभाया बहन-भाई का रिश्ता..

जगप्रेरणा देवरी।

समाज की सुरक्षा के लिए अपने त्यौहार-उत्सव भूलकर दिन-रात ड्यूटी पर तैनात रहने वाले और अपने घरों से दूर रहने वाले सैकड़ों पुलिस भाइयों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, देवरी तहसील की ओर से 28 अगस्त को रक्षाबंधन का भव्य कार्यक्रम बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। भाजपा महिला मोर्चा महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष एवं गोंदिया जिला परिषद सदस्य सविता संजय पुराम की मुख्य पहल तथा भाजपा महिला मोर्चा देवरी तहसील अध्यक्ष शामकला ताई गावड की अध्यक्षता में हर साल की तरह इस साल भी इस सराहनीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

सफाई कर्मचारियों और पुलिस बल को बांधी राखी..

सुबह कार्यक्रम की शुरुआत देवरी नगर पंचायत के सफाई कर्मचारियों को राखी बांधकर की गई। इसके बाद तहसील के विभिन्न पुलिस थानों और पुलिस कैंपों में जाकर महिला पदाधिकारियों ने ड्यूटी पर तैनात सैकड़ों पुलिस कर्मियों और अधिकारियों को राखी बांधी। इस अवसर पर महिलाओं ने पुलिस भाइयों की लंबी उम्र की प्रार्थना की, तो वहीं पुलिसकर्मियों ने भी समाज और महिलाओं की सुरक्षा का वचन दिया।

भाजपा की महिला पदाधिकारियों—प्रदेश उपाध्यक्ष सविता पुराम, नगर पंचायत उपाध्यक्ष प्रज्ञाताई संगीडवार, जिला परिषद सदस्य कल्पनाताई वालोदे, पंचायत समिति सदस्य शामकला गावड, वैशाली पंधरे, अंबिका बंजार, ममता अंबादे, नगर पंचायत सदस्य पिंकी कटकवार, नूतन कोवे, कमल मेश्राम, अंजूताई बिसेन, रचना उजवणे, प्रभाताई सलामे, डिलेश्वरी बिंझाडे और रोहिणी कावले—ने देवरी, चिचगढ़, मगरडोह, बोंडे, पिपरखारी और कडीकसा जाकर सैकड़ों पुलिस भाइयों को राखी बांधी।

इस पहल के माध्यम से पुलिस बल और समाज के बीच भाईचारे के रिश्ते को और मजबूत करने तथा सामाजिक सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया गया। अपने परिवार से दूर रहकर सीमाओं और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में संवेदनशील ड्यूटी निभाने वाले पुलिसकर्मियों के चेहरे पर राखी बंधवाते समय एक अलग ही खुशी और अपनापन नजर आया। आयोजक सविता संजय पुराम और भाजपा महिला मोर्चा के इस प्रयास की पूरे तहसील में सराहना की जा रही है।

जी. के. महिला महाविद्यालय कावराबांध में मनाया गया स्पेस डे

जगप्रेरणा कावराबांध।

जी. के. महिला महाविद्यालय कावराबंध में फिजिक्स, केमिस्ट्री एवं मैथ विभाग के संयुक्त तत्वावधान में स्पेस डे (अंतरिक्ष दिवस) उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन

महाविद्यालय की प्राचार्य प्रतिमा यादव के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का संयोजन प्रा. आशुतोष नागपुरे ने किया।

स्पेस डे के अवसर पर विद्यार्थियों में अंतरिक्ष विज्ञान, खगोल विज्ञान तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में विद्यार्थियों के ज्ञान एवं वैज्ञानिक जिज्ञासा को परखने के लिए प्रश्न-मंजूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अंतरिक्ष, विज्ञान एवं खगोल विज्ञान से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दिए।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाले विद्यार्थियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। प्रमाण-पत्र वितरण के माध्यम से विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्य प्रतिमा यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के साथ-साथ उनकी प्रतिभा एवं ज्ञान को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से विज्ञान एवं अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में निरंतर अध्ययन और नई जानकारी प्राप्त करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में फिजिक्स, केमिस्ट्री एवं मैथ विभाग के प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति उत्सुकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया।

किरसान्स मिशन स्कूल, गोरेगांव में 'राष्ट्रीय खेल दिवस' एवं वार्षिक क्रीड़ा महोत्सव उत्साहपूर्वक संपन्न

जगप्रेरणा गोरेगांव।

भारतीय खेल जगत के महानायक एवं हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में स्थानीय किरसान्स मिशन स्कूल, गोरेगांव में 'राष्ट्रीय खेल दिवस' एवं

वार्षिक क्रीड़ा महोत्सव उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। विद्यार्थियों में खेलों के प्रति रुचि उत्पन्न करना तथा उनकी छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य रहा। इस विशेष क्रीड़ा महोत्सव में क्रीड़ा मार्गदर्शक आमिर शेख सर प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की मुख्याध्यापिका कविता येडे मैडम ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं मान्यवरों द्वारा मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात क्रीड़ा ध्वज फहराकर क्रीड़ा महोत्सव का भव्य उद्घाटन किया गया। विद्यार्थियों ने अनुशासित मार्च पास्ट करते हुए अतिथियों को सलामी दी। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विद्यालय के मैदान में दौड़, खो-खो, कबड्डी, लंबी कूद सहित विभिन्न मैदानी एवं शारीरिक क्षमता आधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने इन

प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम मे उपस्थित अतिथी गण ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद का खेल जगत में योगदान और उनका संघर्ष सभी के लिए प्रेरणादायक है। खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और एकाग्रता विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रत्येक विद्यार्थी को जीवन में किसी न किसी खेल को अवश्य अपनाना चाहिए। मुख्याध्यापिका कविता येडे मैडम ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में शिक्षा के साथ-साथ खेलों का भी महत्वपूर्ण स्थान है। राष्ट्रीय खेल दिवस के माध्यम से विद्यार्थियों में स्वास्थ्य एवं मैदानी खेलों के प्रति जागरूकता निर्माण करने का विद्यालय का प्रयास है। उन्होंने विद्यार्थियों को खेल भावना के साथ आगे बढ़ने तथा भविष्य में देश और विद्यालय का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी एवं विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता से राष्ट्रीय खेल दिवस एवं वार्षिक क्रीड़ा महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अंकुर टेस्ट ट्युब बेबी एंड रिसर्च सेंटर
बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण
उपलब्ध सुविधाएें..
- टेस्ट ट्युब बेबी (IVF ET)
- इक्सी टेस्ट ट्युब बेबी (ICSI)
- (IUI) आय.यू.आय.
- अधिक उम्र में मातृत्व
- ओव्हम डोनेशन द्वारा
- बंद फॉलोपियन ट्युब खोलना
- पुरुष बंधत्व निदान व उपचार
- शुक्राणु बैंक सुविधा
- सोनोग्राफी
- हार्मोस की जांच
- हार्मोस की गड़बड़ी की ईलाज
- दुरबीन द्वारा ऑपरेशन
डॉ. संजीव चिटणवीस अस्थि रोग विशेषज्ञ
डॉ.सौ.प्रणिता चिटणवीस प्रसुति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ
एक्सीडेंट हॉस्पीटल व अंकुर क्लिनिक
गणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

जग प्रेरणा live गोंदिया भंडारा
● आमगांव ● गोरेगांव ● सड़क अर्जुनी ● देवरी ● सालेकसा ● अर्जुनी मोरगांव ● तिरोड़ा ● लाखांदुर ● साकोली

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टेंड के पास
2. अष्ट विनायक अपार्टमेंट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

दोनों हाथों की कलाईयों में हजारों बहनों ने बांधी विधायक डॉ. परिणय फुके को स्नेह बंधन की राखीयां..

लगातार पांचवे वर्ष विधायक परिणय फुके बंधे नजर आए अटूट रिश्ते में..

जगप्रेरणा गोंदिया।

रक्षाबंधन का पावन पर्व हो तो इस पर्व पर एक नेता कम और हजारों बहनों के भाई विधायक डॉ. परिणय फुके नजर आते हैं, और ऐसा ही एक बार फिर गोंदिया में 29 अगस्त को पोवार बोर्डिंग में महिला मोर्चा द्वारा आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम में नजर आया, जब बड़ी संख्या में बहनों ने अपने लाडले भाई विधायक परिणय फुके को रक्षाबंधन की राखी बांधी। सैकड़ों हजारों बहनों के साथ गोंदिया में

रक्षाबंधन का त्यौहार भव्यता से मनाते हुए यह पांचवा वर्ष था कि जब विधायक डॉ. परिणय फुके के दोनों हाथों में राखी बांधते हुए बहने नजर आ रही थी। आयोजित रक्षाबंधन समारोह में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, गोंदिया के तत्वाधान में गोंदिया जिले की करीब 2,000 से 2,500 महिला बहनों ने स्वउत्साह से भाग लिया, और डॉ. परिणय फुके की कलाई पर राखी बांधी और भाई-बहन के प्रेम, विश्वास एवं स्नेह के रिश्ते को मजबूत किया। गौरतलब है कि रक्षाबंधन के इस कार्यक्रम में प्रमुख रुप से भाजपा गोंदिया जिलाध्यक्ष सीताताई रहांगडाले, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष तुमेश्वरीताई बघेले, किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष महाराष्ट्र रचनाताई गहाणे, जिला उपाध्यक्ष भावनाताई कदम, जि.प. सभापति पुर्णिमाताई ढेंगे, रजनीताई कुंभरे, दीपाताई चंद्रिकापुरे, जिला महामंत्री महिला मोर्चा चैतालीताई नागपुरे, सेंगर ताई, रुपाली टेंभुर्णे एवं संगीता दोनोडे के साथ ही सभी जिला परिषद सदस्य, मंडल अध्यक्ष तथा भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

बोले डॉ. परिणय फुके..

आयोजित रक्षाबंधन के पर्व पर विधायक डॉ. परिणय फुके ने कहा कि वे अपनी सभी महिला बहनों से बहुत स्नेह रखते हैं, और जब भी किसी बहन को आवश्यकता होगी, वे अपनी बहनों के लिये हमेशा खड़े रहेंगे।

श्री फुके ने कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया। उन्होंने 'लखपति दीदी' योजना, महिला बचत समूह, स्वरोजगार एवं आर्थिक स्वावलंबन के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिये भी प्रेरित किया।

गुदमा प्रतापबाग नई रेलवे लाई के भूमि अधिग्रहण के खिलाफ

गोंदिया बालाघाट रोड पर कटंगी नाके पर सैकड़ों भूमालिकों का रास्ता रोको आंदोलन 7 सितम्बर को..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले में हावड़ा मुंबई रेल मार्ग से एक अलग बाईपास रेल मार्ग गुदमा से प्रतापबाग होते हुए जबलपुर रेल मार्ग के लिये निर्मित किया जा रहा है, जिसके भूमि अधिग्रहण के लिये रेल विभाग द्वारा भूमि मालिकों को राशि अधिग्रहण के बदले जो राशि दी जानी है, वह अपर्याप्त है, और वर्तमान दरों के अनुरुप सिर्फ 10 प्रतिशत है,

जबकि गत दो तीन वर्षों में ही जिन भूमिधारकों ने भूमि का क्रय विक्रय भी किया है, वह भी कई गुना अधिक है। इस स्थिति में रेल विभाग की भूमि अधिग्रहण की नीति के खिलाफ भूमि मालिकों में लगातार आक्रोश बढ़ता ही रहा है। भूमि मालिकों ने एकजुट होकर 29 अगस्त को एक बैठक स्थानीय मयूर लॉन, ग्राम कटंगी में बुलाई, जिसमें स्थानीय नेता अखिलेश सेठ की प्रमुख उपस्थिति में उपस्थित भूमि मालिकों ने आक्रोश व्यक्त किया, तथा उपविभागीय अधिकारी एवं स्थानीय जिला प्रतिनिधियों को सूचना देते हुए यह तय किया कि अब सभी 150 से अधिक भूमि मालिक बड़ी संख्या में जनसमर्थन जुटाते हुए 7 सितम्बर 2026 दिन सोमवार को दोपहर 12 बजे से स्थानीय कटंगी नाके पर रास्ता रोको आंदोलन करेंगे, तथा इसके बाद भी यदि स्थानीय प्रशासन एवं रेल विभाग ने भूमि मालिकों की फरियाद को नजर अंदाज किया और पुनः मुल्यांकन कर भूमि अधिग्रहण की दरों को संशोधित नहीं किया गया तो इस स्थिति में रेल रोको आंदोलन एवं अन्य आंदोलन भी किये जाएंगे, तथा किसी भी स्थिति में रेलवे को भूमि अधिग्रहण का कार्य पूर्ण करने एवं नई रेल लाईन बिछाने का कार्य नहीं करने दिया जायेगा।

यह रहे उपस्थित..

बैठक में प्रमुख रुप से कार्तिक चौहान, सूरज बावनकर, सुप्रीत बैस, राजू चन्नेकर, राजू बिसेन, राधाकृष्ण ठाकुर, चूटे गुरुजी, अय्यूब शेख, जितेंद्र लिल्हारे, गजेंद्र कवास, धीरेन्द्र पटेल एवं सैकड़ों भू धारक भी उपस्थित थे।

बोले अखिलेश सेठ..

स्थानीय नेता अखिलेश सेठ ने बताया कि आयोजित बैठक में गोंदिया तालुका अंतर्गत आने वाले ग्राम गुदमा, गोंदिया खुर्द, खमारी, दागों टोला, चुल्होद, दातोरा, हल्बी टोला, घीवारी, चांदनी टोला, लोधी टोला, कटंगी कला, नागरा के सभी भू धारक जिनकी जमीन मकान प्लॉट दुकान अधिग्रहण में जा रही है, बैठक में उपस्थित थे। बैठक में प्रभावित किसानों ने मुआवजा 5 गुना बढ़ाने, परिवार में एक शासकीय नौकरी, 30 मीटर तक अतिरिक्त मुआवजा और रास्ता बनाने की मांग का निर्णय किया है, तथा इस मांगपत्र के ज्ञापन के साथ 7 सितंबर सोमवार को दोपहर 12 बजे कटंगी नाका, बालाघाट रोड गोंदिया पर रास्ता रोको आंदोलन किया जायेगा।

भावना कदम बनीं लायंस क्लब गोंदिया सिविल की अध्यक्ष, समारोहपूर्वक हुआ शपथ ग्रहण..

केशव ठाकरे ने सचिव और मंजुषा फुंडे ने कोषाध्यक्ष का दायित्व संभाला..

जगप्रेरणा गोंदिया।

सेवा को संस्कार और मानवता को अपना उद्देश्य मानकर निरंतर समाजहित में कार्य करने वाले लायंस क्लब गोंदिया सिविल का वर्ष 2026-27 का भव्य शपथ ग्रहण समारोह ग्रीनलैंड लॉन, गोंदिया में गरिमामय एवं आत्मीय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में शहर की जानी-मानी समाजसेवी एवं पूर्व पार्षद सौ. भावना कदम

ने लायंस क्लब गोंदिया सिविल के अध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण कर क्लब की नई जिम्मेदारी संभाली। इस अवसर पर वरिष्ठ लायन एमजेएफ मुरलीधर माहोरे, रीजन चेयरपर्सन सौ. सुजाता बहेकार, जोन चेयरपर्सन पवन कटरे एवं चार्टर प्रेसिडेंट दीपक कदम ने भी अपने विचार रखते हुए नई टीम को शुभकामनाएं दी। समारोह में नागपुर से पधारे पूर्व प्रांतपाल एमजेएफ विनोद वर्मा एवं शपथविधि अधिकारी एमजेएफ अरुण चतुर्वेदी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर सचिव केशव ठाकरे, कोषाध्यक्ष सौ. मंजुषा फुंडे, सहसचिव किशोर पटले, सह कोषाध्यक्ष विनीता ठाकुर, प्रथम उपाध्यक्ष सौ. प्रांजलि बोरकुटे, द्वितीय उपाध्यक्ष गजेंद्र फुंडे एवं तृतीय उपाध्यक्ष सुरेश बहेकार सहित विभिन्न समितियों एवं सेवा प्रकल्पों के पदाधिकारियों ने अपने-अपने दायित्व की शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन किशोर पटले ने किया तथा आभार प्रदर्शन सचिव केशव ठाकरे ने किया।

दीपक कदम का मनाया जन्मदिन..

समारोह के दौरान भाजपा सहकार नेता एवं चार्टर प्रेसिडेंट दीपक कदम का जन्मदिन केक काटकर उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष सचिन शेंडे, पूर्व प्रांतपाल विनोद जैन, राजेंद्र बग्गा, जोन चेयर पर्सन नितिन पुगलिया, प्रदीप जायसवाल, मजूर संघ अध्यक्ष बंटी मिश्रा, राजू एन. जैन सहित तिरोड़ा एवं नवेगांव बांध लायंस क्लब के पदाधिकारी, राइस सिटी के पदाधिकारी तथा अनेक गणमान्य नागरिक एवं मित्र परिवार उपस्थित रहे।

बोली भावना कदम..

अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालते हुए सौ. भावना कदम ने कहा कि लायंस क्लब गोंदिया सिविल की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2026-27 में सेवा कार्यों को और व्यापक रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नेत्र सेवा एवं नेत्र जांच शिविर, आरोग्य शिविर, वृक्षारोपण, जरूरतमंद बच्चों एवं लाभार्थियों को स्वेटर वितरण सहित अनेक जनसेवा प्रकल्प किए जाएंगे।

बोले पूर्व प्रांतपाल विनोद वर्मा..

समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व प्रांतपाल एमजेएफ विनोद वर्मा ने कहा कि लायंस क्लब गोंदिया सिविल अपने 18 वर्षों की गौरवशाली यात्रा में सेवा के क्षेत्र में एक अलग पहचान बनाने में सफल रहा है। उन्होंने कहा कि क्लब की सबसे बड़ी ताकत उसके सेवा प्रकल्पों के साथ-साथ सदस्यों के बीच बना पारिवारिक और आत्मीय रिश्ता है। उन्होंने क्लब के संस्थापक एमजेएफ मुरलीधर माहोरे एवं चार्टर प्रेसिडेंट दीपक कदम के योगदान की भी प्रशंसा की।

बोले एमजेएफ अरुण चतुर्वेदी..

एमजेएफ अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि पद केवल सम्मान नहीं, बल्कि सेवा और जिम्मेदारी का माध्यम है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से लायंस के उद्देश्य को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

नई टीम में अनुभव और युवा ऊर्जा का संगम

नई टीम में दायित्वों के लिए अनेक सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसमें मेंबरशिप चेयरपर्सन हर्षद मेहता, एलसीआईएफ चेयरपर्सन एमजेएफ मुरलीधर माहोरे, सर्विस दीपक कदम एवं डॉ. दुवारे, एक्टिविटी दिलीप चौरगड़े एवं प्रशांत बोरकुटे, लीडरशिप दुर्गा ठाकरे एवं आनंद ठाकुर, क्वालिटी कृतिका शैट, कश्मीरा संघाणी एवं चेतना कटरे, क्रेस्ट भुवन बिसेन, ममता कटारे एवं योगिता बिसेन सहित विभिन्न समितियों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भी अपनी जिम्मेदारियां संभालीं। इसके साथ ही सर्विस वीक, पीस पोस्टर, पर्यावरण, भोजन, युवा संगठन, महिला संगठन, हेल्थ, क्लब बुलेटिन सहित विभिन्न समितियों का गठन किया गया है।

प्रोग्रेसिव ग्रुप ऑफ स्कूल्स में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया राष्ट्रीय खेल दिवस..

जगप्रेरणा गोंदिया।

श्रीमती उमाबाई बहुउद्देशीय शिक्षण संस्था, गोंदिया द्वारा संचालित प्रोग्रेसिव ग्रुप ऑफस्कूल्स की सभी शाखाओं में मेजर ध्यानचंद जी की जयंती को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में हर्षोल्लास के साथ

मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदा एवं ध्यानचंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि जिला बैडमिंटन एसोसिएशन, गोंदिया के अध्यक्ष ओंकार लिचड़े, सेवानिवृत्त पी.टी. शिक्षक राजकुमार डोमडेस, महाराष्ट्र नेटबॉल एसोसिएशन के सचिव ऋतुराज यादव तथा हेडकोच करियर लॉन्चर स्पोर्ट्स एकेडमी टेड़ा, गोंदिया के राकेश शिवनकर उपस्थित रहे। संस्था अध्यक्ष डॉ. पंकज कटकवार, उपाध्यक्ष श्रीमती अलका पंकज कटकवार, संस्था सचिव डॉ. नीरज कटकवार, एवं संचालिका श्रीमती लीना एन. कटकवार भी कार्यक्रम में उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों के साथ अलग-अलग खेल प्रतियोगिताओं में उत्साह पूर्वक भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के दौरान दौड़, रिले रेस, कबड्डी, हर्डल रेस, खो-खो, कैरम और शतरंज सहित विभिन्न मनोरंजक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने खेल भावना, अनुशासन एवं टीमवर्क का उत्कृष्ट परिचय देते हुए प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

संस्था सचिव डॉ. नीरज कटकवार ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को खेल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्म विश्वास एवं सहयोग की भावना विकसित होती है। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय प्राचार्य कुमुदिनी तवाड़े, वाय. आशा राव, जावेद शेख, विकास पटले सहित क्रीड़ा शिक्षक हेमा नायडू, ओमेश्वर तांडकर, इंदल लिल्हारे, तिलोक तुरकर, मेघा पांडे, आयुष चौरे, पियुष बोरसारे एवं पायल गजभिये ने अथक प्रयास किया। प्रोग्रेसिव ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खेल दिवस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। कार्यक्रम का समापन खेल भावना एवं जोश के साथ हुआ।

जान से मारने की कोशिश मामले में नरेंद्र तांडेकर को 10 साल के सश्रम कारावास की सजा

जगप्रेरणा गोंदिया। जिला एवं सत्र न्यायालय ने आरोपी नरेंद्र कुंभरिया तांडेकर (40), निवासी नवेगांवबांध, अर्जुनी मोरगांव, को दोषी ठहराते हुए 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी पर 25 हजार का जुर्माना भी लगाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 29 जून 2016 को शिकायतकर्ता हेमकृष्ण छगन सूर्यवंशी के अनुसार, उनके मालिक का बेटा उमेश माधवराव आगाशे (22) मोटर साइकिल से नवेगांवबांध स्थित टी-पॉइंट के पास आकाश वाघमारे की नाश्ते की दुकान पर गया था। इसी दौरान आरोपी नरेंद्र तांडेकर ने उमेश आगाशे से कहासुनी कर पास में पड़ी लोहे की पट्टी से सिर पर जान से मारने की नीयत से तीन-चार बार जोरदार वार किए, जिससे उमेश गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद मौजूद लोगों ने ग्रामीण अस्पताल, में भर्ती करातेह हुए एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने विस्तृत जांच के बाद आरोपी के खिलाफधारा 307 और 504 के तहत आरोपपत्र गोंदिया जिला एवं सत्र न्यायालय में पेश किया। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील श्री कृष्णा डी पारधी एवं एम.एस. चंद्रवानी ने 19 गवाहों के बयान एवं अन्य दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आर.जी. वाघमारे ने नरेंद्र कुंभारिया तांडेकर को दोषी ठहराया। धारा 307 के तहत 10 वर्ष का सश्रम कारावास और 20 हजार रुपये जुर्माना, जबकि धारा 504 के तहत 1 वर्ष का सश्रम कारावास और 5 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया। मामले की पैरवी पुलिस नायक/बकल नंबर 1707 उत्तम शोभेलाल मेहर ने की।

दरियां ◆ मैटिंग्स ◆ कारपेट्स ◆ डोरमेट्स ◆ शॉल
ब्लैंकेट्स ◆ स्कूल की भोजन पतियां ◆ ताड़पत्री
मच्छरदानी ◆ ग्रीन नेट ◆ चादरे
बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता
ग्रीन नेट | कारपेट्स | ताड़पत्री | डोरमेट्स | ब्लैंकेट्स | बेड शीट्स
रमनकुमार मेठी हैंडलूम हाउस
उत्तम क्वालिटी वाजिब दाम हमारी पहचान
9890696200
होम डिलीवरी की सुविधा
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया | थोक व चिल्लर विक्रेता

TYRE WORLD
(अपोलो टायर्स के अधिकृत विक्रेता)
★ टायर ★ अलाईनमेन्ट
★ बैलेंसिंग ★ नाइट्रोजन
हिंदुस्थान ऑटोमोबाईल के पास, रामनगर, गोंदिया
79991 54494, 98233 95921

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com